शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 29 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-208

संघ के खिलाफ बोलने पर भी भाजपा के माथे पर बैठे हैं नड्डा!

भाजपा को 'खा' रहे हैं राग दरबारी

पूरा देश यह देख चुका है कि जिस तरह क्षेत्रीय स्तर पर तेलंगाना के भाजपा नेता जी किशन रेड्डी ने गोशामहल विधानसभा सीट के विधायक टी राजा सिंह को खा लिया उसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर जेपी नड्डा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को खा लिया। अब लीपापोती करने के लिए धनखड़ के खिलाफ जो भी बातें कही जा रही हों या राजा सिंह के बारे में कही जा रही हों, वह सब मनगढ़ंत बातें हैं... संकट-प्रबंधन के ये सब हथकंडे हैं। लब्बोलुबाव यह है कि भाजपा के राग-दरबारी भाजपा को खा रहे हैं, लेकिन विडंबना यह है कि सत्ता-दंभी नेतृत्व को चाटुकार ही सुहा रहे हैं। तेलंगाना के चाटुकार भाजपा नेताओं ने भाजपा की क्या दुर्गति बनाई, यह जगजाहिर है। पिछले दिनों शुभ-लाभ ने इस पर थोड़ी चर्चा भी की थी। राष्ट्रीय स्तर पर चाटुकारों ने भाजपा की जो दुर्दशा कर रखी है, इस पर भी बात होनी चाहिए। भाजपा की तीन बार की ऐतिहासिक जीत ने भाजपा को शीर्ष पर पहुंचा दिया, लेकिन बहस इस बात की हो रही है कि भाजपा के कारण भाजपा जीती या मोदी के कारण भाजपा जीती। यह भी कुछ दिनों में साफ हो जाएगा, जब नरेंद्र मोदी का सक्रिय राजनीति से अवकाश होगा, तब यह साफ होगा कि भाजपा, भाजपा की वजह सके जीत रही थी या मोदी की वजह से। कोशिश भी इसी बात की है कि भाजपा की जीत का श्रेय केवल मोदी को जाए, तभी तो इतिहास में मोदी का नाम दर्ज होगा। भाजपा की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के योगदान और अवदान को कमतर कर आंकने और षडयंत्रपूर्वक हाशिए पर डालने की गतिविधियां कोई छुपी हुई बात थोड़े ही रह गई है। सत्ता

शुभ-लाभ समीक्षा

नेतृत्व को घेरे बैठे चाटुकार यही तो कर रहे हैं लगातार...

2024 के लोकसभा चुनाव के फ्लैशबैक में चलें। चुनाव पूरे परवान पर था। चार सौ पार पहुंचने का अतिरिक्त आत्मविश्वास ठाठे मार रहा था। उसी अति-आत्मविश्वास की धारा पर चाटुकार दल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपनी औकात दिखाने का कुचक्र रच रहा था। जब भाजपा संगठन का अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद बोले कि भाजपा को संघ की कोई जरूरत नहीं। भाजपा खुद में सक्षम है। तो आप नड्डा के उस बयान के निहितार्थ समझिए। क्या आप समझते हैं कि चाटुकार अपने आका के किसी इशारे के बिना कोई बात कहता है? 18 मई 2024 को अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस को दिए साक्षात्कार में जेपी नड्डा ने कहा था, शुरुआत में हम अक्षम होंगे, थोड़ा कम होंगे, तब आरएसएस की जरूरत थी। आज हम बढ़ गए हैं। हम सक्षम हैं। भाजपा अपने आप को चलाती है। नड्डा ने साफ-साफ लाइन खींचते हुए कहा था, आरएसएस एक सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन है। जबकि भाजपा एक राजनीतिक दल है। सबकी अपनी-अपनी भूमिका है। नड्डा ने मथुरा और वाराणसी के मंदिर मुद्दे पर भी कहा था, भाजपा का ऐसा कोई विचार, योजना या इच्छा नहीं है। ...और नड्डा के इस बयान ने नतीजा दिखा दिया। चार सौ पार के बजाय वैतरणी पार करने में दिक्कत खड़ी हो गई और जेडीयू एवं टीडीपी के सहारे सरकार का गठन हो पाया। लोकसभा चुनाव में भाजपा अकेले बूते पर बहुमत भी नहीं ला सकी। भाजपा को सिर्फ 240 सीटें ही मिलीं। फिर भी चाटुकारों को शर्म नहीं आई। उनका धंधा जारी है।

शीर्ष नेताओं के चहेते हैं रेड्डी और नड्डा जैसे चाटुकार

राग दरबारियों का वर्चस्व पार्टी में इस कदर कायम है कि नड्डा अध्यक्ष पद से हटने का नाम नहीं ले रहे। ▶10 पर

कांग्रेस बताए मुंबई हमले में आतंकी कहां से आए थे?

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहलगाम न जाकर बिहार के चुनावी सभा में संबोधन करने को लेकर उठाए गए कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के सवाल पर केंद्रीय मंत्री एवं जेडीयू नेता ललन सिंह ने कहा कि 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस था, जब पीएम मोदी मधुबनी में पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करने गए थे। वहां, पीएम मोदी ने पहली बार पहलगाम की घटना पर बात की और उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उनकी कल्पना से परे जवाब मिलेगा।

पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा, गौरव गोगोई ने सेना की वीरता और साहस की एक बार भी प्रशंसा नहीं की। उनकी नजर में सैनिकों का कोई महत्व नहीं है। आतंकी घटना आज की नहीं है। ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दिया दुनिया को संदेश

भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए दृढ़ है

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज लोकसभा में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर शुरू हुई 16 घंटे की चर्चा में कहा कि लड़ाई हमेशा बराबरी वालों से की जाती है, शेर कभी मेंढक पर हमला नहीं करता। पाकिस्तान पर हमला कर भारत अपना स्तर खराब नहीं करेगा। उन्होंने कहा, आतंकवाद को समर्थन देने वालों को यह स्पष्ट संदेश चला गया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। रक्षा मंत्री ने विपक्षी दलों से आह्वान किया, आइए हम सभी दलगत भेदभाव से ऊपर उठकर, संगच्छध्वं संवदध्वं के मंत्र से प्रेरणा लेकर एक साथ खड़े हों। हम इस राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत करें, यही हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। रक्षा मंत्री ने कहा, यह समय एकजुट होकर अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और आत्मसम्मान की रक्षा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का है। हमें यह याद रखना होगा कि हमारी सामाजिक और राजनीतिक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

शेर मेंढक मारे तो अच्छा संदेश नहीं : राजनाथ

लोकसभा में शुरू हुई ऑपरेशन सिंदूर पर बहस

संघर्ष रोकने के निर्णय में कोई तीसरा पक्ष नहीं

पाकिस्तानी डीजीएमओ के आग्रह पर रुका संघर्ष

पाकिस्तान के दुस्साहस को दिए गए भारत के मुंहतोड़ जवाब का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने पूरी दुनिया को बड़ा संदेश दिया। उन्होंने संसद के मंच से एक बार फिर साफ किया कि पाकिस्तान और भारत के बीच 10 मई को थमी गोलाबारी के पीछे कोई तीसरा पक्ष नहीं था, देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद संघर्ष रुका। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सेना ने पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने में पूरी सफलता पाई है। भारतीय सेना को किसी भी तरह की सैन्य क्षति नहीं हुई है। राजनाथ सिंह ने विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए और कहा कि संसद को एक सुर में देश की सेना के पराक्रम को सलाम करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश की नीति को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, वर्ष 2015 में जब प्रधानमंत्री मोदी जी ने लाहौर जाकर नवाज शरीफ से मुलाक़ात की, तो भारत ने फिर से दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। हम वाकई शांति की राह पर चलना चाहते थे क्योंकि हमारी मूल प्रकृति बुद्ध की है, युद्ध की नहीं।

भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद 10 मई को थमी गोलाबारी के पीछे की वजह साफ करते हुए संसद के पटल पर ▶10 पर

पहलगाम हमले में शामिल आतंकी का खात्मा!

श्रीनगर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन महादेव में हासिम मूसा समेत 3 कुख्यात आतंकी ढेर हो गए। एनकाउंटर जारी है। बताया गया है कि मरने वाले आतंकियों में पहलगाम हमले में शामिल आतंकी भी शामिल है। हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जम्मू-कश्मीर में चल रहे ऑपरेशन महादेव के तहत श्रीनगर के लिदवास स्थित हारवन जंगल क्षेत्र में आज सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों सुलेमान साहा, अबु हमजा और यासिर को मार गिराया। सेना के चिनार कोर के अनुसार, ▶10 पर

फिर हम पाकिस्तान से क्यों खेलें क्रिकेट मैच?

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव गुट के सांसद अरविंद सावंत ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पड़ोसी देश के साथ चल रहे तनाव को देखते हुए भारत को पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने से बचना चाहिए। उनका यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब शनिवार को एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी किया गया है, जिसके तहत भारत और पाकिस्तान को 14 सितंबर को मैच खेलना है।

संसद में ऑपरेशन सिदूर पर चर्चा के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का मुद्दा उठाया गया। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमने पाकिस्तान को धूल चटाई। हम पाकिस्तान के साथ कोई भी नाता नहीं रख रहे, फिर हम उनके साथ क्रिकेट मैच क्यों खेलने जा रहे। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया

बिहार में मतदाता पुनरीक्षण नहीं रुकेगा

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को आधार कार्ड और वोटर आईडी को वोटर रिवीजन लिस्ट की जांच में शामिल करने को कहा है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ कर रही है।

बिहार में विशेष सघन मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को राहत देते हुए मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आयोग एसआईआर अभ्यास के लिए आधार और मतदाता पहचान पत्र स्वीकार करना जारी रखे। मामले पर अंतिम निर्णय कल लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित करने पर रोक लगाने को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वोटर लिस्ट में अगर फर्जीवाड़ा की बात है तो धरती पर कोई भी दस्तावेज ऐसा नहीं है, जिसकी नकल न हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर सुनवाई को मंगलवार 29 जुलाई तक के लिए टाल दिया।

बहस की तारीख पर मंगलवार को होगी सुनवाई

अदालत विशेष गहन पुनरीक्षण पर बहस की तारीख अब मंगलवार को तय करेगी। बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि यह प्रक्रिया बड़े पैमाने पर नाम काटने के बदले नाम जोड़ने जैसी होनी चाहिए। अदालत ने याचिकाकर्ताओं के वकीलों से पूछा कि बहस के लिए कौन कितना समय लेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली तारीख पर चुनाव आयोग से कहा था कि वो आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड को लिए जा रहे दस्तावेजों की सूची में शामिल करने पर विचार करे। चुनाव आयोग ने कोर्ट में दाखिल जवाब में कहा कि ये तीनों दस्तावेज भरोसेमंद नहीं हैं, क्योंकि इन्हें गलत तरीके से फर्जी बनाया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत ने आज सुनवाई के दौरान आयोग से कहा कि दुनिया का कोई भी पेपर जाली बनाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि आपकी लिस्ट वाले पेपर भी निर्णायक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से पूछा कि क्या वो आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र स्वीकार करेगा। आयोग ने कहा कि उसे राशन कार्ड स्वीकार करने में दिक्कत है। आयोग ने कहा कि वोटर आईडी तो फॉर्म पर पहले से प्रिंटेड है और फॉर्म में वोटर को आधार नंबर भरना है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 23^0

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटकर 1.5 प्रतिशत पर

सरकारों के सियासी दावों का खोखला सच

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जून 2025 में 1.5 प्रतिशत के साथ 10 महीने के निचले स्तर पर आ गई। सरकार ने सोमवार को इससे जुड़े आधिकारिक आंकड़े जारी किए। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया कारखाना उत्पादन जून 2024 में 4.9 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने भी मई माह के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पिछले महीने जारी अनुमान 1.2 प्रतिशत था। विकास की पिछली निम्न गति अगस्त 2024 में दर्ज की गई थी, जब उत्पादन वृद्धि स्थिर रही थी। आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री एवं अनुसंधान और आउटरीच प्रमुख अदिति नायर ने कहा, जून 2025 के उत्तरार्ध में अत्यधिक बारिश से खनन उत्पादन पर असर पड़ने की संभावना है, साथ ही बिजली उत्पादन में भी कमी आएगी, हालांकि पिछले महीने की तुलना में इसकी सीमा कम हुई है। एनएसओ के आंकड़ों से पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि जून 2025 में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक वर्ष पूर्व इसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। जून 2025 में बिजली उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2026 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर एक साल पहले के 5.4 प्रतिशत से घटकर 2 प्रतिशत रह गई, जो पिछली 11 तिमाहियों में सबसे कम है। नायर ने कहा, तिमाही के संदर्भ में, आईआईपी ▶10 पर

सरकार ने जारी किए आधिकारिक आंकड़े

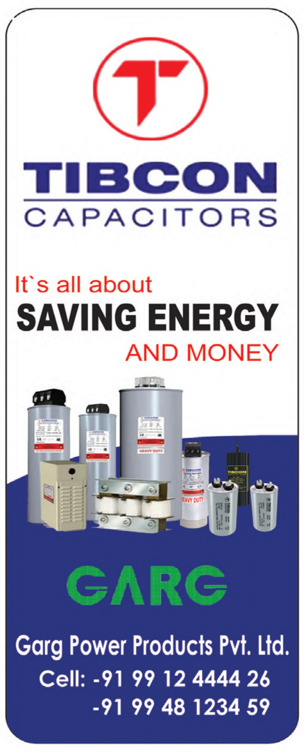

सीनेटर कोरीन ने संसद में मासूम बेटे 'ऑगी' को गोद में लेकर दी पहली स्पीच

कहा- कामकाजी माता-पिता सिद्धांत में नहीं, बल्कि संसद में हक से शामिल हों

सिडनी,28 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य से नव-निर्वाचित लेबर पार्टी की सीनेटर कोरीन मुलहोलैंड ने संसद में अपनी पहली स्पीच अपने नन्हे बेटे 'ऑगी' को गोद में लेकर दी। कोरीन मई में हुए संघीय चुनाव में क्वींसलैंड से सीनेटर चुनी गई थीं। कोरीन ने कहा कि ऑगी उनके साथ किसी प्रतीक के तौर पर नहीं बल्कि एक ताकतवर याद दिलाने के लिए हैं कि आखिर वो संसद में क्यों हैं।

उन्होंने अपनी स्पीच में कहा कि मैं एक पत्नी हूं, एक मां हूं और क्वींसलैंड के बाहरी उपनगर से आती हूं। ऑगी मेरे लिए एक ताकतवर प्रेरणा हैं कि मुझे हर काम परिवार और समाज के लिए ही करना है। कोरीन ने अपनी स्पीच में कामकाजी माता-पिता की चुनौतियों और हकीकतों को संसद में खुलकर रखा। उन्होंने कहा कि कामकाजी माता-पिता सिर्फ सिद्धांत में नहीं, बल्कि संसद के अंदर भी पूरे हक से शामिल होने चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता की हकीकत में बच्चों की देखभाल, जिम्मेदारियां, भागदौड़ और कभी-कभी हंसी-मजाक और अव्यवस्था भी शामिल हैं। यही असली जिंदगी है।

कोरीन ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान वे सिर्फ तीन महीने के ऑगी को स्तनपान कराते हुए भी लोगों के बीच पहुंची थीं। उन्होंने संसद से अपील की कि अब वक्त आ गया है कि जो लचीलापन यहां सांसदों को मिलता है, वही लचीलापन हर कामकाजी परिवार को भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं चाहती हूं कि माता-पिता को अपने काम के तरीकों, समय और जगह चुनने की असली आजादी मिले। यह बदलाव संसद से शुरू होना चाहिए।

कोरीन की इस भावनात्मक और सशक्त स्पीच में ऑगी ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं। हालांकि स्पीच खत्म होने से पहले ऑगी को बाकी सांसदों ने गोद में संभाला ताकि कोरीन अपनी बात पूरी कर सकें।

न्यूज ब्रीफ

चीन में भूस्खलन से चार की मौत, आठ लापता, बीजिंग बाढ़ की चपेट में

बीजिंग। चीन में मूसलाधार बरसात ने बड़े हिस्से में तबाही मचाई है। अधिकांश नदी-नाले उफान पर हैं। इस बीच उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत के एक गांव में सोमवार तड़के हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लापता हैं। खबर के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि चेंगडे शहर के लुआनपिंग काउंटी स्थित गांव में भारी बारिश के बीच भूस्खलन हुआ। बचाव कार्य जारी है। इसके अलावा राजधानी बीजिंग और हेबेई प्रांत सहित उत्तरी चीन के कई क्षेत्र मूसलाधार बारिश और बाढ़ की चपेट में हैं। नगरपालिका अधिकारियों के अनुसार, बीजिंग में सोमवार को बाढ़ का रेड अलर्ट जारी किया गया है। चेतावनी दी गई कि यानकिंग, हुआइरौ और मियुन आदि जिलों के पहाड़ी इलाकों में सोमवार सुबह से मंगलवार सुबह तक भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग ने हेबेई प्रांत में स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय बजट से 50 मिलियन युआन (6.97 मिलियन डॉलर) का आवंटन किया है। बीजिंग में खेलकूद गतिविधियों को स्थगित कर दिया गया है। बीजिंग आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो ने कहा कि चाओबाई नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार सुबह 10 बजे तक शहर के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश होगी। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन खतरा बहुत अधिक है। देश में शनिवार से रविवार तक हुई लगातार बारिश के कारण हेबेई, बीजिंग, इनर मंगोलिया, शांक्सी, शानक्सी, युन्नान और शिनजियांग की 31 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

थाईलैंड के कंमाडर बूनसिन पैडक्लांग अग्रिम मोर्चे पर, कहा-कंबोडिया ने मौत की अफवाह फैलाई

बैंकॉक। थाईलैंड की सेकेंड आर्मी एरिया के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बूनसिन पैडक्लांग ने अपनी मौत

की खबर का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर अपने सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं। कमांडर पैडक्लांग ने कहा कि कंबोडिया ने अफवाह फैलाकर थाई सैनिकों का मनोबल गिराने की कोशिश की है कि वह कंबोडियाई बलों के हाथों मारे गए हैं। थाईलैंड के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, बूनसिन ने कहा कि कंबोडिया ने तस्वीर के साथ भी छेड़छाड़ की है। उन्होंने कहा, मैं अभी भी सीमा पर हूं। अपने लोगों की सुरक्षा के लिए थाई-कंबोडियाई सीमा क्षेत्र में थाई सैनिकों के साथ लड़ रहा हूं। मैं तब तक देश की संप्रभुता की रक्षा करता रहूंगा जब तक स्थिति में सुधार नहीं हो जाता। इस बीच थाई सशस्त्र बलों के प्रवक्ता मेजर जनरल विथाई लैथोम्य ने कंबोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता के दावों का खंडन किया है। सोचेता ने थाईलैंड पर कंबोडियाई की संप्रभुता का उल्लंघन करने और बिना उकसावे के हमले करने का आरोप लगाया था। विथाई ने आरोपों को निराधार और झूठा बताते हुए खारिज कर दिया। सुरिन युद्ध आपदा क्षेत्र घोषित सुरीन के गवर्नर चमन चुएंटा ने प्रभावित नागरिकों की सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रांत को युद्ध आपदा क्षेत्र घोषित किया है। चुएंटा ने रविवार को सभी जिला प्रमुखों, प्रांतीय प्रशासनिक संगठन के अध्यक्ष और सूरीन नगर पालिका के महापौर को सीमा पर बढ़ती हिंसा के मद्देनजर एक आदेश जारी किया।

कंबोडिया के बिगड़े हालात- 80 हजार परिवारों ने घर छोड़ा, 536 स्कूल हुए बंद

नोम पेन्ह। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सशस्त्र संघर्ष के चलते कंबोडिया के लगभग 80,000 ग्रामीण अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की उप सचिव और प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल मैली सोचेटा ने एक प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उनके हवाले से बताया कि प्रीह विहार, ओड्डार मीनचेय और पुरसत प्रांतों में 25,000 परिवारों, यानी करीब 80,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। इसके अलावा, 536 स्कूलों को बंद कर दिया गया है, जिससे 130,000 छात्र प्रभावित हुए हैं। सशस्त्र संघर्ष में दोनों पक्षों से अब तक 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 100,000 से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किए गए हैं। दोनों देश एक-दूसरे पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन और पहले गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। कंबोडिया के स्टेट सेक्रेटेरियट ऑफ सिविल एविएशन (एसएससीए) ने शनिवार को थाईलैंड के साथ युद्ध क्षेत्रों के ऊपर से सभी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया। एसएससीए के सचिव सिन चान्सेरी वुथा ने बताया कि सभी एयरलाइंस को संघर्ष क्षेत्रों (जिसमें पोइपेट शहर, पैलिन प्रांत और सिएम रीप प्रांत का कुछ हिस्सा शामिल है) के ऊपर से उड़ान भरने से बचने के लिए कहा गया है।

सीरिया में असद के पतन के बाद पहली बार संसदीय चुनाव, सितंबर में होंगे मतदान

वाशिंगटन,28 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया में पहली बार संसदीय चुनाव की घोषणा की गई है। यह चुनाव 15 से 20 सितंबर 2025 के बीच कराए जाएंगे। इस बात की पुष्टि पीपुल्स असेंबली चुनाव की उच्च समिति के अध्यक्ष मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने की, जिनका बयान सरकारी समाचार एजेंसी साना ने जारी किया।

यह चुनाव दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के शासन के गिरने के बाद स्थापित नई अंतरिम सरकार के अधीन पहली बार होंगे। उस समय सीरिया में एक तेज और अप्रत्याशित विद्रोही हमले में असद शासन का पतन हुआ था।

इस नई संसद की रूपरेमा में 210 सदस्य होंगे, जिसमें 70 सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शराहा द्वारा नियुक्त किए जाएंगे। जबकि शेष 140 सदस्य प्रांतवार चुनावी कॉलेजों द्वारा चुने जाएंगे, जैसा कि चुनाव समिति के एक अन्य सदस्य हसन अल-दाघिम ने बताया।

मार्च 2025 में हस्ताक्षरित अस्थायी संविधान के अनुसार, यह संसद एक पीपुल्स कमेटी के रूप में कार्य करेगी जब तक कि स्थायी संविधान लागू नहीं हो जाता और आम चुनाव नहीं होते, यह प्रक्रिया कई वर्षों तक चल सकती है।

यह चुनाव उस समय घोषित किए गए हैं जब देश में नए शासकों को लेकर असंतोष और विभाजन गहराता जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी सूवेदा प्रांत में भयंकर सांप्रदायिक हिंसा हुई, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। इस हिंसा की शुरुआत सशस्त्र बेदुईन कबीले और ड्रूज़ अल्पसंख्यक लड़ाकों के बीच अपहरण की घटनाओं से हुई। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर सरकारी बलों ने हस्तक्षेप किया, लेकिन उन पर बेदुईन पक्ष का साथ देने के आरोप लगे।

रूस लगातार कर रहा कीव पर हमले, अब अमेरिका यूक्रेन को देगा 33,000 खतरनाक ड्रोन

कीव। रूस और यूक्रेन युद्ध जारी है और दोनों देश एक दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने शांतिवार्ता का प्रस्ताव दिया था लेकिन पुतिन ने साफ कह दिया कि वह अपने लक्ष्य से भटकने वाले नहीं हैं। इसके बाद रूसी सेना ने एक बार फिर सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पर जोरदार हमला बोला, जिसमें 5 लोग घायल हो गए और एक रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को पूर्वी यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में रूस की सीमा के पास रूसी ड्रोन ने एक यूक्रेनी बस पर हमला किया जिसमें 39 लोग सवार थे। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 19 घायल हो गए थे। शनिवार को सुमी के एसमान इलाके में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग फ्रंटलाइन डोनेत्स्क क्षेत्र में रूसी हमलों में मारे गए। अधिकारियों के मुताबिक उस दिन पूरे यूक्रेन में हुए हमलों में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। रविवार को यूक्रेन ने भी रूस पर ड्रोन हमले किए। लेनिनग्राद क्षेत्र के गवर्नर ने बताया कि सेंट पीटर्सबर्ग के आसपास के इलाकों में यूक्रेन के कम से कम 10 ड्रोन मार गिराए। गिरे हुए मलबे की चपेट में आकर एक महिला घायल हो गई। हमले में सेंट पीटर्सबर्ग के पुलकोवो हवाई अड्डे को बंद करना पड़ा और 57 उड़ानों में देरी हुई और 22 उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों की ओर मोड़ा गया। इस बीच, क्रेमलिन ने पुष्टि की कि सेंट पीटर्सबर्ग में हर साल आयोजित होने वाली बड़े पैमाने पर टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली नेवी डे परेड को सुरक्षा कारणों से रद्द कर दिया गया है। हालांकि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग के नेवी हेडक्वार्टर्स से प्रशांत महासागर, आर्कटिक, बाल्टिक और कैस्पियन सागर में 150 जहाजों और 15,000 सैन्य कर्मी अभ्यास करते हुए नजर आए। वहीं अमेरिका यूक्रेन को इस साल के अंत तक 33,000 एआई से संचालित ड्रोन किट्स मिलेंगी। यह आपूर्ति अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिका-जर्मनी की सॉफ्टवेयर कंपनी ऑटेरियन के बीच हुए नए समझौते के तहत की जाएगी।

अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुआ व्यापक टैरिफ समझौता, व्यापार युद्ध टला

एडिनबर्ग (स्कॉटलैंड) ,28 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) ने एक व्यापक टैरिफ समझौता कर लिया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका देने वाले संभावित व्यापार युद्ध को टाल दिया गया है। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय आयोग प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच स्कॉटलैंड में ट्रंप के गोल्फ कोर्स पर हुई संक्षिप्त बैठक के बाद हुआ।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बातचीत को बहुत दिलचस्प बताया और कहा, मुझे लगता है कि यह दोनों पक्षों के लिए बहुत शानदार रहेगा। वहीं, वॉन डेर लेयेन ने इसे अब तक का सबसे बड़ा समझौता कहा और ट्रंप को कठोर लेकिन निष्पक्ष वार्ताकार की संज्ञा दी।

व्हाइट हाउस की ओर से 01 अगस्त से यूरोपीय वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने की अंतिम समय-सीमा तय की गई थी। अगर यह वार्ता विफल होती, तो यूरोपीय संघ भी सैकड़ों अमेरिकी उत्पादों जैसे बीफ, ऑटो पार्ट्स, बियर और बोइंग विमानों पर जवाबी शुल्क लगाने को तैयार था।

ट्रंप लंबे समय से अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने के लिए प्रमुख साझेदार देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी देते आ रहे हैं। उन्होंने यूरोप के साथ व्यापार को एकतरफा और अमेरिका के लिए अनुचित बताया था।

यूएस कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने पुष्टि की कि अगर समझौता न होता, तो 01 अगस्त से टैरिफ निश्चित रूप से लागू हो जाते। उन्होंने कहा, अब कोई विस्तार नहीं, कोई और रियायत नहीं। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा, फिर भी लोग राष्ट्रपति ट्रंप से बात कर सकते हैं। वह हमेशा सुनने को तैयार रहते हैं।

उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ बैठक में यूरोपीय संघ के शीर्ष व्यापार वार्ताकार मारोस शेफकोविच, उर्सुला के चीफ ऑफ स्टाफ ब्योर्न साइबर्ट, व्यापार महानिदेशक सबीने वेयंड और अमेरिका में ईयू के कृषि प्रमुख थोमस बार्ट भी मौजूद रहे।

बचाव के काम में लगे आपदा कर्मचारी

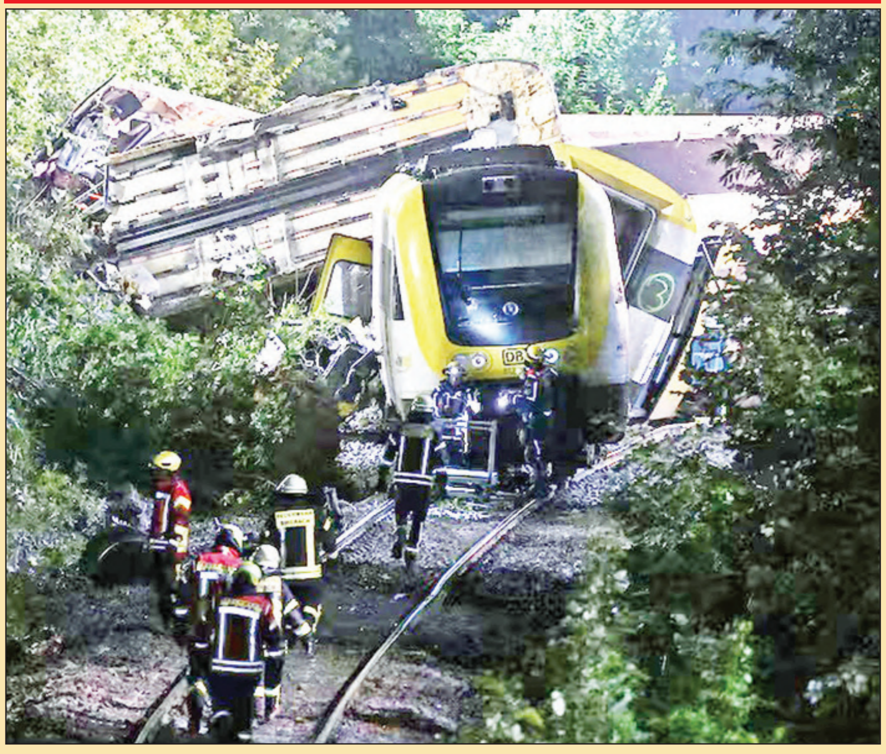

जर्मनी में एक लोकल ट्रेन के पलटने के बाद आपदा राहत दल के कर्मचारी बचाव के काम में लगे हुए।

पाकिस्तान में चीन के इंजीनियरों पर हमला करने वाले टीटीपी के तीन आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद,28 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अधिकारियों ने पिछले साल नवंबर में चीन के इंजीनियरों पर हुए हमले में शामिल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। तीनों को आज सुबह कराची के मंघोपीर इलाके में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान मार गिराया गया।

आतंकवाद निरोधी विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान ने कहा कि चीन के इंजीनियरों पर हमले का मास्टर माइंड जफरान अपने दो साथियों के साथ कराची के मंघोपीर इलाके के एक घर में छुपा था। खुफिया एजेंसियों के कर्मियों और आतंकवाद-रोधी अभियान में शामिल जवानों ने तीनों को घेरकर मौत के घाट उतार दिया।

इस अधिकारी के अनुसार चीन के इंजीनियरों को पिछले साल पांच नवंबर को कराची की एक कपड़ा मिल में एक निजी सुरक्षा गार्ड ने गोली मारकर घायल कर दिया था। जांचकर्ताओं को संदेह था कि यह लक्षित आतंकी हमला है। इस घटना के बाद भागे निजी सुरक्षा गार्ड के खिलाफ दो दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। तत्कालीन डीआईजी (दक्षिण) सैयद असद रजा ने बताया कि एक सुपरवाइजर और तीन गार्डों ने पूछताछ में यह कबूल किया था कि हमले का मास्टरमाइंड टीटीपी का जफरान है।

दरअसल, नवंबर, 2022 में टीटीपी के सरकार के साथ युद्धविराम समाप्त करने के बाद पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण की एक रिपोर्ट के अनुसार 2021 से 2024 तक मुल्क में हुए आतंकवादी हमलों में 20 चीनी नागरिक मारे गए और 34 घायल हुए।

पाकिस्तान में फ्लैश फ्लड में बही टीवी एंकर और उनका परिवार, तलाश जारी

बाढ़ प्रभावितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क को लेकर की सरकार की आलोचना

पाकिस्तान,28 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में रविवार को हाईवे पर पानी भर गया। फ्लैश फ्लड की चपेट में आई एक टीवी एंकर और उसके परिवार के लोगों समेत 15 की बह जाने की आशंका है। वहीं कई दिनों से प्रकृति की मार झेल रहे इस इलाके के विस्थापितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क पहुंच और संचार सेवाओं की गंभीर कमी की शिकायत की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ से प्रभावित डायमर की बाबूसर और थोर घाटियों में बचे लोगों ने कहा कि वे बाढ़ की चपेट में हैं, जिसमें कई लोग बेघर हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फ्लैश फ्लड से बाबूसर हाईवे पर अचानक पानी बढ़ गया

और इसमें 10 से 15 पर्यटक बह गए। अब तक सात के शव बरामद हो चुके हैं। पर्यटकों में एक निजी चैनल की टीवी एंकर उनके पति और चार बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, चिलास के मीनार इलाके में सिंधु नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। माना जा रहा है कि यह महिला उन पर्यटकों में शामिल है जो बाबूसर हाईवे पर आई बाढ़ में बह गए थे।

खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से बाकी लापता लोगों की तलाश की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक भारी मशीनरी का उपयोग करके मरम्मत कार्य जारी है, 15 स्थानों पर सड़क अवरुद्ध है और उनमें से 13 स्थानों पर मार्ग साफ कर दिया गया है। सोमवार को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया। गिलगित क्षेत्र में, दान्योर नाले से आई अचानक बाढ़ के कारण मुख्य आपूर्ति पाइपलाइन और कई सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त होने के बाद, दान्योर और सुल्तानाबाद इलाकों के हजारों निवासी लगातार तीन दिनों तक पीने के पानी के बिना रहे।

गिलगित के पूर्व मंत्री मुहम्मद इकबाल के नेतृत्व में क्षेत्र के बुजुर्गों ने कहा कि सरकार बार-बार आश्वासन के बावजूद बाधित जल आपूर्ति बहाल करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि निवासियों ने पाइपलाइन को अस्थायी रूप से बहाल करने में कामयाबी हासिल की थी, लेकिन बाद में आई बाढ़ ने इसे नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है और सरकार को कार्रवाई के लिए चेतावनी दी है, कार्य नहीं किया तो विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस बीच, घांचे जिले के कोंडस और हल्दी के निवासियों ने भी राहत सामग्री, बिजली, पेयजल और सड़क मार्ग की कमी की शिकायत की।

वहीं कोंडस में हुए विनाशकारी भूस्खलन में 50 से ज्यादा घर बह गए, जिससे कई परिवार बेघर हो गए और उन्हें भोजन, आश्रय, चिकित्सा देखभाल, और आपातकालीन सेवाओं की जरुरत है। जुटल और गिलगित-बाल्टिस्तान के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों ने भी बुनियादी सुविधाओं की कमी की शिकायत की और सरकार की धीमी प्रतिक्रिया और समय पर राहत पहुंचाने में विफलता की आलोचना की।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से पूछे सवाल, अगली सुनवाई कल

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से सवाल किया कि उन्होंने संबंधित न्यायिक आंतरिक जांच समिति द्वारा अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का इंतजार क्यों किया, जबकि उन पर कथित तौर पर नकदी बरामद होने के आरोप हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके अधिवक्ता से पूछा कि उन्होंने आंतरिक जांच समिति के गठन की वैधता को चुनौती क्यों नहीं दी और यदि यह संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत थी तो उन्होंने इसके अधिकार क्षेत्र को क्यों स्वीकार किया।

पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से सवाल किया, जब समिति गठित की गई थी तब आपने चुनौती क्यों नहीं दी? आपने इंतजार क्यों किया? न्यायाधीश पहले भी इन कार्यवाहियों में शामिल होने से बचते रहे हैं।

पीठ ने उनसे यह भी पूछा कि क्या यह सच नहीं है कि आंतरिक जांच रिपोर्ट केवल एक तथ्य-खोज दस्तावेज़ है, न कि साक्ष्य, और वह इससे कैसे असंतुष्ट हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत जांच में मुद्दे की पड़ताल करने और शपथ के तहत साक्ष्य लेने की व्यापक शक्तियां हैं। अदालत ने यह भी बताया कि शीर्ष न्यायालय के निर्णयों ने आंतरिक प्रक्रिया की पवित्रता को बरकरार रखा है।

सिब्बल ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

इस पर वरिष्ठ वकील सिब्बल ने जवाब दिया, लेकिन तब इसे (रिपोर्ट) मेरे खिलाफ नहीं माना जा सकता। मैं इसलिए पेश हुआ क्योंकि मुझे लगा कि समिति पता लगा लेगी कि यह नकदी किसकी है।

श्री सिब्बल ने यह भी तर्क दिया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को याचिकाकर्ता को हटाने की सिफारिश करना संवैधानिक प्रावधानों के विरुद्ध है। उन्होंने दलील दी कि किसी न्यायाधीश को हटाने की सिफारिश करना मुख्य न्यायाधीश के अधिकार क्षेत्र में नहीं है, और राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री को रिपोर्ट भेजना गलत था, क्योंकि महाभियोग प्रस्ताव सांसदों द्वारा प्रस्तुत किया जाना था, न कि सरकार द्वारा।

इस पर अदालत ने कहा कि उनके मामले में नियुक्ति प्राधिकारी राष्ट्रपति थे, जिन्होंने मंत्रिपरिषद की सलाह और सहायता के अनुसार कार्य किया, इसलिए आंतरिक जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी जानी चाहिए। श्री सिब्बल ने यह भी दावा किया कि नकदी की खोज के संबंध में न्यायाधीश के खिलाफ कोई दुर्व्यवहार सिद्ध नहीं हुआ है। इस पर पीठ ने कहा कि उन्होंने (याचिकाकर्ता) नकदी की मौजूदगी या आग लगने की घटना से इनकार नहीं किया। तब अधिवक्ता ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि नकदी किसकी थी।

न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका और स्थानांतरण का मामला

अपनी याचिका में न्यायमूर्ति वर्मा ने दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर रहने के दौरान अपने सरकारी आवास से कथित तौर पर नकदी मिलने के मामले में अदालत की आंतरिक जांच प्रक्रिया को चुनौती दी है। उन्होंने दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरण करने और संबंधित जांच समिति द्वारा न्यायाधीश के पद से हटाने के फैसले की वैधता को भी चुनौती दी है।

सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज का उद्बोधन

ब्रिटिश पार्लियामेंट में गूंजी विहंगम योग की अमृतवाणी

लंदन/हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रिटिश पार्लियामेंट में उस समय एक ऐतिहासिक पल दर्ज हुआ, जब भारत के आध्यात्मिक ज्ञान के प्रकाश से पूरा सदन आलोकित हो उठा। सांसद बॉब बेकहम के प्रयासों से ब्रह्मविद्या विहंगम योग के आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज ने अपनी अमृतवाणी से ब्रिटिश पार्लियामेंट को आध्यात्मिक सरोवर में डुबो दिया।

जैसे ही आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज ने उपस्थित लोगों को जीवन के गूढ़ रहस्यों, हम वास्तव में कौन हैं, यहां क्या कर रहे हैं और इसके बाद कहां जाना है जैसे प्रश्नों से अवगत कराया, सभी श्रोता अत्यंत गंभीरता से उनकी अमृतवाणी सुनने लगे। उन्होंने समझाया कि हमारा मन कैसे इंद्रियों के माध्यम से हमें जीवन भर संसार में फंसाए रखता है।

आचार्य श्री ने बताया कि विहंगम योग की साधना पद्धति और सदगुरुदेव की कृपा से मन पर नियंत्रण प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से लय करने पर ही व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप की अनुभूति कर पाता है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से हम स्वयं को जान सकते हैं, सूक्ष्म से सूक्ष्म, सब में व्याप्त ईश्वर का दर्शन कर सकते हैं और उसे प्राप्त कर पूर्णानंद की उपलब्धि से अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

उनके उद्बोधन के बाद, संपूर्ण ब्रिटिश पार्लियामेंट के सदस्यों ने विहंगम योग की साधना का अभ्यास कर मानसिक शांति का अनुभव किया।

उन्होंने सदगुरु आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया, साथ ही भविष्य में भी उन्हें बीच-बीच में आते रहने का अनुरोध किया।

राकेश जायसवाल ने लिया श्री परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग का आशीर्वाद

हर हर महादेव के जयकारों के साथ हुआ भव्य दर्शन कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के जामबाग वार्ड के भाजपा कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों के साथ श्री परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग (महाराष्ट्र) का दर्शन किया। इस भक्ति-भावपूर्ण कार्यक्रम में हर हर महादेव के जयकारों के साथ भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इस दर्शन यात्रा में श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, शैलेंद्र यादव, जनार्दन, जगपति, प्रमोद, साई, वेंकटेश गौड़, नरहरि, जे.डी. नितिन मुकेश, संदीप, शिवा, वेंकट रेड्डी, नरसिंह, महेश और कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता व शुभचिंतक शामिल रहे। कार्यक्रम में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान वैजनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जायसवाल का योगदान

जामबाग वार्ड (डिवीजन नंबर 77) के कॉर्पोरेटर श्री राकेश जायसवाल सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। इस दर्शन यात्रा का आयोजन भी उनके नेतृत्व में समुदाय को एकजुट करने और धार्मिक भावनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयोजन का महत्व

यह दर्शन यात्रा न केवल भक्ति का प्रतीक है, बल्कि भाजपा जामबाग परिवार और स्थानीय समुदाय के बीच एकता और समन्वय को भी दर्शाती है। श्री परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग, जो बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, भक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। इस आयोजन ने भक्तों को एक साथ लाकर सामुदायिक भावना को मजबूत किया।

तेरापंथ भवन में जैन ज्योतिष व नवग्रह अनुष्ठान सम्पन्न

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में रविवार रात्रि को जैन ज्योतिष व नवग्रह अनुष्ठान का सफल आयोजन किया गया। यह अनुष्ठान तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद, तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद और महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि जैन धर्म आत्मवाद, कर्मवाद और पुरुषार्थवाद के सिद्धांतों को मानता है। उन्होंने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से यह जाना जा सकता है कि हमारे आठ कर्मों का नवग्रहों से क्या संबंध है और कौन सा कर्म किस समय क्या फल देता है। साध्वी श्री ने जोर देकर कहा कि पुरुषार्थ के बल पर हम अशुभ कर्मों को शुभ में परिवर्तित कर सकते हैं और हमारे आचरण तथा अनुष्ठान ग्रहों की दिशा को भी सकारात्मक रूप दे सकते हैं। जैन दर्शन में यह अनुष्ठान तीर्थंकरों और नमस्कार महामंत्र पर आधारित मंत्रोच्चार से करवाया गया।

आध्यात्मिक माहौल में विशेष अनुष्ठान

शाम 7 बजे से 9 बजे तक चले इस अनुष्ठान में पुरुष श्वेत पोशाक में और महिलाएं लाल चुनरी की साड़ी में उपस्थित हुईं, जिससे प्रांगण में एक भक्तिमय वातावरण बन गया। अनुष्ठान स्थल की सजावट को ब्रह्मांड का रूप दिया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ, जिसके बाद महिला मंडल, तेयुप और महावीर इंटरनेशनल द्वारा संयुक्त रूप से मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ने ज्योतिष देवताओं के पांच प्रकारों - सूर्य, चंद्र, ग्रह, नक्षत्र और तारा - का उल्लेख करते हुए बताया कि जैनाचार्यों और ज्योतिषाचार्यों ने इनकी सकारात्मक दशा और दिशा के लिए अनेक प्रयोग खोजे हैं। उन्होंने कहा कि नमस्कार महामंत्र और तीर्थंकरों का जप रंगों और बीज मंत्रों के साथ विशेष रूप से फलदायी सिद्ध होता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में शांति का अनुभव होता है और परिस्थितियाँ अनुकूल बनती हैं।

इस अवसर पर तीनों संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित थे।

अनुष्ठान में सैकड़ों की संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर धर्म लाभ लिया। महिला मंडल हैदराबाद की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम संयोजक अशोक सेठिया, विशाल भंडारी, अंजू चोरड़िया, सरिता डागा, अर्चना नाहटा सहित तीनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण समय और श्रम का योगदान दिया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 191वां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न, 205 लोगों को मिला लाभ

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अशोक नगर, हैदराबाद सिटी सेंट्रल में रविवार, 27 जुलाई 2025 को अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 191वां विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर में कुल 205 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर का शुभारंभ भारत माता और श्री अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना तथा उनके छायाचित्रों पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर श्री छगनलाल गुप्ता की स्मृति में मेसर्स मंगत राय रामकुमार ज्वैलर्स, हैदराबाद के सौजन्य से आयोजित किया गया था। इस सफल आयोजन में मंच के संयोजक विष्णु गुप्ता, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, संयोजक उमाशंकर

गोयनका, सह-संयोजक जयप्रकाश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, सुरेश गोयल, जितेंद्र सहित अशोक नगर शाखा की केंद्रीय समिति सदस्य सुश्री पूजा गुप्ता, श्री अजय तुलस्यान, श्रीनगर शाखा के कार्यकारिणी सदस्य श्री राहुल सिंघल, श्रीमती राहुल सिंघल और भारत विकास परिषद तेलंगाना के जनरल सेक्रेटरी श्री शिव रामाकृष्णा आदि की उपस्थिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं, निशुल्क दवाइयों का वितरण

शिविर में केआईएमएस हॉस्पिटल, सिकंदराबाद के डॉक्टरों ने रक्तचाप, शुगर टेस्ट, ईसीजी सहित सामान्य रोगों, हड्डी रोग, स्त्री रोग, बाल रोग और हृदय रोग से ग्रस्त मरीजों की जांच कर उनका निदान किया। स्वरूप आई केयर सेंटर, आबिड्स और बंजारा हिल्स, हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञों ने मरीजों की आंखों की जांच की और 10 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया, जिनका निशुल्क ऑपरेशन गहन परीक्षण के बाद स्वरूप आई केयर सेंटर, आबिड्स में किया जाएगा। एशियन ईएनटी केयर सेंटर, बेगमपेट से डॉ. छावा अंजनेयेलू के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने नाक, कान और गले से संबंधित मरीजों को अपनी सेवाएं दीं। सेवा भारती चैरिटेबल हॉस्पिटल की डॉ. शशि रानी एमडीएस ने दांतों के मरीजों का परीक्षण किया, जबकि भारत विकास परिषद की टीम ने रोगियों का हीमोग्लोबिन परीक्षण किया। केआईएमएस फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर, सिकंदराबाद की पूरी टीम ने इस अवसर पर दिल खोलकर निशुल्क दवाइयों का वितरण किया। अंत में, मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने शिविर के सफल आयोजन से जुड़े सभी संबंधित पक्षों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल की नई ओबीसी सूची पर हाईकोर्ट के रोक संबंधी आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की नई सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पर रोक लगाई गई थी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखना आवश्यक बताया।

पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को प्रथम दृष्टया गलत बताते हुए उस पर रोक लगा दी और कहा, यह आश्चर्यजनक है! उच्च न्यायालय इस तरह कैसे रोक लगा सकता है? आरक्षण कार्यपालिका के कार्यों का हिस्सा है।

शीर्ष अदालत ने आगे टिप्पणी की, जो भी हो, आयोग (ओबीसी) ने कुछ कार्यप्रणाली अपनाई है, जो सही हो सकती है या गलत, इसका फैसला उच्च न्यायालय करेगा। प्रथम दृष्टया आदेश गलत है। हम आदेश पर रोक लगाते हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह उच्च न्यायालय को 6-8 सप्ताह के भीतर इस मामले पर फैसला सुनाने का निर्देश दे सकती है। पीठ ने मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि वे एक विशेष पीठ का गठन करें, जिसमें विद्वान न्यायाधीश शामिल हों। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने नई ओबीसी सूची पर रोक लगाने वाले 17 जून के उच्च न्यायालय के आदेश की वैधता को चुनौती दी है। राज्य ने यह नई सूची मई 2024 में उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी सूची में 77 समुदायों को शामिल करने के फैसले को रद्द करने के बाद तैयार की थी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धनुष ने एक्टिंग स्कूल से बचने के लिए रखा था उपवास, लेकिन बन गए सुपरस्टार!

मशहूर अभिनेता धनुष आज पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना चुके हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस अभिनय के लिए आज उन्हें इतना प्यार मिलता है, कभी उनके लिए यह एक बोझ की तरह था। अभिनय से बचने के लिए वह तरह-तरह के बहाने बनाते थे और जब वह बहाने काम नहीं आते तो भगवान की शरण में जाकर उपवास तक रखते थे, ताकि वह एक्टिंग स्कूल जाने से बच सकें। ये किस्सा उनकी जिंदगी के सबसे दिलचस्प पलों में से एक है।

धनुष का असली नाम वेंकटेश प्रभु कस्तूरी राजा है। उनका जन्म 28 जुलाई 1983 को तमिलनाडु के चेन्नई में हुआ था। वह एक फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता कस्तूरी राजा और उनके बड़े भाई सेल्वाराघवन एक प्रसिद्ध निर्देशक हैं।

फिल्मी घराने से होने के बावजूद उन्हें अभिनय से बिल्कुल भी प्यार नहीं था। वह बचपन में एक्टिंग से दूर भागते थे। उनकी दिलचस्पी कुकिंग में थी। वह शेफ बनना चाहते थे। जब उनके परिवार ने उन्हें एक्टिंग स्कूल भेजने की बात की, तो उन्होंने इसका विरोध किया और खाना तक छोड़ दिया।

एक्टिंग स्कूल से बचने के लिए वह उपवास तक रखने लगे थे। मगर, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। परिवार के कहने पर धीरे-धीरे उन्होंने एक्टिंग की दुनिया को अपनाया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।धनुष ने अपने करियर की शुरुआत साल 2002 में फिल्म थुल्लुवाधो इलमई से की, जिसे उनके पिता ने ही डायरेक्ट किया था। इसके बाद उन्होंने लगातार कई फिल्में कीं, लेकिन 2006 में आई फिल्म पुधुपेट्टई से उन्हें खास पहचान मिली। इस फिल्म का निर्देशन उनके भाई ने किया था और इसमें उन्होंने गैंगस्टर की भूमिका निभाई थी।

2011 में रिलीज हुई फिल्म आदुकलम उनके करियर में अहम मोड़ साबित हुई। इसमें उन्होंने एक मुर्गा लड़ाने वाले युवक की भूमिका निभाई थी और इसके लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला।इसी साल उन्होंने एक गाना गाया व्हाई दिस कोलावेरी डी, जो इंटरनेट पर बहुत वायरल हुआ। इसे सिर्फ 6 मिनट में लिखा गया और 35 मिनट में रिकॉर्ड किया गया था। यह गाना भारत का पहला यूट्यूब हिट बन गया, जिसे 100 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया।

2013 में धनुष ने हिंदी फिल्म रांझणा से बॉलीवुड में कदम रखा। इसमें उन्होंने बनारसी लड़के का किरदार निभाया और अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया। इसके बाद उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म शमिताभ, सारा अली खान और अक्षय कुमार के साथ अतरंगी रे जैसी हिंदी फिल्में भी कीं।

धनुष ने साउथ सिनेमा में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं, जिनमें मारी, कोडी, वाडा चेन्नई, वेलैइला पट्टाधारी, असुरन, और कर्णन जैसी फिल्में शामिल हैं। 2019 में आई फिल्म असुरन में उन्होंने एक गरीब किसान का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें एक बार फिर नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला।सिर्फ साउथ और बॉलीवुड ही नहीं, धनुष ने 2022 में हॉलीवुड फिल्म द ग्रे मैन में भी काम किया, जिसमें उन्होंने रयान गोसलिंग और क्रिस इवांस जैसे स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर की।

धनुष आज के समय में सिर्फ तमिल सिनेमा में ही नहीं, बल्कि पूरे भारतीय और ग्लोबल फिल्म जगत में एक बड़ा नाम हैं। वह अपनी सादगी, मेहनत और टैलेंट की वजह से लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

जब हंटर 2 के सेट पर अचानक आई भीड़, तो सुनील शेट्टी ने... मजेल व्यास ने सुनाया किस्सा

अभिनेत्री मजेल व्यास ने हंटर 2 की शूटिंग से जुड़ा एक यादगार अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि थाईलैंड में शूटिंग के दौरान भीड़भाड़ को देखते हुए को-स्टार सुनील शेट्टी ने मदद की थी और उनका पूरा ध्यान रखा था। मजेल व्यास ने बताया कि दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ काम करना उनके लिए बहुत खास रहा। उन्होंने एक किस्से को याद करते हुए कहा, ''हम थाईलैंड में शूटिंग कर रहे थे, तभी अचानक लोगों की भीड़ वहां आ गई। उस वक्त सुनील सर मुझे सुरक्षित जगह तक ले गए। उन्होंने न सिर्फ मेरी सुरक्षा की, बल्कि अपना पानी और खाना भी मेरे साथ बांटा। वो सच में बहुत अच्छे इंसान हैं।

उन्होंने कहा, किसी भी एक्टर को बहुत कम मौके मिलते हैं, जब वह दो बड़े सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर पाए। अगर मुझे सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ काम करने के अपने अनुभव को एक लाइन में कहना हो, तो यह मेरे लिए मास्टरक्लास की तरह था।

जैकी श्रॉफ के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा,जैकी सर बहुत ही सहज और दिलकश इंसान हैं। उनके अभिनय में एक सस्पेंस जुड़ा होता है। आप कभी नहीं जान पाते कि वह अगले सीन में क्या करेंगे, इसलिए हमेशा अलर्ट रहना पड़ता है।

मजेल ने कहा, जैकी सर के साथ काम करना मजेदार अनुभव था, वो खुद में एक किरदार हैं। जब भी कोई भावनात्मक सीन होता, तो उससे पहले वो माहौल को हल्का करने के लिए मजाक कर देते और कहते, रेडी है भि? उनकी ये भिडू वाली एनर्जी सेट पर हमेशा मस्ती और जोश बनाए रखती थी।मजेल ने कहा, हम दोनों खाने के शौकीन हैं, इसलिए मेरी उनसे अच्छी दोस्ती हो गई। मैं गुजराती हूं और जैकी सर भी आंशिक रूप से गुजराती हैं, तो मैंने उन्हें कुछ पारंपरिक गुजराती स्नैक्स दिए, जो उन्हें बहुत पसंद आए।

मजेल ने आगे कहा, वहीं दूसरी ओर, सुनील सर बहुत शांत, गंभीर और गहराई से भरे हुए इंसान हैं। उन्हें काम करते देखना और उनका तरीका समझना एक बड़ी सीख थी। सबसे बड़ी बात मैंने सुनील सर और जैकी सर दोनों से सीखी, वो यह है कि चाहे आप कितने भी आगे क्यों न बढ़ जाएं, हमेशा जमीन से जुड़े रहना चाहिए और लगातार अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करते रहना चाहिए। आपको हमेशा सीखते रहना चाहिए। मैं ये सीख अपने जीवन में उतार चुकी हूं।हंटर 2 : टूटेगा नहीं, तोड़ेगा में मजेल व्यास पूजा नाम का किरदार निभा रही हैं।

एक्शन-ड्रामा से भरपूर नई वेब सीरीज के लिए शिवांगी वर्मा उत्साहित, कहा- मेरा किरदार करेगा सरप्राइज

तेरा इश्क मेरा फितूर, छोटी सरदारनी और बैडएस रविकुमार जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी एक्ट्रेस शिवांगी व[...] जल्द ही नई वेब सी[...] में नजर आएंगी, [...] हिस्सा बनकर व[...] उत्साहित हैं। यह सी[...] प्लेटफॉर्म पर रिली[...] एक्शन, ड्रामा, प्यार और कई ट्विस्ट्स हैं। शिवांगी ने कहा, मैं इस नई सीरीज का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मेरा किरदार बहुत ही मजेदार, मुश्किल भरा और चुनौतीपूर्ण है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, वरना कहानी का राज खुल जाएगा। यह सीरीज एक्शन, ड्रामा, प्यार और सरप्राइज से भरपूर है। आप देखकर हैरान होंगे कि एक लड़की मुश्किल हालात में क्या-क्या कर सकती है।

उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए खास है। शिवांगी ने बताया, मैं हमेशा से वेब सीरीज की फैन रही हूं। यह एक्टिंग का ऐसा माध्यम है, जो भावनाओं और किरदार के विकास को गहराई से दिखाने का मौका देता है। जब मुझे इस कहानी के बारे में बताया गया, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। यह किरदार वैसा ही है, जैसा मैं निभाना चाहती थी - मजेदार और सरप्राइज से भरा।

शिवांगी ने को-एक्टर्स की तारीफ करते हुए कहा कि शानदार टीम के साथ काम करना इस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया, जब आपके साथ टैलेंटेड और अनुभवी कलाकार हों, तो स्क्रीन पर केमिस्ट्री साफ दिखती है। यह पूरी सीरीज को खास बना देता है।उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बताने से इनकार किया, हालांकि थोड़ा हिंट देते हुए कहा, मेरा लुक ग्लैमरस और आकर्षक है। यह सीरीज एक मसाला जॉनर है, जिसमें हर तरह का मनोरंजन है।

सात समंदर पार से आईं एली अवराम जिन्होंने हिम्मत के बूते सपने किए साकार

एली अवराम हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनकी खूबसूरती, नृत्य कौशल, और दिलकश अदायगी ने दर्शकों का दिल जीता। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' और टीवी शो 'बिग बॉस' ने अभिनेत्री को फेम दिलाया। कुछ फिल्मों में काम भी किया जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाईं लेकिन दर्शकों के दिल में घर कर गईं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन के स्टॉकहोम में जन्मीं एली अवराम को बचपन से ही डांस और एक्टिंग में रुचि थी। उन्हें स्वीडिश-ग्रीक अभिनेत्री भी कहा जाता है।

एली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थीं तो शाहरुख खान की 'देवदास' देखी। इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने टूरिस्ट वीजा के लिए अप्लाई किया, मुंबई आईं, और हिंदी न जानते हुए भी अपने सपने को हकीकत में बदला। हिंदी सीखने के लिए कड़ी मेहनत भी की। 10 साल से ज्यादा का सफर हिंदी सिनेमा में तय करने के बाद, आज अभिनेत्री बहुत अच्छी हिंदी बोलती है।

एली जब बॉलीवुड में आईं तो उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री कैटरीना कैफ से भी की गई।अभिनेत्री ने एक्टर मनीष पॉल के साथ फिल्म 'मिकी वायरस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उनकी मासूमियत और अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। साल 2013 में 'बिग बॉस 7' में हिस्सा लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी सादगी और सलमान खान के साथ दोस्ताना बॉन्ड ने उन्हें चर्चा में ला दिया। कुछ समय तक उनके और सलमान के बीच लिंकअप की अफवाहें भी उड़ीं, जिन्हें एली ने हंसकर टाल दिया। शो के दौरान कई बार सलमान उनके साथ मजाकिए अंदाज में भी दिखे, जो दर्शकों के साथ ही साथ शो की टीआरपी के लिए भी काफी सफल माना गया।

एली अभिनेत्री होने के अलावा एक प्रशिक्षित बेली डांसर हैं, और ये सिलसिला वर्षों से जारी है। 17 साल की उम्र में वे स्टॉकहोम में परदेसी डांस ग्रुप की सदस्य बनीं, जहां वे बॉलीवुड गानों पर परफॉर्म करती थीं। उन्होंने 'किस किसको प्यार करूं' और 'पोस्टर बॉयज' जैसे गानों में अपने डांस का जादू दिखाया।

2010 में एली ने मिस ग्रीस ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया, जिससे उनकी मॉडलिंग और एक्टिंग की राह और मजबूत हुई। हिंदी सिनेमा में एली उन अभिनेत्रियों में से हैं जो अपनी फिटनेस पर खासा ध्यान देती हैं। वह रोजाना आधा घंटा डांस करती हैं और घर का बना खाना पसंद करती हैं, जिससे वह अपनी सेहत और खूबसूरती को बनाए रखती हैं।

अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी की तस्वीरों ने हाल ही में डेटिंग की अफवाहें उड़ाईं। लेकिन, बाद में खुलासा हुआ कि यह उनके म्यूजिक वीडियो के लिए बस प्रमोशन का हिस्सा था। एली अवराम की मेहनत, प्रतिभा, और बॉलीवुड के प्रति उनका जुनून उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता है।

आज नागपंचमी

हिंदू धर्म में नागों का विशेष महत्व है। नागों की पूजा की जाती है। इन्हें समर्पित पर्व नागपंचमी पर्व बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाता है। हर साल ये त्योहार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। नागपंचमी के दिन भगवान शिव की पूजा के साथ-साथ नागों की पूजा का महत्व है। इस दिन लोग नाग देवता की पूजा करते हैं, जिससे सर्प का भय न रहे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 29 जुलाई को पड़ रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 28 जुलाई की रात 11:24 से शुरू होकर 29 जुलाई की रात 12:46 तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। यह त्योहार भगवान शिव और नागों की पूजा के लिए मनाया जाता है। इस दिन लोग नाग देवता की पूजा करते हैं और नाग मंदिरों में जाकर सांपों को दूध, दही, फल आदि चढ़ाते हैं। साथ ही कुंडली में काल सर्प दोष हो तो उससे निजात पाने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी का पर्व आता है। इसमें नाग देवता की विशेष रूप से पूजा-आराधना की जाती है। नाग देवता भगवान शिव के गले की शोभा को बढ़ाते हैं। हिंदू धर्म में नाग पंचमी का विशेष महत्व होता है। पौराणिक काल से ही सांपों को देवताओं की तरह पूजा जाता है। ऐसी मान्यता है कि नाग की पूजा करने से सांपों के डसने का भय समाप्त हो जाता है। भगवान भोलेनाथ के गले में भी नाग देवता लिपटे रहते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नाग पंचमी के दिन नाग देवता की आराधना करने से भक्तों को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और कई अन्य प्रकार के भी शुभ फल प्राप्त होते हैं। ऐसी मान्यता है इस दिन नाग देवता की पूजा करने से घर में सुख और समृद्धि का वास होता है। इस बार नागपंचमी का पर्व विशेष योग में मनाया जाएगा। इन योगों में नागपंचमी का पर्व मनाने से सभी प्रकार के संकट दूर

होते हैं।

नाग पंचमी के दिन नाग देवता और शिव जी की पूजा करने से नाग के डसने और अकाल मृत्युव का खतरा टलता है. साथ ही भगवान शिव की पूजा से ग्रह दोष दूर होते हैं। विशेषतौर पर काल सर्प दोष से निजात पाने के लिए नागपंचमी का दिन सर्वोत्ताम माना गया है। नागों को धन का रक्षक माना गया है। नाग देवता की पूजा करने से खूब धन-दौलत मिलती है। नागपंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्ना न करें। साथ ही भगवान शिव का स्म रण करें। नागपंचमी का व्रत कर रहे हैं तो व्रत का संकल्पव लें। इसके बाद चौकी पर नाग-नागिन की प्रतिमा बनाकर उसका दूध से अभिषेक करें। उन्हेंन फल, फूल, मिठाइयां अर्पित करें। धूप-दीप करें। अंत में नाग पंचमी की आरती करें। यदि कुंडली में काल सर्प दोष हो तो शिवलिंग पर चांदी का नाग-नागिन का जोड़ा अर्पित करें।. इससे काल सर्प दोष के कारण मिलने वाले अशुभ फल से निजात मिलती है।

नागपंचमी तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 28 जुलाई की रात 11:24 से शुरू होकर 29 जुलाई की रात 12:46 तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा। नाग पंचमी के पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 5:41 से सुबह 8:30 तक रहेगा। चौघड़िया का शुभ मुहूर्त सुबह 10:46 से दोपहर 12:27 तक रहेगा।

कालसर्प दोष

कालसर्प दोष दूर करने के लिए नागपंचमी पर नागों की पूजा को काफी लाभकारी माना जाता है। कालसर्प दोष दूर करने के लिए महामृत्युंजय सर्पगायत्री जाप अथवा त्रंबकेश्वर आदि तीर्थ स्थानों में सर्प पूजा का विधान है। ज्योतिषों का कहना है कि सर्प दोष से पीड़ित व्यक्ति नाग पंचमी के दिन चांदी अथवा तांबे का सांप का जोड़ा लेकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। ॐ नमः शिवाय अथवा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। इसके साथ ही सर्प गायत्री का जाप करें तो कालसर्प दोष राहत मिलती है।

नागपंचमी महत्व

नागपंचमी का त्योहार हिंदू धर्म में काफी मान्य है। इस दिन पूजा करने से सांप या नागों से परिवार की सुरक्षा होती है। साथ ही उन्हें लेकर मन का भय समाप्त हो जाता है। जिस जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है, उन्हें इसके कारण कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके लिए नागपंचमी के दिन पूजन करने से लाभ मिलता है।

नाग पंचमी पर काल सर्प दोष दूर करने का एक रामबाण उपाय!

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अक्सर कुंडली में कई ऐसे दोष बन जाते हैं, जिनके कारण जीवन की शांति भंग हो जाती है और आए दिन परेशानियां बनी रहती हैं। इन्हीं दोषों में से एक है काल सर्प दोष, जिसे बहुत हानिकारक दोष माना जाता है। इस दोष के कारण व्यक्ति को जीवन के कई क्षेत्रों में मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। अक्सर लोग काल सर्प दोष को दूर करने के लिए कई उपाय करते हैं। अगर आप भी काल सर्प दोष से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो इसके लिए नाग पंचमी का दिन सबसे उत्तम है।

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में काल सर्प दोष दोष होता है तो वह हर समय परेशानियों से घिरा रहता है। साथ ही, वह जो भी काम करता है, उसमें सफलता नहीं मिलती है। इसके अलावा, काल सर्प दोष के कारण व्यक्ति को आर्थिक और शारीरिक, शिक्षा और संतान से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

काल सर्प दोष निवारण उपाय

काल सर्प दोष दोष से हमेशा के लिए मुक्त होने का सबसे आसान और रामबाण उपाय है काल सर्प दोष निवारण पूजा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, काल सर्प दोष को जितना ज्यादा समय हो जाता है, यह दोष उतना ही घातक होता जाता है, इसलिए जितना जल्दी हो सके इस दोष से मुक्ति पाने के लिए काल सर्प दोष निवारण पूजा करवानी चाहिए।

काल सर्प दोष दूर करने का 1 रामबाण उपाय

इस दोष के प्रभाव को कम करने के लिए आप कई उपाय कर सकते हैं जैसे कि काल सर्प दोष निवारण मंत्र का उच्चारण करना, शिवलिंग का दूध से अभिषेक करना, महादेव के मंदिर में पूजा पाठ करना आदि, लेकिन ये सभी उपाय करने से काल सर्प दोष का प्रभाव कम होगा। हालांकि, इस दोष से मुक्ति नहीं मिलेगी। अगर आप काल सर्प दोष दोष से हमेशा के लिए मुक्त होना चाहते हैं तो काल सर्प दोष निवारण पूजा ही इसका एकमात्र उपाय है।

काल सर्प दोष निवारण पूजा

काल सर्प दोष निवारण पूजा भगवान शिव जी प्रसन्न करने के लिए की जाती है, क्योंकि सर्पों का निवास भगवान शिव जी के गले में होता है। काल सर्प दोष निवारण पूजा पूरी करने के बाद मात्र 1 ही दिन में आप इस दोष से मुक्ति पा सकते है। भारत की कई विशेष जगहों पर काल सर्प दोष निवारण पूजा कराने का महत्व होता है, लेकिन मध्य प्रदेश के उज्जैन को काल सर्प दोष निवारण पूजा के लिए सबसे उचित माना गया है, क्योंकि यहां स्वयं कालों के काल महाकाल के रूप में भगवान शिव जी विराजमान हैं। यदि आप उज्जैन में काल सर्प दोष निवारण पूजा करवाते हैं तो आपको शुभ परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

सपने में नाग देवता की मूर्ति देखने का क्या मतलब है?

अक्सर लोगों को सपने कई तरह से सांप दिखते हैं, जिनका अलग-अलग मतलब होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि अगर सपने में सांप की मूर्ति आए तो क्या होगा? चलिए हम आपको बताते हैं सपने में सांप की मूर्ति देखना कैसा है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में नाग देवता की मूर्ति देखना एक शुभ संकेत माना जाता है, जो कि भगवान शिव की कृपा का प्रतीक है। यह सपना धन, समृद्धि और सफलता का भी संकेत देता है।

नाग देवता भगवान शिव के साथ जुड़े हुए हैं और सपने में उनकी मूर्ति देखना भगवान शिव के आशीर्वाद का संकेत हो सकता है। यह दर्शाता है कि आप भगवान शिव की भक्ति में लगे हुए हैं और उनकी कृपा आप पर बनी हुई है। नाग देवता को धन और समृद्धि का रक्षक भी माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, सपने में नाग देवता की मूर्ति देखना धन, समृद्धि और सफलता का संकेत देता है। सपने में सांप की मूर्ति देखना यह दर्शाता है कि आपको जल्द ही आर्थिक लाभ हो सकता है या धन की वृद्धि हो सकती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सपने में सांप की मूर्ति देखना सफलता और सकारात्मक बदलाव का भी संकेत हो सकता है। यह सपना दर्शाता है कि आपके जीवन में कुछ अच्छा होने वाला है और आपके सारे रुके हुए काम पूरे होंगे। हिंदू धर्म में नाग देवता को सुरक्षा और सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में सपने में नाग देवता की मूर्ति देखना यह दर्शाता है कि आप सुरक्षित हैं और आपके किसी तरह का जीवन में कोई खतरा नहीं है।

नाग पंचमी के दिन घर में क्यों नहीं बनानी चाहिए रोटी? जानें इसके पीछे का रहस्य

नाग पंचमी श्रावण महीने का एक प्रमुख त्योहार है जो नाग देवताओं को समर्पित होता है। कहते हैं जो भी इस दिन नाग देवताओं की पूजा करता है उनके जीवन में सदैव सुख-समृद्धि बनी रहती है। इस साल ये त्योहार 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। इस दिन कई लोग रुद्राभिषेक भी कराते हैं। तो वहीं काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए भी ये दिन खास माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस खास दिन पर रोटी न बनाने की सलाह दी जाती है। चलिए जानते हैं इसके क्या कारण हैं।

नाग पंचमी पर रोटी क्यों नहीं बनानी चाहिए?

धार्मिक मान्यताओं अनुसार नाग पंचमी के दिन लोहे से बनी चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और ज्यादातर लोग रोटी बनाने के लिए लोहे के ही तवे का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए इस दिन रोटी न बनाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा तवे को सांप के फन से भी जोड़कर देखा जाता है इसलिए भी नाग पंचमी के दिन तवा आग पर नहीं रखा जाता। ऐसी मान्यता है कि इस दिन तवा अग्नि पर रखने से नाग देवता नाराज हो जाते हैं। नाग पंचमी के दिन रोटी न बनाने के पीछे का एक कारण ये भी है कि तवे को राहू के रूप में देखा जाता है। यदि नाग पंचमी के शुभ अवसर पर तवे का इस्तेमाल करते हैं तो इससे राहू दोष लग सकता है। जिससे जीवन में कई तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ सकता है।

नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर इन चीजों को चढ़ाने से होता है धन लाभ!

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल सावन माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, अगर इस दिन पर नाग देवता की पूजा-अर्चना की जाए, तो इससे व्यक्ति को महादेव की कृपा की प्राप्ति होती है और यह बहुत ही शुभ माना गया है। इसके अलाव, नाग पंचमी पर नाग देवता और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से काल सर्प दोष से भी राहत मिलती है।

नाग पंचमी 2025

पंचांग के अनुसार, नाग पंचमी हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल नाग पंचमी तिथि 28 जुलाई को रात 11:24 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन 30 जुलाई को सुबह 12:46 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल नाग पंचमी का पर्व 29 जुलाई को मनाया जाएगा।

नाग पंचमी पर धन लाभ के लिए शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं?

दही:- ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर दही चढ़ाने से ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है और इसे बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं किससे भगवान शिव की कृपा से धन संबंधी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

शहद:- भगवान शिव को शहद प्रिय होता है। धार्मिक मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर शहद चढ़ाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और कर्ज की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

गंगाजल:- धर्म शास्त्रों के अनुसार, गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करने से मानसिक शांति मिलती है। ऐसा माना जाता है कि शिवलिंग का गंगाजल से अभिषेक करने पर व्यक्ति को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

काले तिल:- शिव पूजन में काले तिल का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसे में नाग पंचमी के दिन भगवान शिव को काले तिल अर्पित करने से आर्थिक तरक्की के साथ जीवन की कई बाधाएं दूर होती हैं।

गाय का घी:- भगवान शिव को गाय का घी प्रिय है। धार्मिक मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन शिवलिंग पर गाय का घी चढ़ाने से रोगों से मुक्ति मिलती है और आर्थिक तरक्की के रास्ते खुलते हैं। साथ ही, कर्ज से मुक्ति मिलती है।

गन्ने का रस:- नाग पंचमी के दिन शिवलिंग का गन्ने का रस चढ़ाना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नाग पंचमी के दिन शिवलिंग का गन्ने के रस चढ़ाने से धन लाभ के योग बनते हैं और आर्थिक स्थिति सुधरती है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

संसद में चर्चा से क्यों भाग रहा विपक्ष

कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष को इस बात में कुशलता आ गई है कि बिना किसी मुद्दे के संसद को कैसे ठप किया जाता है। जब सरकार ने यह कहा है कि वह प्रत्येक मामले पर चर्चा के लिए तैयार है, तब हंगामा खड़ा करके संसद को स्थगित कराने के पीछे विपक्षी दलों की क्या सोच हो सकती है? यह समझना अब कठिन नहीं है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस के साथ अन्य विपक्षी दलों ने संसद के प्रत्येक सत्र में इसी प्रकार का हो-हल्ला किया है। पहले ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हंगामा किया और अब विपक्ष ने बिहार में जारी मतदाता सूची के गहन परीक्षण को लेकर संसद को ठप कर दिया है। सवाल यह भी है कि एक ओर कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता है, दूसरी ओर वे ही संसद में चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। किसी बात को सही माना जाए? जब चर्चा ही नहीं होगी, तब किसी भी मुद्दे पर सही तथ्य कैसे सामने आएंगे? बिहार मतदाता सूची परीक्षण को लेकर कांग्रेस का विरोध एवं आपत्ति बहुत मजेदार है। कांग्रेस के नेता जनादेश का सम्मान करने की जगह महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में प्रतिद्वंद्वी पार्टी की विजय को 'लोकतंत्र की चोरी' बताकर जनादेश का अपमान करते हैं। कांग्रेस के मुख्य चेहरे राहुल गांधी ने पहले कहा कि महाराष्ट्र में फर्जी मतदान हुआ, कई सीटों पर तय संख्या से अधिक मतदाता जोड़े गए। अब अपनी इसी 'समझदारी' से उन्होंने मध्यप्रदेश के निर्वाचन का भी विश्लेषण कर दिया है। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश आए राहुल गांधी ने कहा है कि महाराष्ट्र की तरह ही मध्यप्रदेश में भी मतदाताओं की गड़बड़ी करके भाजपा ने चुनाव की चोरी की है। उनके इस विश्लेषण के बाद कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में मतदाता सूची का सत्यापन करने का अभियान चलाने का निर्णय लिया है। मतलब जब कांग्रेस स्वयं मान रही है कि मतदाता सूचियों में गड़बड़ी है, जिसका लाभ भाजपा उठाती है, तब वह चुनाव आयोग के निर्णय का विरोध क्यों कर रही है? चुनाव आयोग तो कांग्रेस की मंशा के अनुरूप ही बिहार में मतदाता सूची का परीक्षण कर रहा है। इसकी पूरी आशंका है कि यदि चुनाव आयोग बिहार की मतदाता सूची का सत्यापन नहीं कराएगा तो भविष्य में बिहार चुनाव हारने पर कांग्रेस मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप दोहरा सकती है। कांग्रेस का व्यवहार तो 'चित भी मेरी और पट भी मेरी' हो गया है। अर्थात प्रत्येक स्थिति में हंगामा खड़ा करना ही कांग्रेस का उद्देश्य हो गया है। यह भी ध्यान रखना होगा कि कांग्रेस और उसकी सोच से संबंध रखनेवाले कई अधिवक्ता एवं एक्टिविस्ट बिहार मतदाता सूची परीक्षण को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय पहुँचे थे, जहाँ उन्हें मुंह की खानी पड़ी। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया को संवैधानिक माना। इसका अर्थ है कि सर्वोच्च न्यायालय को भी बिहार मतदाता सूची के परीक्षण में कहीं कोई गंभीर गड़बड़ी नजर नहीं आई थी, तब विपक्ष को कौन-सी विशेष दृष्टि प्राप्त है, जो वह संसद में सड़क का व्यवहार कर रही है। संसद गंभीर बहस का केंद्र है, उसके इसी स्वरूप को स्थापित करने में सबको अपनी भूमिका निभानी चाहिए। विपक्ष को चाहिए कि वह संसद को चलने दे और जो कुछ कहना है, उसे संसद की चर्चाओं में रखे। संसद में बहस होगी तो सब दूध का दूध और पानी का पानी, साफ नजर आ जाएगा।

पहले ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हंगामा किया और अब विपक्ष ने बिहार में जारी मतदाता सूची के गहन परीक्षण को लेकर संसद को ठप कर दिया है। सवाल यह भी है कि एक ओर कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता है, दूसरी ओर वे ही संसद में चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। किसी बात को सही माना जाए? जब चर्चा ही नहीं होगी, तब किसी भी मुद्दे पर सही तथ्य कैसे सामने आएंगे? बिहार मतदाता सूची परीक्षण को लेकर कांग्रेस का विरोध एवं आपत्ति बहुत मजेदार है। कांग्रेस के नेता जनादेश का सम्मान करने की जगह महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में प्रतिद्वंद्वी पार्टी की विजय को 'लोकतंत्र की चोरी' बताकर जनादेश का अपमान करते हैं। कांग्रेस के मुख्य चेहरे राहुल गांधी ने पहले कहा कि महाराष्ट्र में फर्जी मतदान हुआ, कई सीटों पर तय संख्या से अधिक मतदाता जोड़े गए। अब अपनी इसी 'समझदारी' से उन्होंने मध्यप्रदेश के निर्वाचन का भी विश्लेषण कर दिया है। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश आए राहुल गांधी ने कहा है कि महाराष्ट्र की तरह ही मध्यप्रदेश में भी मतदाताओं की गड़बड़ी करके भाजपा ने चुनाव की चोरी की है।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

प्रह्लाद सबनानी

भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं।

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के

यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है। भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृद्ध पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैंकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

कुछ अलग

झूठी कहानियों का सहारा कब तक?

भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है और साथ ही सबसे ज्यादा विषम भी। हमारे ताजा पेपर (शोध पत्र) के मुताबिक पिछले एक दशक में आबादी के टॉप एक फीसदी हिस्से का धन तेजी से बढ़ा है, जबकि नीचे की आधी आबादी का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है। अच्छे दिन आए हैं, लेकिन अधिकांशतः ऐसा धनी लोगों के लिए ही हुआ है।""(नरेंद्र) मोदी ने भारत में गैर-बराबरी बढ़ने की रफ्तार तेज कर दी है। साथ ही उन्होंने लोकतांत्रिक पड़ताल के लिए आवश्यक डेटा को खत्म कर दिया है। अब हम फिर से टुकड़ों को जोड़ कर ये कहानी सामने रख रहे हैं।" भारत के मेनस्ट्रीम मीडिया ने हाल के वर्षों में वैसे भी कम बदनामियां नहीं कमाई हैं, लेकिन इस क्रम में एक नया अध्याय जुड़ा, जब भारत में गरीबी और गैर-बराबरी से संबंधित विश्व बैंक की एक संक्षिप्त रिपोर्ट के निष्कर्षों को लगभग हर बड़े अखबार ने संदर्भ से काट कर मोटी सुर्खियों के साथ छापा। हजारों करोड़ रुपये का कारोबार करने वाले और सैकड़ों कर्मचारियों के साथ काम करने वाले इन अखबारों ने प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) की विज्ञप्ति से प्राप्त हुई सूचना को हू-ब-हू छाप दिया। किसी एक एक अखाबर के संपादकीय विभाग में संभवतः ये सवाल नहीं उठा कि जिस दौर में हर गंभीर अध्ययन भारत में बढ़ती आर्थिक गैर-बराबरी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के निष्कर्ष पर पहुंचा है, तो विश्व बैंक बिल्कुल उसके बिल्कुल उलट कहानी कैसे बता सकता है!

देश दुनिया से

नदी-तालाबों को राह देने से राहत की उम्मीद

बीती 10 जुलाई को करीब डेढ़ घंटे बरसात हुई और देश में साइबर सिटी और बड़े औद्योगिक घरानों के लिए मशहूर गुरुग्राम में कई-कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सात लोग भी मारे गए। आश्चर्य है कि यह महानगर सालभर जल संकट से जूझता है, लेकिन बारिश होते ही दरिया बन जाता है। जहां सबसे महंगी ज़मीन है, वहीं सबसे ज़्यादा जलभराव होता है। आठ घंटे के जाम से गुरुग्राम को अनुमानतः सैकड़ों करोड़ रुपये का नुक़सान होता है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का इस शहर पर भरोसा भी डगमगाने लगा है। नाले-सीवर साफ न होना जैसे कारण तो अमूमन देश के हर शहर को बरसात में लज्जित करते हैं, लेकिन गुरुग्राम के डूबने का असल कारण अलग है - नदी-तालाबों को गुम कर वहां कंक्रीट का जंगल खड़ा करना। अरावली की गोद में बसे इस शहर के पास नैसर्गिक रूप से इतनी जल निधियां थीं कि चाहे जितना पानी गिरे, उनमें ही भर जाये। सारे साल हर घर को पानीदार बना कर रखने की क्षमता थी। जब लोग गुस्साते हैं कि पानी हमारे घर-बस्ती में घुस गया, नदी–तालाब मौन रहकर 'कहते हैं' कि समाज ने हमारा घर उजाड़ कर कब्जा किया। करीब डेढ़ दशक पहले तक एक नदी बहा करती थी- साबी या साहबी नदी। जो जयपुर जिले की सेवर की पहाड़ियों से निकल कोटकासिम, धारूहेड़ा, बहरोड़, तिजारा, पटौदी और झज्जर होते हुए नजफगढ़ झील तक पहुंचती थी। नए गुरुग्राम में इसका प्रवाह घाटा, ग्वाल पहाड़ी, बहरामपुर, मेरावास, नंगली और बादशाहपुर तक फैला था, जहां इससे जुड़ी कई बड़ी झीलें थीं। कुछ स्थानों पर साहबी का पाट एक एकड़ तक चौड़ा था। आश्चर्य है कि गुरुग्राम की सीमा में इस नदी का कोई राजस्व रिकॉर्ड ही दर्ज नहीं है। करीब 15 साल पहले हुड्डा ने नदी के जलग्रहण क्षेत्र को 'आर-ज़ोन' घोषित कर दिया।

इससे पहले इस क्षेत्र की ज़मीन कुछ किसानों के नाम दर्ज थी। आर-ज़ोन घोषित होते ही ज़मीन पर बिल्डरों की नज़र पड़ी और एक एकड़ की क़ीमत पचास लाख से बढ़कर पंद्रह करोड़ प्रति एकड़ तक हो गई। नदी मार्ग पर सेक्टर 58 से 65 तक कई कॉलोनियां और बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गईं। जब नदी के रास्ते में निर्माण होगा, तो पानी इमारतों के आसपास जमा होगा ही। असल में इस नदी के बहाव से कई तालाब जुड़े थे–जब नदी उफान पर होती तो तालाब भर जाते। गुरुग्राम में 1956 में 640 तालाब थे जो कि 1971 में 519 रह गये और आज बड़े मुश्किल से 251 बचे हैं, जिनमें से आधे ठीक करना सम्भव नहीं। थोड़ी-सी बरसात में ही गुरुग्राम के पानी-पानी होने और फिर सालभर बेपानी रहने का कारण केवल नदी और तालाबों का लुप्त होना नहीं, जमीन के लालच में कई अहम नाले हड़पना भी है । डीएलएफ फेज तीन से सिकंदरपुर, सुचाराली से पालम विहार व बादशाहपुर से खाडसा होते हुए नजफगढ़ वाला नाला भी गुम हो गया। इन तीनों की जल-ग्रहण क्षमता कई हजार घन मीटर थी। यह सारा पानी कारखानों, दफ्तरों के आगे सड़कों पर रुकता है। गुरुग्राम के दिल्ली की द्वारका की तरफ के इलाके में जल-भराव का मुख्य कारण उस विशाल जल-निधि का तहस-नहस होना है जो दिल्ली एनसीआर की प्यास बुझाने को अकेले ही काफी थी। दिल्ली-गुड़गांव अरावली पर्वतमाला के तले है और अभी सौ साल पहले तक इस पर्वतमाला पर गिरने वाली हर एक बूंद 'डाबर' में जमा होती थी। 'डाबर यानी उत्तरी-पश्चिम दिल्ली का वह निचला इलाका जो कि पहाड़ों से घिरा था। इसमें कई अन्य झीलों व नदियों का पानी आकर भी जुड़ता था। इस झील का विस्तार एक हजार वर्ग किमी था जो आज गुड़गांव के सेक्टर 107, 108 से लेकर दिल्ली के नए हवाई अड्डे के पास पप्पनकलां तक था। इसमें कई नहरें व सरिता थीं। आज दिल्ली के भूजल प्रदूषण का बड़ा कारक बना नजफगढ़ नाला कभी जयपुर के जीतगढ़ से निकल कर अलवर, कोटपुतली, रेवाड़ी व रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील व वहां से दिल्ली में साबी नदी के जरिये नजफगढ़ झील का अतिरिक्त पानी यमुना में मिल जाया करता था। साल 1912 के आसपास दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आई व अंग्रेजी हुकूमत ने नजफगढ़ नाले को गहरा कर पानी निकासी का जुगाड़ किया। इसके साथ ही नजफगढ़ झील के नाले में बदलने की दुखद कथा शुरू हो गई। सन 2005 में ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नजफगढ़ नाले को देश के सर्वाधिक दूषित 12 वेट लैंड में से एक बताया था। प्रकृति के साथ लगातार छेड़छाड़ की कीमत महज इंसानों ने ही नहीं चुकायी, इस वेटलैंड में सदियों से बसने वाले कई जानवर, पक्षी ओर वनस्पति भी इसके शिकार हुए। जंगल या जल तब तक ही सुरक्षित रहता है जब तक उसमें जीव-जंतुओं की संख्या का संतुलन बना रहे। वहीं थोड़ी सी बारिश में ही निचले इलाके में झील को घेर कर बनी कॉलोनियों में पानी भर जाता है। नजफगढ़ नाले में पानी बढ़ने और दूसरी ओर यमुना में उफान आने से गुरुग्राम के फारूखनगर, दौलताबाद में यमुना के 'बैक वाटर' से बाढ़ के हालात बन जाते हैं। आज भी सामान्य बारिश में नजफगढ़ झील के 52 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पानी भरता है।

आप का नजरिया

वेदों, उपनिषदों में शिव निराकार ब्रह्म के रूप

"शिव" का शाब्दिक अर्थ है कल्याणकारी। और ईश्वर ही संपूर्ण सृष्टि का अंतिम कल्याणकर्ता है—उसके अतिरिक्त कोई अन्य कल्याण करने वाला नहीं। यजुर्वेद (16/41) में प्रतिदिन की संध्योपासना में प्रयुक्त एक प्रसिद्ध मंत्र है: "नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।" वैदिक मतानुसार परमात्मा के अनेक गुण हैं, और इन्हीं गुणों के कारण उनके अनंत नाम हैं। इन्हीं अनंत नामों में एक नाम 'शिव' भी है। वैदिक परंपरा में शिव निराकार, अजन्मा, सर्वत्र व्यापक, सर्वशक्तिमान और सृष्टि के मूल रचयिता माने गए हैं। परंतु दुर्भाग्यवश वर्तमान में उन्हें वैदिक मत के प्रतिकूल एक सीमित रूप में देखा और पूजित किया जाता है—जहाँ वे कैलाश पर निवास करने वाले, साकार रूपधारी योगी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। मूर्तियों, लिंग-स्वरूपों, जलाभिषेक, आरती और विविध उपासना-पद्धतियों के माध्यम से उनकी पूजा-अर्चना की जाती है, जो वैदिक दृष्टिकोण से हटकर है। यजुर्वेद (40/8) में स्पष्ट कहा गया है—"सः परि+अगात", अर्थात ईश्वर सर्वव्यापक है। वह केवल पर्वत, मूर्ति, या किसी एक स्थान में नहीं, बल्कि संपूर्ण जगत में व्याप्त है। तैत्तिरीयोपनिषद् में कहा गया है—"तत सृष्ट्वा तदेवानुप्राविशत", यानी जिसने सृष्टि रची, वही स्वयं उसमें व्याप्त भी हो गया। यह ईश्वर के सर्वव्यापक होने का स्वाभाविक और अनिवार्य गुण है। वैदिक वाङ्मय में एकमात्र पूज्य देव निराकार, सर्वशक्तिमान परमेश्वर ही हैं। ऋग्वेद (1/81/5) में कहा गया है—"हे ईश्वर! न तेरे समान कोई हुआ है, न कोई होगा।" जिसने आकाश, सूर्य और समस्त जगत को रचा और जो जन्म तथा मृत्यु के चक्र से परे है, वही एक परमेश्वर उपास्य है। यही कारण है कि वेदों में स्पष्ट निर्देश है कि इस एक परमेश्वर को छोड़ किसी अन्य की उपासना मत करो।

यजुर्वेद (40/8) में इस निराकार परमेश्वर को सर्वज्ञ, सर्वत्र व्यापक, शुद्ध, पाप-पुण्य के बंधनों से परे, और सबके मन का ज्ञाता कहा गया है। चारों वेदों का मूल ज्ञान इसी परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है। यजुर्वेद (7/4) में वर्णित है कि अष्टांग योग—जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि शामिल हैं—का मूल स्रोत भी यही परमेश्वर है। ऋषियों की परंपरा में "हिरण्यगर्भः योगस्य वक्ता" कहकर परमेश्वर को ही योग का उपदेशक कहा गया है। यही योग परंपरा वेदों से निकलकर गुरुपरंपरा के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी चली और पतंजलि ऋषि द्वारा इसे व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के माध्यम से सूत्रबद्ध किया गया। महाभारत काल तक यह वैदिक व्यवस्था सुव्यवस्थित थी। ऋषि-मुनि, योगीजन, वेदों के अनुशीलन से ईश्वर की उपासना करते हुए शब्द-ब्रह्म (वेद) और परब्रह्म (ईश्वर) को प्राप्त करते रहे। किंतु महाभारत युद्ध के पश्चात वेदविद्या का तेज क्षीण हुआ। लोगों ने वेद से विमुख होकर अपनी-अपनी कल्पनाओं और सुविधाओं के अनुरूप पूजा-पद्धतियाँ गढ़ लीं। इसी विकृति के कारण अनेकों पंथ, मज़हब और देव-धारणाएँ उभरीं, जिन्होंने वैदिक शिव के स्थान पर साकार, पार्थिव, सीमित रूपों की कल्पनाओं को बढ़ावा दिया। परिणामस्वरूप आज अधिकांश लोग शिव को कैलाशवासी, त्रिनेत्रधारी, डमरूधारी, पार्वतीपति, आदि रूपों में जानते हैं—जबकि वेदों का शिव निराकार और सर्वव्यापक परमात्मा है। "शिव" का शाब्दिक अर्थ है कल्याणकारी। और ईश्वर ही संपूर्ण सृष्टि का अंतिम कल्याणकर्ता है—उसके अतिरिक्त कोई अन्य कल्याण करने वाला नहीं। यजुर्वेद (16/41) में प्रतिदिन की संध्योपासना में प्रयुक्त एक प्रसिद्ध मंत्र है: "नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च" यहाँ शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव और शिवतर—सभी एक ही परमात्मा के गुणविशेष हैं, जो उसे विविध रूपों में कल्याणकारी, सुखप्रदाता और मंगलकर्ता दर्शाते हैं। यजुर्वेद (3/60) में "त्र्यम्बकं यजामहे" मंत्र के माध्यम से भी उस परमात्मा की स्तुति की गई है, जो सबका पोषक है, बंधनों को काटने वाला है, और जो मृत्यु से मुक्ति प्रदान करता है।

दृष्टि कोण

दूरगामी रणनीति से बनेंगे पड़ोसियों से अच्छे संबंध

किसी ने सोचा नहीं था, मोदी और मुइज़्ज़ू कभी 'सेम पेज' पर आ पाएंगे। यों, पीएम मोदी मालदीव तीसरी बार जा रहे हैं। मगर, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू के शासन के दौरान उनकी यह पहली यात्रा होगी। उनकी इस यात्रा से माले और नई दिल्ली के बीच संबंधों की नई इबारत लिखी जाएगी। विश्लेषकों ने इसे चीन के प्रभाव को 'पछाड़ने और उससे आगे निकलने' का प्रयास बताया है। 2025 के भारतीय बजट में, मालदीव को 6 अरब रुपये के आवंटन के बाद माले का भरोसा दिल्ली पर बढ़ा, जो पिछले वर्ष के 4.7 अरब रुपये से अधिक थी। इसे दक्षिण एशियाई लाभार्थियों में सबसे बड़ी वृद्धि बताया गया था। मोदी की मालदीव यात्रा पर केवल चीन-पाकिस्तान नहीं, अमेरिका की भी नज़र है। 1 जनवरी, 2025 को चीन-मालदीव मुक्त व्यापार समझौता (सीएमएफटीए) लागू हो गया, जिस पर 2014 में हस्ताक्षर हुए थे। मालदीव की संसद ने 2017 में इस व्यापार समझौते को मंज़ूरी दे दी थी, लेकिन इब्राहिम सोलिह के नेतृत्व वाली सरकार ने 2018 में इसे निलंबित कर दिया था। पिछले साल जनवरी में, मालदीव और चीन ने पर्यटन सहयोग समझौते सहित 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए और एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। मुइज़्ज़ू प्रशासन ने चीन से लिए गए 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के ऋणों के पुनर्गठन की भी मांग की। मालदीव ने पिछले साल चीनी अनुसंधान पोत जियांग यांग होंग-3 को अपने जलक्षेत्र में आने की अनुमति दी थी, जिससे भारत में चिंताएं बढ़ गई थीं। जनवरी, 2025 में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मालदीव का अचानक दौरा किया, जहां उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू से बातचीत की, और द्विपक्षीय संबंधों को दुरुस्त

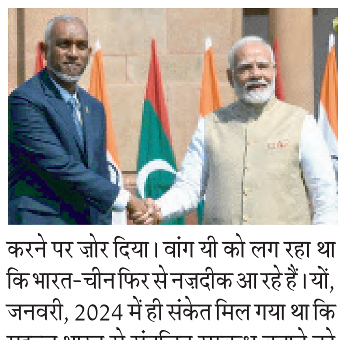

करने पर ज़ोर दिया। वांग यी को लग रहा था कि भारत-चीन फिर से नज़दीक आ रहे हैं। यों, जनवरी, 2024 में ही संकेत मिल गया था कि मुइज़्ज़ू भारत से संतुलित सम्बन्ध बनाने को इच्छुक हैं। मुइज़्ज़ू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए तीन मंत्रियों मरियम शिउना, मालशा शरीफ, और महजूम मजीद को निलंबित कर दिया था। 6 से 10 अक्तूबर, 2024 के दौरान मुइज़्ज़ू भारत आये और दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की, जहां दोनों ने एक संयुक्त विज़न दस्तावेज़ जारी किया था। उस अवसर पर हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को गहरा करने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी। समझौते में कहा गया था कि भारत मालदीव के रक्षा बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने में मदद करेगा, जिसमें भारत की मदद से निर्मित माले में अत्याधुनिक रक्षा मंत्रालय के भवन का उद्घाटन भी शामिल है। ऐसा लगता है, मुइज़्ज़ू अपने चीन समर्थक होने का मुलम्मा उतारना चाहते हैं। दो साल से उन्हें 'प्रो चाइना प्रेसिडेंट' ब्रांडेड किया गया था। नवंबर, 2023 में भारत-मालद्वीव उभयपक्षीय संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू, जिन्होंने 'इंडिया आउट' का प्रचार किया था। उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता की चिंताओं का हवाला देते हुए नई दिल्ली को भारत द्वारा उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टरों और एक फिक्स्ड-विंग विमान का संचालन और रखरखाव करने वाले 89 सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया था। इससे पाकिस्तान और चीन दोनों प्रसन्न थे। मालदीव-पाकिस्तान के संबंधों को समझना है तो वहां की संसद को देखिये, जिसका निर्माण पाकिस्तान ने 45 मिलियन रुपये लगाकर किया था। माले के मागू स्थित संसद भवन 'मज़लिस' का उद्घाटन 1 अगस्त, 1998 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की उपस्थिति में किया गया था। उसके 19 साल बाद, 25 जून, 2017 को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी पत्नी कलसूम नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। नवाज़ को दोबारा मालदीव बुलाने से पहले तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन 7 मई, 2015 को इस्लामाबाद भी गये थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप सूर्य नमस्कार करते रहें दिन शानदार गुजरेगा । पुराने साथियों से मुलाकात होगी। आज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। आज सकारात्मकता ज्यादा रहेगी।छात्रों को लाभ होगा। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर सहयोगियों के साथ मधुरता रहेगी। नया काम शुरू कर सकते हैं। लाइफ पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नए विचार आएंगे। धन लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। दिनचर्या में बदलाव होगा। रिश्तेदारों के यहां धार्मिक काम पूजा पूठा का कार्यक्रम रहेगा आप व्यस्त रहेंगे ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज छात्रों को कडी महनत करने पर प्रतियोगीता मे कामयाबी मिलेगी । कारोबार की स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। चुनौतियों का बखूबी मुकाबला कर पाएंगे। आपके शासकीय कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। विद्यार्थियों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। धन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी। सेहत का ख्याल रखें। प्रभु की आराधना करें। मानसिक शांति मिलेगी। निवेश को फिलहाल टाल दें। पदोन्नति और तबादला हो सकता है,व्यर्थ का खर्चा करने की आदत को सुधारें उन्नति निश्चित होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज विरोधी आप को नुकसान पहुंचा सकते हैं । विरोधियों से सावधान रहना होगा । अनजान लोगों के सामने निजी चर्चा करने से बचें। कोई आपके सरल स्वभाव का फायदा उठा सकता है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ज्यादा खर्च हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश कर सकते हैं। बुजुर्गों की सेहत बिगड़ सकती है। सगे संबंधियों से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। अपने काम के प्रति जिम्मेदार रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लक्ष्मी जी को कनेर के पुष्प से सहस्त्रार्चन करें धन कोष मे वृद्धि होगी रुकी हुई रकम वापस मिलेगी। आपको मित्रों से लाभ होगा। घूमने के लिए जाएंगे। पारिवारिक आयोजन होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। पुरानी रूकी हुई रकम मिलेगी। आपकी आर्थिक समस्या का हल होगा। युवाओं के लिए रिश्ते की बात चल सकती है। सामाजिक आयोजन में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी का ख्याल रखें। सेहत ठीक रहेगी। निवेश के मौके मिल सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धन से जुडी हुई दिक्कतें दूर होंगी आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी रहेगी। आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव हो सकती है। आज जीवनसाथी भरपूर सहयोग मिलेगा। नया काम शुरू कर सकते है। छात्रों को सफलता मिलेगी। यात्रा कर सकते हैं। परिवार की स्थिति बेहतर होगी। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। जोखिम वाले कार्य सावधानी से करें। हर किसी पर भरोसा न करें। सरकारी कार्य मे रुकावटें आ रही हैं तो नंदी को गेहूँ का दलीया खिलाए कार्य मे तेजी आएगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अपिरिचित लोगों से धन का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें क्योंकि आप के विरोधी सक्रिय रहेंगे। आपको सतर्क रहना होगा। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। आज आपको आवश्यक काम में परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में लाभ होगा। दंपत्ति धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर है। सेहत अच्छी रहेगी। जोखिम न लें। अगर आप आलस्य को दूर करते हैं आप के सभी काम पूरें होंगे आप शाम का वक्त सुकून से गुजारेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन उर्जा से भरपूर रहेगा तरक्की के रास्ते खुलेंगे आपको खुशखबरी मिलेगी। आपका कार्य आसानी से पूरा है। सामाजिक जिम्मेदारियों को आज पूरा कर पाएं–गे। आज मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। निवेश कर सकते हैं। व्यवसायियों के लिए आज का दिन अच्छा है। धार्मिक काम में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। यात्रा कर सकते हैं। संतान आप को खुशखबरी वाली खबर सुनाएंगे परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परेशानियों में बीत सकता है। जोखिम वाले कार्य करते समय लापरवाही न करें। चोट लगने की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को काम का तनाव रहेगा। धन लाभ होगा। परिवार के लोगों के साथ दिन बिता सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। यात्रा करने के दौरान अनजान लोगों के संपर्क में न रहें। शत्रु शांत रहेंगे। सेहत का ख्याल रखें। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। खानपान को लेकर लापरवाही न करें पेट सम्बंधित तकलीफ आप को परेशान करेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पारिवारिक जीवन ते उत्सव का माहौल रहेगा । रिश्तेदारों का आनाजाना लगा रहेगा । आज आपका खर्च ज्यादा होगा। कुसंगति से हानि हो सकती है। किसी के बहकावे में आकर अपने परिवार के लोगों पर संदेह न करें। जुआ, सट्टा, लाटरी जैसे व्यसनों से दूर रहें। नुकसान की आशंका है। लाइफ पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिलेगी। कैरियर मे दिक्कतें आ रही हैं तो रोज हनुमानजी को तेल सिन्दूर का श्रृंगार करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन जोरदार रहेगा परन्तु अतिउत्साही नही होना हैं परिवार का सहयोग मिलेगा। लेकिन अपनी निजी बात किसी से शेयर न करें। नए लोगों से मुलाकात होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। कारोबार ठीक चलेगा। सेहत ठीक रहेगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी। आपकी योजना फलीभूत होने की संभावना है। आपका आध्यात्मिकता की ओर रूझान रहेगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति रहेगी दिनजनो की सेवा करनी चाहिए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को धन की सेवींग जरूर करना चाहिए आने वाले समय मे परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ने से आप चिंतित रहेंगे। मासिक बजट बिगड़ सकता है। तनाव दूर करने के लिए ईश्वर की आराधना करें। कठिन परिस्थिति निर्मित हो सकती है। किसी मित्र की मदद से आपका राहत मिल सकती है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। यात्रा करते समय सतर्क रहें। किसी की बातों में न आएं। व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी। अनजान लोगों पर भरोसा करना आप को जोखिम मे डाल सकता हैं व्यापार मे सतर्कता जरुरी हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को अपने क्रोध पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी हैं किसी के साथ तनाव हो सकता है। अपरिचित लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल रहेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर पाएंगे। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतर है। कारोबारियों को आर्थिक लाभ होगा। सेहत का ध्यान रखें। जोखिम न लें। खर्च सावधानी से करें। दफ्तर का माहौल सामान्य रहेगा।बेरोजगारी दूर होने का समय हैं नौकरी की तलाश जारी रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 जुलाई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 12:48 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 07:48 तक
योग : शिव रात्रि 03:04 तक
करण : बव दोपहर 12:03 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नागपंचमी (दक्षिण भारत) ,
श्रावण भौमवासरे मंगलागौरी पूजन–व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आमजन की समस्या का समाधान हो अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, महिला, युवा एवं किसान सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनसुनवाई के माध्यम से भी इन वर्गों की प्रत्येक समस्या का समाधान किया जा रहा है। जनसुनवाई सरकार की जवाबदेही का आधार बन रही है एवं आमजन अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से बेहद संतुष्ट हैं।

शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को आत्मीयता के साथ सुना तथा अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें।शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगो की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए परिवादियों को इसके बारे में सूचित भी किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

जनसुनवाई में आए सोहन लाल ने बताया कि कैंसर की बीमारी से पीड़ित उनके पुत्र मनीष का पिछले कई महीनों से इलाज चल रहा है। दिहाड़ी मजदूरी से जीविका का निर्वहन कर रहे सोहन लाल आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। ऐसे में अपने बेटे के इलाज में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी पीड़ा जाहिर की। इस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनीष का तुरंत निःशुल्क इलाज कराने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से अब मनीष का कैंसर का निःशुल्क इलाज हो सकेगा।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में परिवादी अपनी अनेक समस्याओं के साथ मुख्यमंत्री के समक्ष उपस्थित हुए। कोई परिवादी मुख्यमंत्री से इलाज हेतु सहायता मांगने आया, तो कोई परिवादी अपनी पेंशन से जुड़ा मामला लेकर उपस्थित हुआ।

भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से जयपुर में रिकॉर्ड 42 लाख पौधारोपण

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से हरियाली तीज के अवसर पर जयपुर जिला प्रशासन ने एक ही दिन में पौधारोपण का रिकॉर्ड कायम किया है। जयपुर के मदाऊ स्थित जगदुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 76वें वन महोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पौधारोपण किया।

वहीं, जयपुर जिला प्रशासन द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान के तहत संपूर्ण जयपुर जिले में एक ही दिन में आवंटित लक्ष्य (21 लाख पौधारोपण) के दोगुना से भी अधिक 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण कर प्रदेश के 41 जिलों में प्रथम स्थान हासिल किया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मिशन हरियालो राजस्थान का शुभारंभ किया था।उप वन संरक्षक वी. केतन कुमार ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन एवं नेतृत्व में जिला प्रशासन ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत पूरे जिले में कुल 42 लाख 2 हजार 139 पौधारोपण किये गए। प्रभावी कार्ययोजना एवं नियमित मॉनिटरिंग के चलते टीम जिला प्रशासन के प्रयास रंग लाए एवं राजकीय विभागों, निकायों, निगमों ने सहयोग, समन्वय एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की पेश मिसाल करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। जयपुर में हरियाली तीज के अवसर पर पौधारोपण को लेकर आमजन में भी खासा उत्साह देखने को मिला, जन भागीदारी से वन महोत्सव जन महोत्सव में तब्दील हो गया, माधोराजपुरा सहित अन्य उपखण्डों में ग्रामीण लोक गीतों पर थिरकते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

सामाजिक विकृतियों को दूर करने के लिए सामाजिक संस्थाए आगे आए: न्यायमूर्ति मनोज कुमार गर्ग

आत्मनिर्भर, सशक्त एवं विकसित राष्ट्र– वैश्य समाज का लक्ष्य: गोपाल मोर

जोधपुर, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय समाज के भीतर पनप रही लिव–इन रिलेशनशिप जैसी विकृति को दूर करने का आहवान करते हुये राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गर्ग कहा कि इसके लिए सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालयों में काफी संख्या में इस प्रकार के मामले आ रहे है। न्यायमूर्ति गर्ग ने कहा कि उच्च न्यायालय में रोजाना ऐसे मामले आते है कि उन्हें अपने माता–पिता से परेशानी और खतरा है।

न्यायमूर्ति गर्ग यहां अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई द्वारा आयोजित जिला कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह, वरिष्ठ जन सम्मान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. गोपाल मोर ने कहा कि वैश्य समाज की कुरीतियों को समाप्त करने और वैश्य बंधुओं के स्वाभिमान को बनाये रखने के लिए अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की स्थापना 1983 में हुई थी। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज देश के विकास में सर्वाधिक आर्थिक सहयोग करता है। वैश्य समाज की राजनीति और प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया । श्री मोर ने कहा कि वैश्य समाज का लक्ष्य आत्मनिर्भर, सशक्त एवं विकसित भारत बनाना है । मोर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करने के अलावा जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शपथ भी दिलाई।

विशिष्ट अतिथि विधायक अतुल भंसाली ने समाज बंधुओं से पूर्ण सहयोग की अपील की । साथ ही उन्होंने कहा कि वे नागरिकों की सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे। विशिष्ट अतिथि संदीप काबरा ने कहा कि माहेश्वरी समाज देश भर में निराश्रित बहिनो को 5500 रुपये प्रति माह सहयोग कर रहा है। संभाग प्रभारी जी डी मित्तल ने संभाग के कार्यों की जानकारी प्रदान की।

वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष अनिल गोयल ने बताया कि कार्यक्रम मे अस्सी वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 12 सदस्यों का सम्मान किया गया। सत्यनारायण अग्रवाल, रामजी लाल लीला, ब्रिगेडियर एन एम सिंघवी, भंवर लाल तातेड, रिखबराज मोहनोत, शुद्धराज लोढा, गुमान सिंह सिंघवी, मानमल सुराणा, सुरेन्द्र कुमार जैन श्रीमती निर्मला सिंघवी, सुशीला सिंघवी एवं श्रीमती मगी देवी राठी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया । नृत्य निदेशक कुमारी प्रेरणा राठी, डॉक्टर दर्शना, सी ए दर्शित मुरारका, इन्जीनियर मनन मेहता एवं तक्ष पित्ती को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। वैश्य महासम्मेलन के संरक्षक सत्यनारायण अग्रवाल, गोविन्द खण्डेलवाल , समन्वयक श्याम सुंदर गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रेश लोढा ने अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम का संचालन सीताराम राठी, पी डी अग्रवाल एवं मधु समदानी ने किया। कार्यक्रम मे अग्रसेन संस्थान के सचिव अनिल सिंघल वैश्य महा सम्मेलन के दिनेश सेठिया, विमला गट्टा्नी, ज्ञान ज्योति गुप्ता, विजय मुरारका,भूपेन्द्र गुप्ता, संजीव गुप्ता, भंवर बाहेती, सरोज गुप्ता, राजेश सिंघवी, लक्ष्मीशंकर गांधी, सुनील वैद, नवीन मित्तल, वी सी अग्रवाल, संजय भंडारी, पीयूष मोहनोत, मनीष करवा एवं बडी संख्या मे सदस्य परिवार उपस्थित रहे।

विज का राहुल गांधी पर तंज

हर चीज में खोट डिप्रेशन की निशानी, कांग्रेस में कोई किसी की लीडरशिप नहीं मान रहा

चंडीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब हर चीज में खोट नजर आने लगा है, जोकि डिप्रेशन की निशानी है। आज मीडिया कर्मियों द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान, जिसमें उन्होंने पिछले 10 सालों में नीट, यूजीसी–नेट व अन्य परीक्षाओं में गड़बड़ी का आरोप लगाया था, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए विज ने कहा कि हमारी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ सारी परीक्षाएं करवाती है।

उन्होंने गत दिवस हरियाणा में हुए सीईटी परीक्षा का उदाहरण दिया, जिसमें लगभग 13 लाख परीक्षार्थियों ने भाग लिया और उनकी सभी सुविधाओं का ख्याल रखा गया, यहाँ तक कि उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया भी गया।विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जबकि कांग्रेस के राज में ऐसा कभी नहीं किया गया तथा राज्य में पिछले 30 से 35 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ। भाजपा के राज में बिना पर्ची–खर्ची के काम होता है लेकिन कांग्रेस के समय में दुकानें खुलती थी और नौकरियां बिकती थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान कि उन्हें आज तक जगदीप धनखड़ के इस्तीफे का कारण नहीं पता चला, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि कांग्रेस में कब किसने इस्तीफा दिया, हमने कभी नहीं पूछा, कांग्रेस में किसको मंत्री बनाया, किसको प्रधान बनाया या हटाया, हमने कभी नहीं पूछा।

भाजपा सरकार में बहुत बुरे दौर से गुजर रहा हरियाणा : चौटाला

चंडीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि आज गरीब, किसान, कमेरा वर्ग भाजपा सरकार की खराब नीतियों के कारण बेहद दुखी है और सभी संगठित होकर भाजपा से लड़ाई लड़ना चाहते है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सामने विकल्प के तौर पर कांग्रेस को जनता नकार चुकी है इसलिए आने वाला समय जेजेपी का ही है। सोमवार को दिग्विजय चौटाला करनाल जिले में जेजेपी के युवा जोड़ो अभियान के तहत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश के हालात बेहद खराब हो चुके है और हरियाणा ऐसे बुरे दौर से कभी नहीं गुजरा।

जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि किसानों को ना तो समय पर डीएपी मिली और ना ही यूरिया मिल रही। उन्होंने कहा कि खाद के लिए किसान लंबी लाइनों में लगने और पुलिस के लाठी–डंडे खाने को मजबूर है। दिग्विजय ने यह भी कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाल के सरकार में रहते हुए किसानों को किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा था।दिग्विजय चौटाला ने कहा कि युवाओं को स्थाई नौकरी देने में भाजपा सरकार नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि एचकेआरएन के तहत भी केवल एक साल के लिए नौकरी मिलती है और इसमें भी भाजपा सरकार एचकेआरएन कर्मचारियों को निरंतर हटाने में लगी हुई है।

हरियाणा के राज्यपाल ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से की शिष्टाचार मुलाकात

चंडीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने सोमवार को नई दिल्ली में भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रोफेसर घोष ने 21 जुलाई, 2025 को हरियाणा के 19वें गवर्नर के रूप में शपथ ग्रहण की। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष भी उनके साथ थी।

राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के साथ हरियाणा की वर्तमान स्थिति के बारे में कई मूल्यवान सुझाव साझा किए हैं। उन्होंने विशेष रूप से सामाजिक कल्याण, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि वे राष्ट्रपति के मार्गदर्शन से बहुत प्रभावित हुए है।

वन महोत्सव आने वाली पीढ़ियों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के हमारे संकल्प का प्रतीक: सैनी

चंडीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जीवन का आधार प्रकृति है और प्रकृति का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आज हम आधुनिकता की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, वन महोत्सव हमें इसी बात की याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम प्रकृति का शोषण न करें, बल्कि उसके साथ मिलकर रहना सीखें। जब हम एक पेड़ लगाते हैं तो हम जीवन का एक स्रोत रोपित करते हैं, एक नई उम्मीद पैदा करते हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को यमुनानगर के कलेसर में वन विभाग द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय वन महोत्सव में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर रहे थे। उन्होंने राज्य स्तरीय वन महोत्सव में पौधारोपण भी किया, साथ ही वन विभाग के नव निर्मित विश्राम गृह का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कालेश्वर महादेव मठ मंदिर में जाकर भगवान शिव की पूजा अर्चना की और प्रदेश की सुख स्मृद्धि के लिए कामना की।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वन महोत्सव प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता, हमारे दायित्व और आने वाली पीढ़ियों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के हमारे संकल्प का प्रतीक है। कलेसर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह न केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटकों, प्रकृति प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए भी बेहद आकर्षक स्थल है। सरकार कालका से लेकर कलेसर तक के पूरे क्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में विकसित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वन क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पौधारोपण करते हुए एक पेड़ मां के नाम से एक अनूठा अभियान शुरू किया था। इसी कड़ी में एक पेड़ मां के नाम के पहले चरण में हरियाणा में 1 करोड़ 60 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था, हमने लक्ष्य से बढक़र 1 करोड़ 87 लाख पौधे लगाये। इस साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम के दूसरे चरण की शुरूआत की है। दूसरे चरण में 90 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, इस साल अन्य योजनाओं में प्रदेश में कुल 1 करोड़ 20 लाख पौधे और लगाने का लक्ष्य रखा गया है। एस प्रकार प्रदेश में 2 करोड़ 10 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहा कि सरकार ने शहरी वानिकी को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष योजनाएं शुरू की हैं, ताकि शहरों में भी हरियाली बढ़ाई जा सके। इसके साथ ही, अवैध कटाई को रोकने और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कड़े कदम उठाए हैं। वन विभाग को इस दिशा में और अधिक सक्रिय होने के निर्देश दिए गए हैं। कलेसर नेशनल पार्क में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। यहां अवैध शिकार पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

महज संयोग नहीं है इन तीन राजनीतिक देवियों का एक साथ होना

2027 के राजनीति समीकरण का संकेत तो नहीं..!

राजेश पटेल

नई दिल्ली/लखनऊ, 28 जुलाई।

सियासी गलियारे से तस्वीरें तो बहुत आती हैं, लेकिन इनमें कुछ ऐसी आ जाती हैं, जो सियासत में नई बहस या नई संभावनाओं के उदय को जन्म देती हैं। कुछ ऐसी दुर्लभ तस्वीरें कभी-कभी भविष्य की राजनीति का संकेत भी देती हैं। संसद के मानसूत्र सत्र के दौरान ऐसी ही एक फोटो सामने आई, जिसने तरह-तरह की संभावनाओं पर सोचने के लिए विवश किया। यह फोटो है संसद भवन परिसर की, जहां अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव और प्रिया सरोज की। डिंपल यादव सपा प्रमुख अखि-लेश यादव की पत्नी हैं, यह तो सब जानते ही हैं। लेकिन सब यह नहीं जानते-समझते कि राजनीतिक जगत की इन तीन देवियों की एक साथ खींची गई तस्वीर महज एक संयोग है या सोचा-समझा हुआ संयोजन।

कहने को तो अनुप्रिया पटेल केंद्र में राज्य मंत्री हैं, लेकिन भाजपा के साथ उनके समीकरण फिलहाल डांवाडोल स्थिति में हैं। अनुप्रिया पटेल के पति आशीष पटेल उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। लेकिन जैसे-जैसे 2027 नजदीक आ रहा है, तल्खी बढ़ती जा रही है। अभी तक तो आशीष पटेल ही मुखर थे। एसटीएफ और 1700 करोड़ के सूचना विभाग के बजट विवाद को उठाकर आशीष पटेल सुर्खियों में रहे हैं। इसके अतिरिक्त अपना दल (एस) पार्टी की पिछली समीक्षा बैठक में अनुप्रिया पटेल ने भी इशारों-इशारों में बहुत कुछ कह डाला। इससे जाहिर हुआ कि गठबंधन की गांठ से अपना दल (एस) धीरे-धीरे ही सही, खुल कर सरक रही है।

इसका कारण भी है। अनुप्रिया पटेल अपनी पार्टी के सामाजिक न्याय के मुद्दों को एक-एक कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सुलझवाती जा रही हैं। विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती में 13 प्वाइंट रोस्टर का मामला रहा हो या केंद्रीय और सैनिक विद्यालयों में प्रवेश में ओबीसी बच्चों के लिए 27 फीसदी आरक्षण की बात हो। मांग पूरी हो गई। कहा तो यह भी जाता है कि जातीय जनगणना की भी घोषणा मोदी ने सामाजिक न्याय की विचारधारा की राजनीति के दबाव में ही की। उनको डर था कि यदि यह घोषणा नहीं करते तो ओबीसी

का बड़ा वोट बैंक उनसे छिटक सकता था।

इसके ठीक उलट अनुप्रिया पटेल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 69 हजार शिक्षक बहाली में ओबीसी अभ्यर्थियों तक को न्याय नहीं दिलवा पा रही हैं। इसके लिए उन्होंने विभिन्न मंचों के माध्यम से कई बार योगी आदित्यनाथ से अपील की, लेकिन योगी आदित्यनाथ ने उनकी नहीं सुनी।

इसके अलावा भी ओबीसी के कई मुद्दे हैं, जिनको सिर्फ इसलिए नहीं सुलझाया जा रहा है कि इनको अपना दल (एस) ने उठाया है। एनडीए के सबसे पुराने सहयोगी अपना दल (एस) को मजबूत बनाने के बजाए उत्तर प्रदेश में उसे कमजोर करने की कोशिशें सरकार के स्तर से बार-बार की जा रही हैं। अपना दल (एस) के विरोधियों के कंधों पर बंदूक रखकर योगी बाबा निशाना लगाने का प्रयास करते हैं, हालांकि अपना दल (एस) की सावधानी के कारण निशाना हर बार चूक जाता है।

अपना दल (एस) के रास्ते में हर कदम पर बारूदी सुरंगें बिछाई जा रही हैं। इनसे कब तक बचा जा सकता है। सावधानी हटी कि दुर्घटना घटी। योगी सरकार और अपना दल (एस) के बीच का यह शीतयुद्ध सार्वजनिक हो गया है। ऐसे में जब इस तरह की फोटो सामने आएगी तो बहस का मुद्दा बनेगी ही। क्या 2927 के लिए सामाजिक न्याय की विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आने जा रही हैं? यह फोटो उसका संकेत तो नहीं है? चर्चाओं को इसलिए भी पंख लग रहे हैं कि इस तरह की फोटो पहली बार सामने आई है।

हालांकि उसी दिन एक और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें कई दलों की महिला सांसद हैं। वह तो सामान्य शिष्टाचार हो सकता है, लेकिन अनुप्रिया पटेल, डिंपल यादव और प्रिया सरोज की इस फोटो के कई अर्थ और कई निहितार्थ हैं। कोई इसे भविष्य का गठबंधन बता रहा है तो कोई 2027 के लिए नई गोलबंदी। हालांकि 2022 में विधानसभा चुनाव के पहले समाजवादी पार्टी और अपना दल (एस) के गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा था कि उनके यहां हाउसफुल है। इधर अनुप्रिया पटेल कहती रहती हैं कि राजनीति संभावनाओं का खेल है। यहां न कोई स्थाई दोस्त होता है और न स्थाई दुश्मन।

बरेली के गांव में छत पर मिला मेड इन चाइना ड्रोन

बरेली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

बरेली के फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के मंडोली गांव में सोमवार सुबह एक ग्रामीण के मकान की छत पर चीन निर्मित ड्रोन बरामद किया गया। पुलिस ने ड्रोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बरेली जिले के ग्रामीण इलाकों व कस्बों में ड्रोन उड़ने का शोर मच रहा है। इससे ग्रामीणों में कौतुहल के साथ दहशत भी है। फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के मंडोली गांव से चौंकाने वाला मामला सामने आया। गांव के कमल मौर्य के मकान की छत पर सोमवार सुबह ड्रोन पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि सुबह उनका बेटा नवनीत मौर्य किसी काम से छत पर गया तो उसने ड्रोन पड़ा देखा। उसके शोर मचाने पर परिवार के लोग पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। ड्रोन मिलने की खबर मिलते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने ड्रोन को कब्जे में ले लिया है। ड्रोन पर मेड इन चाइना लिखा है। ड्रोन किसका है और छत पर कैसे पहुंचा, इसका पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि गांवों से यूपी-112 पुलिस के पास इस तरह की कॉल्स आ रही हैं कि उनके यहां ड्रोन उड़ता दिखा है। जब पुलिस वहां जाती है तो ड्रोन नहीं दिखता। इससे लग रहा है कि ड्रोन से ज्यादा अफवाह फैल रही है। शादी और धार्मिक आयोजनों में भी आजकल ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। ऐसे में इन लोगों को भी सलाह दी गई है कि वह ड्रोन का इस्तेमाल करने से पहले पुलिस को सूचना दें ताकि पुलिस उस क्षेत्र के लोगों को पहले यह स्पष्ट कर सके। ड्रोन को बिना किसी उद्देश्य के नहीं उड़ाया जा सकता। एसएसपी ने लोगों से अपील की कि किसी संदिग्ध व्यक्ति को देखें तो पुलिस को सूचना दें, न कि खुद ही कानून हाथ में लें। ग्राम सुरक्षा समिति, सरकारी कर्मचारी, मीडिया के जरिये लोगों को पुलिस यह बताने का प्रयास करेगी कि इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने उठाई मांग

ऊर्जा विभाग अपने पास रखें मुख्यमंत्री

ऊर्जा मंत्री साजिशन बिजली निगमों को कर रहे बदनाम

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से निवेदन किया है कि वे स्वयं ऊर्जा विभाग अपने पास ले लें और निजीकरण का निर्णय निरस्त कर दें तो बिजली कर्मी द्विगुणित उत्साह के साथ उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति सेवा देने हेतु कृतसंकल्प हैं। बिजली कर्मियों का उन पर पूरा विश्वास है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण के एजेंडे के तहत देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले उत्तर प्रदेश के ऊर्जा निगमों को बेवजह बदनाम नाम किया जा रहा है। वस्तुत: देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले ऊर्जा निगम उत्तर प्रदेश का गौरव हैं।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश की कोर कमेटी की आज हुई बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर माननीय मुख्यमंत्री जी से ऊर्जा विभाग का दायित्व अपने पास लेने का निवेदन किया गया। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मियों ने भीषण गर्मी के दौरान सीमित संसाधनों के बावजूद सर्वाधिक बिजली आपूर्ति का नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया है। यद्यपि बिजली कर्मी निजीकरण के विरोध में आंदोलनरत है किंतु बिजली कर्मियों ने अपने आंदोलन के साथ उपभोक्ता सेवा को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। निजीकरण का एजेंडा लेकर चलने वाले लगातार मिल रही सफलता को विफलता में बदल देने पर तुले हुए हैं। संघर्ष समिति ने कहा जो लोग ऊर्जा विभाग में शीर्ष पदों

पर हैं और जो संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विद्युत वितरण निगमों को असफल बता रहे हैं, दरअसल इसके पीछे उनका निजीकरण का एजेंडा है, उन्हें अपने पदों से त्यागपत्र दे देना चाहिए। संघर्ष समिति ने कहा कि संघर्ष समिति के साथ लिखित समझौता कर मुकर जाने वाले ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा बिजली कर्मियों का विश्वास पहले ही खो चुके हैं। अब ऊर्जा मंत्री और पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष के बीच मचे घमासान में आम जनता पिस रही है। ऐसे में आम जनता के हित में मा मुख्यमंत्री जी को ऊर्जा विभाग अपने पास रखना चाहिए।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आज यहां कहा कि मुख्यमंत्री की प्रदेश की बिजली व्यवस्था के प्रति चिंता सर्वथा उचित है। उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता माननीय मुख्यमंत्री के प्रति पूरा विश्वास रखते हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में लगातार सुधार कर रहे बिजली कर्मियों के प्रयास से 2017 में चल रही 41 प्रतिशत लाइन हानियां घटकर अब 15 प्रतिशत से नीचे आ गई हैं।

एक वर्ष के अंदर अंदर उत्तर प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों की लाइन हानियां राष्ट्रीय मानक से काफी नीचे आ जाएंगी इसकी पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि विद्युत वितरण निगमों में सुधार के लिए केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को 44000 करोड़ रुपए मिला है। निजीकरण का एजेंडा चलाने वाले इस धनराशि को खर्च करके विद्युत वितरण निगमों को कौड़ियों के मोल निजी घरानों को बेचना चाहते हैं। बिजली कर्मचारी उपभोक्ताओं की सेवा को बनाए रखते हुए इसी के विरोध में गत आठ माह से आंदोलनरत है।

संघर्ष समिति ने कहा कि 65 दिन चले महाकुंभ के दौरान बिजली कर्मियों ने दिन रात काम किया और महाकुंभ में पल मात्र के लिए भी बिजली का व्यवधान नहीं आने दिया। बिजली कर्मियों के अथक प्रयास से ही महाकुंभ की बिजली व्यवस्था की आज पूरे विश्व में चर्चा हो रही है। महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक विरासत है और 2025 के महाकुंभ का सबसे बड़ा आकर्षण उच्च कोटि की बिजली व्यवस्था थी जिसे सरकारी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कर दिखाया। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण का एजेंडा लेकर चलने वाले झूठे आंकड़े देकर वित्तीय संकट का हौआ खड़ा कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि सरकारी विभागों का बिजली राजस्व का बकाया और सब्सिडी की धनराशि को घाटे में जोड़कर निजीकरण का तर्क दिया जा रहा है। सरकारी विभागों का बिजली राजस्व का बकाया मिल जाए तो उत्तर प्रदेश के विद्युत वितरण निगम किसी घाटे में नहीं हैं ।

संघर्ष समिति ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों की एक लाख करोड़ रुपए की परिसम्पत्तियों को बेचने के लिए रिजर्व प्राइस मात्र 6500 करोड़ रुपए रखना और 42 जनपदों की सारी जमीन मात्र एक रुपए की लीज पर निजी घरानों को सौंप देना यह ऐसे कदम है जो उत्तर प्रदेश सरकार को बदनाम करने के लिए उठाए जा रहे हैं। निजीकरण के विरोध में आज अवकाश के दिन बिजली कर्मचारियों ने समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक जनसंपर्क किया और आम जनता को यह बताने का प्रयास किया कि निजीकरण के बाद बिजली इतनी महंगी हो जाएगी कि वह किसानों, गरीब उपभोक्ताओं और आम घरेलू उपभोक्ताओं की पहुंच से दूर हो जाएगी। निजीकरण हुआ तो उत्तर प्रदेश की अधिकांश गरीब जनता लालटेन युग में चली जाएगी।

पुनर्जीवित हो रही तमसा नदी, पांच जिलों में लौटने लगी हरियाली

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्वांचल की जीवनरेखा कही जाने वाली तमसा नदी को नया जीवन मिल रहा है। तमसा नदी के पुनर्जीवन अभियान से आजमगढ़ जिले की 121 ग्राम पंचायतों में हरियाली लौट रही है। ऋषि दुर्वासा, चंद्रमा ऋषि और ऋषि दत्तात्रेय की तपोभूमि पर बहती तमसा नदी अब फिर से पूर्वांचल के किसानों के लिए संजीवनी बन रही है। तमसा नदी अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया से होकर गुजरती है। इसके पुनरुद्धार से इन जिलों में बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। वर्तमान में तमसा नदी जनपद आजमगढ़ के अहरौला, मिर्जापुर, तहबरपुर, रानी की सराय, पल्हनी, बिलरियागंज

और सठियांव विकासखंडों की 121 ग्राम पंचायतों से होते हुए मऊ जनपद में प्रवेश करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को राज्य स्वच्छ गंगा मिशन और जिला गंगा समितियां मिलकर साकार कर रहे हैं।

तमसा नदी न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पूर्वांचल की कृषि और पर्यावरण के लिए भी जीवनदायिनी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऋषि दुर्वासा, चंद्रमा ऋषि और ऋषि दत्तात्रेय की तपोभूमियों को फिर से हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया, जिसके परिणामस्वरूप यह क्षेत्र अब एक बार फिर समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहा है। आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने बताया कि तमसा नदी आजमगढ़ जिले में 89 किलोमीटर और कुल मिलाकर 264 किलोमीटर

लंबी है, जो अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया जिलों से होकर गुजरती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आजमगढ़ में तमसा नदी पर अभियान चलाकर काम किया जा रहा है। तमसा नदी के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए 29 जुलाई को आजमगढ़ में सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी जुटेंगे।

तमसा नदी के पुनर्जीवन से किसानों को बड़ी राहत मिल रही है। अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया के लाखों किसानों को अब सिंचाई की बेहतर सुविधा मिल रही है, जिससे खेतों की उत्पादकता में बढ़ोत्तरी हुई है। ग्राम पंचायतों में हरियाली लौटने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका के नए रास्ते भी खुले हैं। आजमगढ़ के डीएफओ पीके पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर तमसा नदी के दोनों किनारों पर पौधार-ोपण भी कराया जा रहा है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भूजल स्तर में भी सुधार हो रहा है। तमसा नदी केवल खेती के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी धार्मिक विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां दुर्वासा ऋषि आश्रम तमसा और मंजूषा नदी के संगम पर स्थित है। यहां श्रावण, कार्तिक मास सहित कई पर्वों पर तीन से चार लाख तक श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। चंद्रमा ऋषि आश्रम तमसा और सिलनी नदी के संगम पर स्थित है, जहां राम नवमी और कार्तिक पूर्णिमा को विशेष मेले लगते हैं। दत्तात्रेय मंदिर तमसा और कुंवर नदी के संगम पर स्थित है। यहां शिवरात्रि पर भव्य मेला आयोजित होता है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।

यूएफा विमेंस यूरो 2025 : इंग्लैंड ने पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को हराकर खिताब जीता

बासेल, 28 जुलाई (एजेंसियां)।
इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम ने यूएफा विमेंस यूरो 2025 के फाइनल में रविवार को स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह लगातार दूसरी बार है जब इंग्लैंड ने यूरो कप जीता है। नियमित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

मैच के 25वें मिनट में स्पेन ने ओना बाट्‌ले के क्रॉस पर मरियोना कालदेंते के हेडर की मदद से बढ़त बना ली। इंग्लैंड की रक्षापंक्ति इस दौरान पूरी तरह चूक गई और गोलकीपर हन्ना हैम्पटन गेंद को रोक नहीं सकीं।

दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने वापसी की और 57वें मिनट में क्लो केली के शानदार क्रॉस पर एलेसिया रूसो ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

स्पेन ने पूरे मैच में बॉल पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार दबाव बनाती रही, लेकिन इंग्लैंड की मजबूत डिफेंस के आगे वह अतिरिक्त समय तक कोई और गोल नहीं कर सकी।

पेनल्टी शूटआउट में शुरुआत में इंग्लैंड को झटका लगा जब कैटा कोल ने बेथ मीड की किक रोक दी। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने कमाल दिखाया और मरियोना कालदेंते व आइताना बोनमती की किक रोक दी। लीया विलियमसन की किक को भी कोल ने रोककर स्पेन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन सलमा परायुएलो ने निर्णायक समय पर किक चूककर गेंद गोल के बाहर मार दी।

इसके बाद 2022 के फाइनल की हीरो क्लो केली ने एक बार फिर इतिहास दोहराया। अपने ट्रेडमार्क प्रांसिंग रन-अप के साथ उन्होंने गेंद को गोलपोस्ट में ठोक दिया और जश्न में झूमते हुए साथी खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड फैंस की ओर दौड़ गईं।

मैच के बाद क्लो केली ने कहा, मैं इस टीम पर बेहद गर्व महसूस करती हूं, इस बैज को पहनने के लिए आभारी हूं और इंग्लिश होने पर गर्व है। मुझे पूरा यकीन था कि मेरी किक नेट में जाएगी। यह पहला मौका था जब 1984 के पहले संस्करण के बाद यूएफा विमेंस यूरो का फाइनल पेनल्टी शूटआउट में तय हुआ। उस समय इंग्लैंड को स्वीडन के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार इंग्लिश शेरनियों ने इतिहास रच दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

ओवल में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए जेमी ओवरटन इंग्लिश टीम में शामिल

लंदन। ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को भारत के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय इंग्लैंड टीम में वापस बुलाया गया है। उन्होंने 2022 में अपने करियर का एकमात्र टेस्ट मैच खेला था। 31 वर्षीय सरे ऑलराउंडर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले संस्करण में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए तीन मैच खेले। उन्होंने 2022 में लीड्स में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। ओवरटन को छोड़कर पिछले मैच में चुने गए 14 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है। भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

गंभीर ने ऋषभ की प्रशंसा करते हुए कहा, आपने देश को प्रेरित किया

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर के बाद भी बल्लेबाजी करने के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि गंभीर चोट और दर्द के बाद भी ऋषभ ने जिस जज्बे से बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये वह कम है। गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में ऋषभ की सराहना की और कहा कि मैं हमेशा से व्यक्तिगत प्रदर्शन पर बात नहीं करता लेकिन यहां जिस प्रकार का साहसिक काम उसने किया है प्रशंसा तो करनी ही पड़ेगी। उन्होंने बार-बार खुलकर टीम की जीत का श्रेय व्यक्तियों को देने पर नाराजगी जताई है पर इस बार गंभीर ने अपने ही नियम को तोड़ा है, क्योंकि ऋषभ के साहसिक प्रदर्शन ने उन्हें बेहद प्रेरित किया है। गंभीर के अनुसार इस बल्लेबाज का ये प्रदर्शन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। जिस प्रकार इस बल्लेबाज ने टीम की जरुरत के लिए दूसरे दिन वापस आकर अर्धशतक लगाया उसके जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। पंत को क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स-स्वीप करने की कोशिश करते हुए अपने दाहिने पैर पर चोट लगी, जिससे उनका पैर सूज गया और दर्द के कारण व जमीन पर पैर नहीं रख पा रहे थे। इसी कारण उन्हें गोल्फ कार्ट में बैठाकर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा था। इसके बाद भी वह दूसरे दिन सुबह बल्लेबाजी करने के लिए लंगड़ाते हुए मैदान में आए, जिससे प्रशंसक भी हैरान हो गये और उन्होंने खड़े होकर उनका जोरदार स्वागत किया। ऋषभ ने अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। ड्रेसिंग रूम में गंभीर ने कहा कि ऋषभ ने देश को किया है। उन्होंने कहा, आम तौर पर मुझे व्यक्तियों के बारे में बात करना पसंद नहीं है। मैंने कभी टीम खेल में व्यक्तियों के बारे में बात नहीं की पर आपने न केवल इस ड्रेसिंग रूम को प्रेरित किया है, बल्कि आपने अगली पीढ़ी को भी प्रेरित किया है। यही आपने किया है।

इंडिया चैम्पियंस हार के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से बाहर हुई

लंदन। यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में इयान मॉर्गन की कप्तानी वाली इंग्लैंड चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हरा दिया। इस हार के साथ ही इंडिया चैम्पियंस टीम मुकाबले से बाहर हो गयी है। वहीं मेजबान इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है और सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है। इस मैच में मेजबान इंग्लैंड चैम्पियंस ने रवि बोपारा के शतक 110 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाये। इसके अलावा इंग्लैंड चैम्पियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज इयान बेल 39 गेंद में 54 रन बनाये। मोईन अली ने 13 गेंद में 33 रनों की पारी खेली जबकि समित पटेल ने 20 रन बनाए। वहीं पीयूष चावला और हरभजन सिंह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाजों ने 8 या इससे अधिक रन दिये। हरभजन के 3 ओवर के 18 रन गये और उन्होंने 2 विकेट लिए। चावला ने 4 ओवर में केवल 25 रन दिए। दूसरी ओर पवन नेगी ने 4 ओवर में 62 और विनय कुमार ने 4 ओवर में 54 रन दिये।

कोनेरू हंपी को हराकर दिव्या देशमुख बनीं फिडे महिला विश्व कप चैंपियन, बनीं भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर

जॉर्जिया, 28 जुलाई (एजेंसियां)।
भारत की उभरती हुई शतरंज सितारा दिव्या देशमुख ने सोमवार को इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित फिडे महिला विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने खिताबी मुकाबले में देश की ही अनुभवी ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी को टाईब्रेक में 1.5-0.5 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

निर्णायक रहा टाईब्रेक मुकाबला

फाइनल मैच का पहला रैपिड गेम ड्रॉ रहा, जिसमें हंपी ने काले मोहरों से मजबूत बचाव किया। लेकिन दूसरे रैपिड गेम में दिव्या ने काले मोहरों से खेलते हुए आक्रामक अंदाज़ दिखाया और हंपी की एक गलती का फायदा उठाते हुए मैच और खिताब अपने नाम किया।

दिव्या बनीं ग्रैंडमास्टर

इस जीत के साथ 18 वर्षीय दिव्या देशमुख न केवल विश्व कप चैंपियन बनीं, बल्कि भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। वह ग्रैंडमास्टर खिताब पाने वाली चौथी भारतीय महिला हैं। इससे पहले यह उपलब्धि कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली और आर. वैशाली के नाम रही है।

भारतीय शतरंज के लिए ऐतिहासिक पल

दिव्या की यह जीत भारतीय शतरंज के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। कोनेरू हंपी को हराना आसान नहीं था, लेकिन दिव्या ने सूझबूझ और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया कि वह अब शीर्ष स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

बधाईयों का तांता

इस शानदार जीत के बाद सोशल मीडिया पर दिव्या को देशभर से बधाइयाँ मिल रही हैं। शतरंज प्रेमियों और विशेषज्ञों का मानना है कि दिव्या भविष्य में भारत के लिए और भी बड़े खिताब जीत सकती हैं।

ऋषभ पंत ओवल टेस्ट से बाहर जगदीशन को मिला मौका

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।
जैसा कि आशंका जताई जा रही थी, विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान उन्हें दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके चलते वह अब ओवल टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार देर रात आधिकारिक रूप से पंत के बाहर होने और तमिलनाडु के विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एन जगदीशन को पंत के स्थान पर टीम में शामिल करने की घोषणा की। पंत को यह चोट मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन उस समय लगी जब वह क्रिस वोक्स की गेंद पर स्कूप खेलने की कोशिश कर रहे थे और गेंद सीधे उनके जूते पर लगी। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया और उसी शाम उनके पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार पंत कम से कम छह हफ्तों के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे। हालांकि चोट गंभीर थी, लेकिन पंत ने सभी को चौंकाते हुए अगले दिन बल्लेबाज़ी फिर से शुरू की और अर्धशतक पूरा किया। हालांकि वह दूसरी पारी में बल्लेबाज़ी के लिए नहीं उतरे क्योंकि केएल राहुल और मध्यक्रम ने संघर्ष करते हुए भारत को ड्रॉ तक पहुंचाया। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद पंत की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने कहा, एक बात जो मैं जरूर कहना चाहूंगा, वह यह है कि इस टीम की असली बुनियाद और उसका चरित्र ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों के बलिदान से तैयार होगा। टूटी हुई टांग के साथ बल्लेबाज़ी करना कोई आम बात नहीं है। उन्होंने देश के लिए जो किया, वो आने वाली पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। गंभीर ने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह जिस फॉर्म में थे, उस दौरान चोटिल हो गए। लेकिन वह टेस्ट टीम का एक अहम हिस्सा हैं और हम उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही ठीक होकर वापस लौटेंगे। गौरतलब है कि चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को पहले ही कई चोटों का सामना करना पड़ा था। आकाश दीप (ग्रॉइन), अर्शदीप सिंह (उंगली) और नितीश रेड्डी (घुटने) घायल हो गए थे। जहां नितीश पूरे सीरीज़ से बाहर हो चुके हैं, वहीं आकाश दीप और अर्शदीप की वापसी ओवल टेस्ट के लिए हो चुकी है। पांचवें टेस्ट के लिए भारत की टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कांबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीशन (विकेटकीपर)।

डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब ने की दक्षिण भारत के सबसे बड़े पैरा खेल की घोषणा

हैदराबाद में आयोजित होगा समावेशी खेलों का महोत्सव, तेलंगाना खेल प्राधिकरण का मिला समर्थन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब (डीडीएससी) के बैनर तले स्पोर्ट्स विलेज ने 3 से 7 दिसंबर 2025 तक दक्षिण भारत के सबसे बड़े पैरा खेल आंदोलन की घोषणा की। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस (3 दिसंबर) के उपलक्ष्य में आयोजित होगा और समावेशी खेलों के साथ-साथ भारत की 2036 में ओलंपिक व पैरालंपिक खेलों की मेजबानी की महत्वाकांक्षा को समर्थन देगा।

तेलंगाना खेल प्राधिकरण का समर्थन

स्पोर्ट्स विलेज के मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर श्री मोहम्मद शम्सुद्दीन को तेलंगाना खेल प्राधिकरण (ड-ढऋ) की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सुश्री ए. सोनिबाला देवी, खऋड, से आज एक आधिकारिक बैठक में समर्थन और शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ। सुश्री सोनिबाला देवी के प्रोत्साहन ने क्षेत्र में पैरा एथलीटों को सशक्त बनाने के मिशन को मजबूती प्रदान की है। उनका समर्थन न केवल समावेशी खेल विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि भारत के 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ भी संरेखित है।

आयोजन के उद्देश्य

यह आयोजन निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करेगा:

ग्रामीण स्तर पर पैरा खेल प्रतिभाओं की खोज

स्कूलों और कॉलेजों में समावेशी खेल संस्कृति का निर्माण

आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त पैरा खेल श्रेणियों में भागीदारी को बढ़ावा देना

खेल और गतिविधियां

सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (खझउ) द्वारा मान्यता प्राप्त निम्नलिखित खेलों में प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनियां और प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित होंगी:

पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक और फील्ड), पैरा पावरलिफ्टिंग, व्हीलचेयर बास्केटबॉल, व्हीलचेयर रग्बी, व्हीलचेयर टेनिस, व्हीलचेयर फेंसिंग, टेबल टेनिस, पैरा बैडमिंटन, पैरा तीरंदाजी, ब्लाइंड फुटबॉल (5-ए-साइड), पैरा ताइक्वांडो, गोल बॉल (दृष्टिबाधित), पैरा जूडो आयोजकों ने भविष्य में और खेलों को शामिल करने की योजना बनाई है।

स्कूलों और संस्थानों के लिए निमंत्रण

स्पोर्ट्स विलेज ने तेलंगाना और दक्षिण भारत के स्कूलों, विशेष शिक्षा संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों और खेल अकादमियों को इस ऐतिहासिक मल्टी-स्पोर्ट पैरा आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

यह आयोजन प्रतिभा की खोज, आत्मविश्वास को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धी खेलों में समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

आयोजन का महत्व

यह आयोजन न केवल पैरा एथलीटों को प्रोत्साहित करने का अवसर है, बल्कि भारत में समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और 2036 ओलंपिक व पैरालंपिक की मेजबानी के लिए एक मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में फिर तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, पोलैंड में रचा इतिहास

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)।
पोलैंड के वीस्लाव चापिएव्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में भारत के तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। तेजस्विन ने रविवार को 7826 अंकों के साथ प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल किया और अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

इससे पहले उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में 7666 अंकों के साथ रजत पदक जीता था, जो कि भारत का राष्ट्रीय रिकॉर्ड था।

दो दिवसीय विश्व एथलेटिक्स कंबाइंड इवेंट्स टूर गोल्ड मीट के पहले दिन तेजस्विन ने शानदार शुरुआत की और 4292 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहे। उन्होंने 100 मीटर दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 11.02 सेकंड का समय निकाला। दूसरे दिन भी उन्होंने 110 मीटर हर्डल्स में 14.63 सेकंड के समय के साथ बढ़त बनाए रखी। हालांकि, डिस्कस थ्रो में 38.28 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के बावजूद वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। पोल वॉल्ट में 4.10 मीटर की छलांग के बाद वह छठे स्थान पर पहुंच गए, जो कि इस स्पर्धा में उनका पर्सनल बेस्ट भी है। लेकिन उन्होंने जेवलिन थ्रो (52.89 मीटर) और अंतिम स्पर्धा 1500 मीटर दौड़ में 4:31.80 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए जोरदार वापसी की और चौथे स्थान पर फिनिश किया। इस स्पर्धा में चेक गणराज्य के ओनद्रेज कोपेक्की (8254 अंक), विले स्ट्रास्की (8136 अंक) और एस्टोनिया के रिस्टो लिल्लेमेट्स (8107 अंक) क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

स्टोक्स और क्लेयर की लंबे डेटिंग के बाद हुई थी शादी

मैनचेस्टर। इंग्लैड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स शानदार बल्लेबाज और गेंदबाजी के अलावा अपनी लव मैरिज के लिए भी चर्चित रहे हैं। स्टोक्स ने एक स्कूल टीचर क्लेयर रैटक्लिफ से शादी की है। क्लेयर शादी से पहले से ही से ही स्टोक्स की प्रशंसक थी। स्टोक्स और क्लेयर की पहली मुलाकात साल 2010 में हुई थी। तब स्टोक्स क्रिकेटर के रुप में अपना करियर बनाने का प्रयास कर रहे थे। क्लेयर ने शुरूआत से ही उनका समर्थन किया। लंबी डेटिंग के बाद साल 2013 में स्टोक्स ने क्लेयर को शादी का प्रस्ताव दिया। दोनों ने अक्टूबर 2017 में शादी की। उनकी शादी में जो रूट, जॉस बटलर और ऑयन मॉर्गन भी शामिल हुए थे। इस शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरन हुई थीं। स्टोक्स और क्लेयर के दो बच्चे भी हैं। क्लेयर भी सोशल मीडिया पर सक्रिय रही हैं और अपने परिवार की तस्वीरें साझा करती रहती हैं। साल 2017 में स्टोक्स कानूनी समस्याओं में फंस गये थे। इस कठिन समय में क्लेयर ने उनका हौंसला बनाये रखा।

टीसीएस करेगी 12,000 कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली,28 जुलाई (एजेंसियां)। देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अगले साल अपने वैश्विक वर्कफोर्स में से करीब 2 प्रतिशत (लगभग 12,000 कर्मचारी) कम कर सकती है। कंपनी के इस फैसले के पीछे तेजी से बदलती तकनीक, खासतौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नए ऑपरेटिंग मॉडल्स की ओर बढ़ता रुझान है। टीसीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी कहा कि कंपनी काम करने के अपने तरीके में बदलाव कर रही है और बड़ी संख्या में एआई का उपयोग कर रही है। इसके साथ ही भविष्य की जरूरतों के अनुसार स्किल्स का मूल्यांकन किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ भूमिकाएं ऐसी हैं जो अब भविष्य में जरूरी नहीं रहेंगी, इसलिए यह फैसला लेना अनिवार्य हो गया है। कंपनी में जून 2025 तक कुल 6.13 लाख कर्मचारी कार्यरत थे। यदि 2 प्रतिशत की छंटनी होती है, तो यह करीब 12,000 कर्मचारियों पर असर डालेगी। यह छंटनी खासतौर पर मिड और सीनियर लेवल के कर्मचारियों पर केंद्रित होगी। हाल ही में टीसीएस ने अपनी बेंच नीति में भी बदलाव किया है। अब कर्मचारियों को साल में कम से कम 225 दिन बिल योग्य रहना होगा और बेंच टाइम 35 दिन से कम रखना जरूरी होगा।

सूरत में विनफास्ट ने खोला पहला इलेक्ट्रिक कार शोरूम

नई दिल्ली। वियतनाम की प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी विनफास्ट ने भारत में अपने खुदरा कारोबार की शुरुआत गुजरात के सूरत से की है। कंपनी ने यहां अपना पहला शोरूम विनफास्ट सूरत लॉन्च किया है, जो शहर के पिपलोड क्षेत्र में स्थित है। यह शोरूम चंदन कार्स द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो भारत के ऑटोमोबाइल रिटेल क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम है। यह लॉन्च ऐसे समय पर हुआ है जब विनफास्ट 4 अगस्त 2025 को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में अपने पहले भारतीय मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन करने जा रही है। लगभग 16,700 करोड़ (2 अरब डॉलर) की लागत से बन रहा यह प्लांट भारत में कंपनी की दीर्घकालिक योजना का प्रतीक है। सूरत में खुला यह शोरूम करीब 3,000 वर्ग फुट में फैला है और यहां कंपनी की आगामी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी, वीएफ6 और वीएफ7 को प्रदर्शित किया गया है। ग्राहक यहां गाड़ियों को देखने के साथ-साथ टेस्ट ड्राइव, खरीद और आफ्टर-सेल्स सर्विस का अनुभव भी ले सकते हैं। इन मॉडलों की प्री-बुकिंग 15 जुलाई से शुरू हो चुकी है, जिसकी राशि 21,000 (पूरी तरह रिफंडेबल) रखी गई है।

न्यूज़ब्रीफ

हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 5 अगस्त से खुलेगा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश स्थित टोलवे ऑपरेटर और ईपीसी इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ निवेश के लिए 5 अगस्त से खुलेगा और 7 अगस्त को बंद होगा। इस पब्लिक इश्यू का प्राइस बैंड 70 प्रति शेयर तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 25 के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, जिससे लगभग 35.71 फीसदी लिस्टिंग गेन की संभावना बनती है। आईपीओ में 97.5 करोड़ मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे। एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 4 अगस्त को खुलेगा और शेयरों का आवंटन 8 अगस्त को फाइनल होगा। कंपनी के शेयर 12 अगस्त से स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे। हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का मुख्य कारोबार टोलवे कलेक्शन, ईपीसी प्रोजेक्ट्स और रियल एस्टेट से जुड़ा है। मई 2025 तक कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 666.3 करोड़ की रही, जिसमें से 606.8 करोड़ ईपीसी सेगमेंट और 59.5 करोड़ टोलवे बिजनेस से आए। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय में 77 फीसदी हिस्सा टोलवे कलेक्शन और 21 फीसदी ईपीसी से आया।

सोशल मीडिया और ट्रेडिंग से कमाने वालों के लिए आईटीआर नियम बदले

मुंबई। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर-3 और आईटीआर-4 फॉर्म में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब सोशल मीडिया, स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग और कमीशन जैसे डिजिटल या असंगठित क्षेत्रों से कमाई करने वालों को अपनी आय नए प्रोफेशनल कोड्स के तहत दिखानी होगी। इसका उद्देश्य टैक्स प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर चोरी पर लगाम लगाना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नया कोड 16021 निर्धारित किया गया है। ऐसे व्यक्ति, जो यूट्यूब, इंस्टाग्राम या ब्लॉगिंग जैसे प्लेटफॉर्म से कमाई करते हैं, उन्हें अपनी आय इसी कोड के तहत दिखानी होगी। यदि वे अनुमानित आय योजना का लाभ लेना चाहते हैं, तो उन्हें आईटीआर-4 फॉर्म और धारा 44एडीए के तहत रिटर्न भरना होगा। इसी तरह शेयर बाजार और डेरिवेटिव्स में व्यापार करने वालों के लिए भी अलग कोड जारी किए गए हैं- एफएंडओ ट्रेडिंग: 21010, कैपिटल मार्केट ट्रेडिंग: 21011, सट्टा कारोबार: 21009 और कमीशन एजेंट: 09029। एफएंडओ या शेयर ट्रेडिंग करने वालों को अब आईटीआर-3 फॉर्म में अपनी पूरी आय, खर्च और लाभ-हानि की जानकारी देनी होगी। पहले टैक्सपेयर्स सामान्य कोड का उपयोग करते थे, जिससे आय के स्रोतों को समझना मुश्किल होता था। नए कोड्स से न केवल करदाताओं की सही श्रेणी तय होगी, बल्कि टैक्स विभाग के लिए भी डिजिटल आय की निगरानी करना आसान होगा।

छग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगेंगे 4,000 बीएसएनएल टावर

रायपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं दूरसंचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने बताया कि सरकार छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरदराज के इलाकों में डिजिटल संचार को मजबूत करने के लिए 4,000 नए मोबाइल टावर लगाने की योजना पर काम कर रही है। यह टावर सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल द्वारा स्थापित किए जाएंगे। मंत्री चंद्रशेखर तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं, जहां उन्होंने आकांक्षी जिला कार्यक्रम सहित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों और वन विभाग से आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद टावरों की स्थापना चरणबद्ध ढंग से की जाएगी। उन्होंने कहा बीएसएनएल देशभर में उच्च गुणवत्ता की 4जी सेवाएं प्रदान कर रही है। इन नए टावरों के माध्यम से हम देश के अंतिम गांव तक डिजिटल संपर्क पहुंचाने के मिशन को गति दे रहे हैं। मंत्री ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य 'मिशन मोड' में किए जा रहे हैं और सरकार का उद्देश्य है कि हर घर तक जरूरी सेवाएं पहुंचे। इसके तहत स्कूलों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है जिससे छात्रों को जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा को ...

नड्डा के नेतृत्व में या नड्डा के जरिए भाजपा नेतृत्व ने भाजपा को अत्यधिक केंद्रीकृत कर दिया है और चौकड़ी के बाहर खड़े नेताओं के लिए बहुत कम जगह बची है। नड्डा के आत्मसुहाती बयान पर तब कटाक्ष भी हुआ था कि संघ भाजपा की मां की तरह है लेकिन आज भाजपा अपनी मां को ही आंखें दिखाने लगी है।

भौंडा बयान देने वाले नड्डा या बयान दिलवाने नेताओं को यह याद नहीं रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ही राजनीति में आने से पहले संघ के प्रचारक थे। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी संघ के प्रचारक रहे थे। पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने भी कहा था कि अगर उनके भीतर कोई गुण है तो वह इसका श्रेय संघ को ही देते हैं। लेकिन भाजपा इतनी निरंकुश और उद्दंड हो गई कि संघ पर आंखें तरेरने लगी।

आप कुछ महत्वपूर्ण बयान देखिए। 1980 जब भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई उसके ठीक दो हफ्ते बाद पार्टी के प्रथम महासचिव लालकृष्ण आडवाणी ने गुजरात यूनिट के पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ अपना संबंध कभी नहीं तोड़ेगी। वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी ने न्यूयॉर्क में कहा था, मैं आज प्रधानमंत्री हो सकता हूं, कल नहीं हो सकता लेकिन एक चीज जो मुझसे कोई नहीं छीन सकता, वह है मेरा स्वयंसेवक होना। उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने भी सार्वजनिक मंच से कहा था, अगर मुझमें कोई सराहनीय गुण है, तो मैं इसका श्रेय आरएसएस को देता हूं। 2007 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा था, मैं मूल रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक हूं। हमें राष्ट्र के लिए सोचने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। यह मेरी आरएसएस की परवरिश है। वही परवरिश मुझे जो भी काम सौंपा जाता है उसे अच्छे से करने में सक्षम बनाती है। संघ परिवार मेरी शाश्वत शक्ति है। आडवाणी, अटल और मोदी के इन बयानों को सामने रख कर नड्डा के उद्दंडता से भरे बयान देखें तो भारतीय जनता पार्टी की स्खलन-यात्रा आपको साफ-साफ दिखेगी।

लोकतांत्रिक भाजपा कितनी लोकतांत्रिक रह गई, इसका भी जायजा लेते चलें। लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम आने के बाद क्या आपको याद है कि नरेंद्र मोदी भाजपा संसदीय दल के नेता कैसे चुने गए? जब चुने ही नहीं गए तो आपको याद कैसे आएगा। संसदीय दल का नेता चुने बगैर नरेंद्र मोदी एनडीए के नेता बनकर प्रधानमंत्री बन गए। 1980 से 2020 के बीच यानी 40 साल के दौरान भाजपा का नेतृत्व कभी भी ऐसे पार्टी अध्यक्ष ने नहीं किया, जो कभी अपने करियर के शुरुआती दौर में संघ या उसके सहयोगियों से जुड़ा न रहा हो। जेपी नड्डा के रूप में भाजपा को ऐसा ही राष्ट्रीय अध्यक्ष मिला, जिसने अपनी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति उद्दंडता दिखाई, इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने उसे अपने सिर पर बिठा रखा है।

कांग्रेस बताए...

देश में 2004 से 2014 तक आतंकवाद पनपा है। आतंक को पनाह दिया गया। 2004 से 2014 तक आतंकी घटनाओं में 615 लोग मारे गए। हजारों लोग घायल हुए। आप पूछ रहे हैं कि पहलगाम में आतंकी कैसे घुसे। मुंबई के 26/11 हमले में दहशतगर्द कहां से आए थे? आपको यह बताना चाहिए था। आपमें तो आतंकवाद से लड़ने की न तो हिम्मत थी, न कार्रवाई करने का दम। आप बस घड़ियाली आंसू बहाते थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आतंकवाद को पनपने दिया। यूपीए में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने का साहस नहीं था। आप खानापूर्ति करते और घड़ियाली आंसू बहाते थे। मुंबई की घटना के मुख्य सूत्रधार को आप नहीं ला सके। भाजपा उसको भारत में लाई। भारत ने पहलीबार आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का काम 2016 में शुरू हुआ। प्रधानमंत्री ने आतंकियों को घर में घुसकर मारने का संकल्प लिया और काम शुरू किया। उरी के बाद हमने सर्जिकल स्ट्राइक की। पुलवामा हमले के बाद मोदी सरकार ने एयर स्ट्राइक की। कांग्रेस मोदी जी को सिखा रही है। कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ कितनी लड़ाई लड़ी? कांग्रेस ने तो कभी कुछ किया ही नहीं। देश की एकता और अखंडता से मजाक मत करो।

ललन सिंह ने कहा कि यूपीए के किसी प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को नेस्तनाबूद करने का संकल्प नहीं लिया। ये प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प था। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी विदेश यात्रा स्थगित करके देश वापस लौटे। 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के मधुबनी से कहा था कि भारत इसका जवाब कल्पना से परे पाकिस्तान को देगा। उन्होंने पूरी दुनिया को संदेश दिया कि हम आतंकवाद के आगे झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने समय, तारीख और कार्रवाई करने के लिए सेना को खुली छूट दी। सात मई को हमारी सेना ने आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इसके बाद आतंकियों के आका रो रहे थे। हमने संदेश दिया कि हम आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। कांग्रेस के गोगोई ने एक बार फिर भी पाकिस्तान की आलोचना नहीं की। कांग्रेस वोट की राजनीति करती है और पीएम मोदी देश के लिए राजनीति करते हैं।

राजीव रंजन सिंह ने कहा कि यह कांग्रेस की दुष्प्रचार रणनीति है, सच नहीं है। आप कहते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में युद्ध बंद किया, यह सच नहीं है। भारत अपना निर्णय स्वयं करता है। भारत ऐसा करने में सक्षम है। कांग्रेस को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता दिखाई नहीं पड़ी। पूरी दुनिया और देश ने ऑपरेशन सिंदूर को सराहा। हमारे देश की विपक्षी पार्टी इस लड़ाई में सरकार के साथ नहीं रही। कांग्रेस दलगत राजनीति से ऊपर उठे। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि भारत की सेना ने पाकिस्तान के पूरी रक्षा प्रणाली और 11 एयरबेस को ध्वस्त कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को पूरे देश ने देखा। मगर विपक्ष को यह नहीं नजर आई। यह देश का दुर्भाग्य है। प्रधानमंत्री जी बोलते नहीं हैं, वे सीधा कार्रवाई करते हैं और अपनी ताकत दिखाते हैं।

राजीव रंजन सिंह ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान में नागरिक ठिकानों पर हमला नहीं किया। बाद में पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों, एयरबेस और नागरिक ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। हमारे देश में निर्मित रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइलों को ध्वस्त कर दिया। हमने पाकिस्तान की मिसाइल हवा में फुलझड़ी की तरह ध्वस्त कर दीं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारा कोई जहाज नहीं गिरा।

भारत अपनी...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया, पाकिस्तान के सैन्य ऑपरेशन के महानिदेशक (डीजीएमओ) ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया और सैन्य कार्रवाइयों रोकने की अपील की। उन्होंने कहा, मैं सदन में यह बात फिर से दोहराना चाहूंगा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया और सैन्य कार्रवाइयां को रोकने की अपील की। इसके बाद 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच औपचारिक संवाद हुआ और दोनों पक्षों ने सैन्य कार्रवाइयों पर विराम लगाने का निर्णय लिया।

राजनाथ ने कहा, साल 2017 में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में पहली बार आतंकवाद से लश्कर ए तैयबा और जैशे मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों को जोड़ा गया। हमने दुनिया को बताया कि आतंकवाद के खिलाफ हम सरहद के इस पार भी मारेंगे और जरूरत पड़ी तो आतंकियों के घर में भी घुस कर मारेंगे। यह बदलाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आया है। उन्होंने कहा, अभी कुछ समाह पहले मुझे एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में मुझे चीन जाना पड़ा था। वहां आतंकवाद पर भारत का स्टैंड कमजोर हो रहा था। हमने साफ कह दिया कि जब तक आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का स्टैंड नहीं रखा जाएगा हम किसी संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। जब प्रधानमंत्री ब्रिक्स की बैठक में ब्राजील गए तो चीन की मौजूदगी में जो ज्वाइंट डेक्लेरशन आया उसमें जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की निंदा की गई, यानि अंततः भारत की बात मानी गई। ब्रिक्स सम्मेलन के इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर में हुई किसी आतंकी घटना की खुल कर निंदा की गई।

2008 के मुंबई आतंकी हमले का जिक्र कर रक्षा मंत्री ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान विदेश मंत्री रहे प्रणब मुखर्जी की किताब का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, प्रणब मुखर्जी ने अपनी पुस्तक द कोएलिशन ईयर्स में लिखा है कि जब मुंबई पर हमला हुआ तो भारत के पास सबूत थे कि आतंकवादी कराची बंदरगाह से आए थे। पाकिस्तान नॉन-स्टेट एक्टर्स का बहाना बना रहा था, जिसे पूरी दुनिया में उसके सहयोगी भी मानने को तैयार नहीं थे। किताब के अंश को उद्धृत कर राजनाथ सिंह ने कहा, प्रणब मुखर्जी ने लिखा है, कैबिनेट के भीतर गरमागरम बहस के बीच, सैन्य हस्तक्षेप की मांग की गई थी जिसे मैंने खारिज कर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा, भारतीय विदेश सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी अपनी किताब में इस बात की पुष्टि की है कि मुंबई हमले के तुरंत बाद एक उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। इसमें तत्कालीन विदेश मंत्री प्रणब दा ने पूछा था कि क्या किया जाना चाहिए। इस पर विदेश सचिव शिवशंकर मेनन ने सुझाव दिया था कि भारत मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय पर क्रूज मिसाइल से हमला कर सकता है। यह सुनकर प्रणब दा ने अपना चश्मा उतारकर साफ किया और सभी अधिकारियों को धन्यवाद देकर बैठक समाप्त कर दी थी।

रक्षा मंत्री ने कहा, उस समय की सरकार ने भी अगर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की एयर स्ट्राइक जैसे निर्णायक और कठोर कदम उठाए होते तो पाकिस्तानी रणनीति बदल सकती थी। एक सशक्त और निर्णायक एक्शन, पाकिस्तान और उसकी सेना से समर्थित आतंकी संगठनों को हतोत्साहित करने वाला बड़ा झटका साबित हो सकता था।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में इसी साल 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 6-7 मई की दरम्यानी रात ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। पाकिस्तानी सीमा के भीतर दहशतगर्दों के पनाहगाह को नेस्तनाबूद करने के बाद भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को बेनकाब किया। शिष्टमंडलों ने अल्जीरिया, डेनमार्क, ब्रिटेन, इथियोपिया, फ्रांस, इटली जैसे देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रखा। ग्रीस, बहरीन, कतर, रूस, जापान और यूएई जैसे देशों में भी दहशतगर्दों के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति बताई गई। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कूटनीतिक मुहिम के तहत अलग-अलग दलों में शामिल 51 सांसदों के अलावा कई राजनयिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री और राजनयिकों ने पाकिस्तानी दुष्प्रचार को धराशाई किया। अब संसद के मानसून सत्र में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत चर्चा हुई।

पहलगाम...

मुठभेड़ दिन में 11:30 बजे शुरू हुई। 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा रेजिमेंट ने आतंकियों को घेर लिया और मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में मारे गए आतंकी सुलेमान शाहा को स्थानीय मीडिया हासिम मूसा बता रहा है, जो पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था। इसकी आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी है। आतंकियों के पास से एक एम4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल और दो एके सीरीज की राइफलें समेत भारी मात्रा में गोलियां और ग्रेनेड बरामद हुए हैं। ऑपरेशन अभी जारी है। एक अन्य आतंकी की तलाश चल रही है।

फिर हम ...

हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिए। 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले आगामी एशिया कप 2025 के मद्देनजर उनका यह बयान अहम है। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर एक ही ग्रुप में हैं।

उन्होंने अपील करते हुए कहा कि भारत के लिए पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना अनुचित होगा, जिसने भारत को कई बार घायल किया है। दरअसल, एशिया कप टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। चूंकि, भारत और श्रीलंका में 2026 में होने वाले विश्व कप टी-20 प्रारूप में होगा, इस वजह से इस बार एशिया टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि मैं ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सेना के पराक्रम को नमन करता हूं। पहलगाम में 22 अप्रैल को एक भी जवान क्यों नहीं था? जांच यहां से शुरू होनी चाहिए। उस दिन सारे जवान कहां गए थे? वहां से पाकिस्तान कितना दूर है? पहलगाम से पहले भी कुछ आतंकी हमले हुए हैं। हाल ही में मुंबई हमले के आरोपियों को हाईकोर्ट को रिहा कर दिया। इससे साफ है कि हम आज तक आतंकी पकड़ नहीं पाए हैं। पहलगाम आतंकी हमलों और ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए सावंत ने आश्चर्य जताया कि जब पड़ोसी देश घुटनों के बल बैठकर युद्धविराम की भीख मांग रहा था, तो भारत ने बिना कोई शर्त लगाए उसके साथ युद्ध क्यों रोक दिया? उन्होंने कहा, अगर भारत मजबूत स्थिति में था, तो उसे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने से किसने रोका था? उन्होंने आगे कहा कि यह पाकिस्तान को वैसा ही सबक सिखाने का सही समय है जैसा इंदिरा गांधी ने 1971 के युद्ध के दौरान सिखाया था। सावंत ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, तब एक भी देश भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ था, जबकि चीन और तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि भारत के विरोध के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कर्ज में डूबे पड़ोसी देश को ऋण स्वीकृत कर दिया है।

बिहार में...

आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अदालत का ही आदेश है कि आधार कार्ड नागरिकता की पहचान का दस्तावेज नहीं है।संसद परिसर में सुबह विपक्षी सांसदों ने एसआईआर रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया। विपक्ष लगातार वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ बोल रहा है। बिहार में इस मसले पर महागठबंधन ने बंद का भी आयोजन किया था जिसमें राहुल गांधी भी गए थे। इन दलों का कहना है कि चुनाव आयोग वोटरों का नाम काटने के लिए भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। चुनाव आयोग ने विपक्ष के तमाम नेताओं के ट्वीट और बयान का लगातार खंडन किया है।

चुनाव आयोग ने रविवार को बताया था कि बिहार के 7.89 करोड़ मतदाताओं में 7.24 करोड़ वोटरों ने गणना फॉर्म भरकर जमा कर दिया है। यह संख्या 91.69 प्रतिशत है। इस प्रक्रिया में 22 लाख मृत वोटर मिले जो 2.83 फीसदी थे। 36 लाख मतदाता दूसरे राज्य में बस गए हैं जो 4.59 परसेंट हैं। 7 लाख लोग ऐसे भी मिले जो एक से अधिक मतदान केंद्र पर मतदाता सूची में दर्ज थे। ये लोग 0.89 फीसदी निकले। ये सब मिलाकर 100 फीसदी यानी 7.89 करोड़ बनता है। चुनाव आयोग ने इसे पूरा तरह सफल अभियान बताया है। 1 अगस्त को आयोग ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी करेगा, जिस पर आपत्ति और दावा के जरिए छूटे नाम निर्धारित फॉर्म भरकर जोड़े जा सकेंगे या गलत नाम को हटाया जा सकेगा।

सरकारों के...

वृद्धि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 2.0 प्रतिशत के साथ 11 तिमाहियों के निचले स्तर पर आ गई, जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 4.0 प्रतिशत थी, तिमाही के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश के कारण बिजली उत्पादन और खनन उत्पादन में कमी आई।

विनिर्माण क्षेत्र में, 23 उद्योग समूहों में से 15 ने जून 2025 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तुओं के सेगमेंट में वृद्धि जून 2025 में घटकर 3.5 प्रतिशत रह गई, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 3.6 प्रतिशत थी। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (या सफेद वस्तुओं के उत्पादन) की वृद्धि दर समीक्षाधीन माह के दौरान धीमी होकर 2.9 प्रतिशत रह गई। जून 2024 में यह वृद्धि दर 8.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जून 2025 में उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन 0.4 प्रतिशत घट गया, जबकि एक वर्ष पहले इसमें एक प्रतिशत की गिरावट आई थी। बुनियादी ढांचे/निर्माण क्षेत्र में जून 2025 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि एक वर्ष पूर्व की समान अवधि में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि से कम है।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन जून 2025 में 3 प्रतिशत घट गया, जबकि एक वर्ष पहले इसमें 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मध्यवर्ती वस्तुओं के क्षेत्र में विस्तार इस महीने में 5.5 प्रतिशत रहा, जबकि एक वर्ष पहले इसी माह में यह 3.2 प्रतिशत था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 29 जुलाई, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
गो माता की महिमा - वेदों का सार
वेद बिना मति नहीं
गाय बिना गति नहीं
नित्य गोसेवा करें...
Scan for Donation
जय गो माता - जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

बोल बम के जयकारों के साथ निकली 28वीं भव्य कांवड़ यात्रा

चारमीनार से नरसिंगी तक उत्साहपूर्ण यात्रा में 1,251 कांवड़ियों ने लिया हिस्सा

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान भोलेनाथ के जयकारों और भक्ति भजनों की गूंज के साथ भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ, हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में 28वीं गंगाजल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा चारमीनार स्थित श्री महादेव मंदिर से शुरू होकर नरसिंगी चौराहे के ओम कन्वेंशन तक पहुंची। पारंपरिक वेशभूषा में सजे 1,251 कांवड़ियों सहित असंख्य भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मार्ग में विभिन्न संस्थाओं ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया।

यात्रा का शुभारंभ और मार्ग

यात्रा का शुभारंभ चारमीनार के श्री महादेव मंदिर में भव्य पूजा-अर्चना के साथ हुआ। भजनों, डीजे और झांकियों के साथ कांवड़िए बोल बम के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। यात्रा घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, महाराणा प्रताप चौराहे के भूलक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार, फेड़िया भवन, और सीतारामबाग के द्रौपदी गार्डन में पहले पड़ाव तक पहुंची।

अल्पाहार के बाद यात्रा लंगर हाउस रोड के सुगना गार्डन में दूसरे पड़ाव के लिए रुकी। दोपहर के भोजन के बाद, विभिन्न मार्गों से होते हुए यात्रा नरसिंगी चौराहे के ओम कन्वेंशन में अंतिम पड़ाव पर पहुंची, जहां रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई थी।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, गोशामहल विधायक श्री टी. राजा सिंह, भाजपा नेता श्री गोविंद राठी, भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पुजारी श्री वाई. बाबू गुरु, सेवानिवृत्त आईपीएस डॉ. सी. एन. गोपीनाथ रेड्डी, डीसीपी साउथ जोन सुश्री स्नेहा मेहरा, मंगलहाट पार्षद श्री लाल सिंह, भाग्यलक्ष्मी मंदिर की सुश्री शशिकला, बेगम बाजार पार्षद श्री शंकर यादव, जामबाग पार्षद श्री राकेश जायसवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता सुश्री मेघरानी अग्रवाल, श्री उमेश सिंघानिया, बीआरएस नेता सुश्री शांति देवी, पूर्व पार्षद सुश्री रेशु सोनी, भाजपा नेता सुश्री नित्या पारीक, एमएसएसएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद माघछ, भाजपा नेता श्री अविनाश देवड़ा, तेलंगाना के डीजीपी श्री जितेंद्र, आईपीएस श्री अनिल बुरमार, पूर्व विधायक श्री प्रेम सिंह राठौड़, गनफाउंड्री पार्षद सुश्री सुनीता ओम प्रकाश बेसावा, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सचिव डॉ. भगवंत राव, शिव मंदिर गौशाला के अध्यक्ष श्री अमित अग्रवाल, एसीपी चारमीनार श्री पी. मंदरशेखर, और महाकालेश्वर मंदिर के चेयरमैन श्री गजुला अंजय्या उपस्थित थे। संघ के पदाधिकारियों ने अतिथियों का शॉल और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

सहयोगी और स्वागतकर्ता

यात्रा के प्रमुख सहयोगियों में श्री बालाजी भक्त मंडल हैदराबाद, श्री अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा, श्री तरसेम सेवा समिति, श्री राज मित्र मंडल मल्लापुर, भाग्यनगर शिव भक्त मंडल (तेलंगाना), और कई अन्य व्यक्ति और संगठन शामिल थे। मार्ग में स्वागत करने वालों में कडेल परिवार रिकाबगंज, गौ सेवा मित्र मंडल खोकरवाड़ी, अग्रवाल समाज घांसी बाजार शाखा, हिंदू धर्मप्रेमी भाग्यनगर चारकमान, झींगा परिवार, किकाण परिवार, गौ सेवा ट्रस्ट इंडिया, कान्य कुब्ज ब्राह्मण समाज, वीर हनुमान भक्त मंडल सिटी कॉलेज, और अन्य संस्थाएं शामिल थीं।

शिव भंडारा और महा जागरण

ओम कन्वेंशन में शिव भंडारा और शिव महा जागरण का आयोजन किया गया। भाग्यनगर के प्रसिद्ध भजन गायक श्री सागर व्यास, दिल्ली के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री शीतल पांडे, और मध्य प्रदेश के श्री सनी चढ़ा (जूनियर लक्खा सिंह) ने भगवान भोलेनाथ के भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध किया।

गंगाजल अभिषेक

28 जुलाई को ब्रह्म मुहूर्त में हरिद्वार के हर की पौड़ी से लाए गए गंगाजल से कांवड़ियों और शिव भक्त परिवारों ने भगवान शंकर का अभिषेक किया। अभिषेक के बाद भक्तों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी।

संघ के पदाधिकारी

यात्रा के आयोजन में संघ के अध्यक्ष श्री मांगेराम तायल, उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र अयुबाल और श्री सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री चपालाल बैद, महामंत्री श्री कमल किशोर मालानी, सह मंत्री श्री ललित कडेल, महिला अध्यक्ष सुश्री रूबी मिश्रा, महिला उपाध्यक्ष सुश्री मीनू गुप्ता, यात्रा संयोजक श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, श्री सुरेश जगनानी, श्री विजय कुमार अग्रवाल, सह-प्रसार मंत्री श्री पंकज वर्मा, यात्रा प्रबंधक श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, श्री मनीष किकन, श्री अभिनव अग्रवाल, श्री भरत अग्रवाल, श्री कुणाल गोयल, श्री संदीप मिश्रा, श्री भरत छाबरिया, डॉ. अहिल्या मिश्रा, सुश्री पुष्पा वर्मा, सुश्री भावना किकन, सुश्री पुनीता सोनी, सुश्री सोनाली वर्मा, सुश्री शिखा अग्रवाल, सुश्री किरण कडेल, सुश्री महिमा वैद, सुश्री रिंकू सोनी, सुश्री पूर्वा अग्रवाल, सुश्री अमृता अग्रवाल, सुश्री रूची मिश्रा, और अन्य ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री जगन्नाथ मठ में माता गोदम्बा जी का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया गया

विल्लीपुत्तुर की पौराणिक कथा और धनुर्मास की महत्ता पर जोर

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा में माता श्री गोदम्बा जी का प्राकट्योत्सव (तिरुनक्षत्र दिवस) भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मठ में भक्तों ने पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और आरती के साथ माता गोदम्बा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। माता गोदा, जिन्हें अंडाल माता और गोदम्बा माता के नाम से भी जाना जाता है, ने भक्तों को भगवत भक्ति और सक्रिय जीवनशैली का मार्ग दिखाया।

माता गोदा की कथा और धनुर्मास का महत्व

माता गोदम्बा जी का प्राकट्य तमिलनाडु के विल्लीपुत्तुर में हुआ था। वहां विष्णुचित्त स्वामी, एक वैष्णव ब्राह्मण, भगवान श्रीरंगनाथ की भक्ति में लीन थे। उन्होंने प्रतिदिन तुलसी की माला भगवान को अर्पित करने का संकल्प लिया था। एक दिन तुलसी के उपवन में उन्हें एक बालिका के रूप में माता लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ, जिसे उन्होंने भगवान का प्रसाद मानकर स्वीकार किया और उनका नाम गोदा रखा।

माता गोदा ने धनुर्मास में भगवान की भक्ति का विशेष संकल्प लिया। धनुर्मास, जब सूर्य धनु राशि में प्रवेश करता है, भक्ति और जप के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश, छेदन और मुंडन जैसे कार्य वर्जित हैं, लेकिन भगवान का जप और भक्ति पूर्णतः स्वीकार्य है। माता गोदा ने विल्लीपुत्तुर में संगोष्ठी आयोजित कर भक्तों को भगवत भक्ति का मार्ग दिखाया। उन्होंने 12 वर्ष की आयु में श्रीरंगनाथ मंदिर में भगवान के समक्ष धनुर्मास का व्रत लिया और 108 खीरे का भोग अर्पित कर भगवान के साथ विवाह उत्सव मनाया। उनकी कथा त्याग, भक्ति और संकल्प की प्रेरणा देती है।

मठाधिपति का आशीर्वाद

श्री जगन्नाथ मठ के मठाधिपति, आचार्य श्री अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी ने कथा के माध्यम से भक्तों को त्याग, संकल्प और भगवान की पूजा-अर्चना का महत्व समझाया।

उन्होंने सभी उपस्थित भक्तों को आशीर्वाद दिया और उनके उत्साह की सराहना की। इस अवसर पर मठ ने वेद पाठशाला के बटुक ब्राह्मणों को उनके आराम के लिए गद्दे प्रदान किए।

भक्तों की सहभागिता

प्राकट्योत्सव में लव फॉर काऊ के जसमत भाई पटेल, रिद्धिश जागीरदार, कुलदीप व्यास, भरत कलंत्री, जयश्री देवड़ा, राजीव वर्मा, सागर दाईमा, गोविंद राठी, सरस्वती बाई राठी, गोवर्धन राठी, करुणा कांता बाई अग्रवाल, विद्यालय के गुरु, वेद पाठशाला के बटुक ब्राह्मण और असंख्य भक्तों ने हिस्सा लिया। सभी ने माता गोदम्बा जी की आरती, पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन में भाग लिया।

आयोजन का उद्देश्य

यह आयोजन माता गोदम्बा जी की भक्ति और उनके द्वारा दिखाए गए भगवत मार्ग को जीवंत करता है।

मठाधिपति ने भक्तों से आह्वान किया कि वे माता के जीवन से प्रेरणा लेकर भक्ति, त्याग और संकल्प के साथ जीवन जिएं। यह उत्सव न केवल भक्ति का प्रतीक है, बल्कि समुदाय को एकजुट करने का भी माध्यम है।

ईसीआईएल में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए नेतृत्व और मेंटरिंग प्रशिक्षण आयोजित

तीन माह तक चला प्रशिक्षण, कॉरपोरेशन की कार्य संस्कृति को सशक्त बनाने पर जोर

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद में वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक स्तर के अधिकारियों के लिए 'लीडरशिप और मेंटरिंग' विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ इफेक्टिव एस्पायरिंग लीडरशिप (सील), चेन्नई के संस्थापक और सीईओ श्री गोपालदेशिकण देशिकामणि द्वारा तीन माह तक प्रत्येक माह तीन दिन की अवधि के साथ संचालित किया गया।

दीक्षांत समारोह में विशेषज्ञों के विचार

कार्यक्रम के दीक्षांत समारोह में ईसीआईएल के निदेशक (तकनीकी) और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डॉ. अनीश कुमार शर्मा ने बदलते वैज्ञानिक युग में नेतृत्व और मेंटरिंग की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमें ईसीआईएल को एक उत्कृष्ट संस्थान बनाने की दिशा में युवा अधिकारियों को मेंटर करके एक सशक्त टीम का निर्माण करना चाहिए। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री सी. मुर-लीधर भी उपस्थित थे।प्रशिक्षक श्री गोपालदेशिकण देशिकामणि ने अपने संबोधन में कहा, नेतृत्व और मेंटरिंग एक सतत प्रक्रिया है, जिसके लिए निरंतर अभ्यास और अधीनस्थ अधिकारियों के साथ समन्वय आवश्यक है। सहानुभूति (सिम्पैथी) को स्वानुभूति (इम्पैथी) में बदलना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दृष्टिकोण परिवर्तन ही मानव संसाधन को उत्कृष्ट और सशक्त बना सकता है।

प्रशिक्षण की प्रभावशीलता पर सर्वेक्षण

कॉरपोरेट प्रशिक्षण और विकास केंद्र के प्रबंधक एवं प्रभारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने प्रशिक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम ईसीआईएल की कार्य संस्कृति को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए विभिन्न प्रभागों के अधिकारियों के बीच सर्वेक्षण किया गया, जिसमें प्रशिक्षण की उपयोगिता को रेखांकित किया गया। डॉ. अवस्थी ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न प्रभागों के प्रतिभागियों ने भी प्रशिक्षण की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता पर अपने विचार साझा किए।

प्रशिक्षण के सफल आयोजन में सुश्री जंगम विद्या (उप प्रबंधक), श्री आर. स्वामी (उप अधीक्षक), श्री बी. विद्यासागर (अवर श्रेणी लिपिक), और कॉरपोरेट लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर (सीएलडीसी) के प्रशिक्षु सुश्री वर्षिणी, सुश्री कृष्णावेनी, श्री चरण, और श्री सृजन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ईसीआईएल के अधिकारियों को नेतृत्व और मेंटरिंग के माध्यम से संस्थान की प्रगति और कार्य संस्कृति को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2025 : भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैराथन 23 और 24 अगस्त को

रिकॉर्ड 28,000 पंजीकरण, 1.29 करोड़ रुपये चैरिटी के लिए एकत्र

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी, एनएमडीसी लिमिटेड, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और तेलंगाना सरकार के सहयोग से एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2025 के 14वें संस्करण की घोषणा की गई। यह मैराथन, जो विश्व एथलेटिक्स लेबल रेस के रूप में मान्यता प्राप्त है और भारत का दूसरा सबसे बड़ा शहर मैराथन है, 23 और 24 अगस्त को आयोजित होगा। इस वर्ष 28,000 से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है, जिसमें भारत और विदेशों से प्रतिभागी शामिल हैं।

टी-शर्ट और मेडल का अनावरण

सोमवार को बंजारा हिल्स के हयात प्लेस में आयोजित एक समारोह में आधिकारिक टी-शर्ट और मेडल का अनावरण किया गया। इस अवसर पर संजीव साही, कार्यकारी निदेशक, उत्पादन और समन्वय, एनएमडीसी लिमिटेड; श्रीनिवास गुट्टि, क्षेत्रीय प्रमुख, एसपी और तेलंगाना, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक; सुश्री निखत जरीन, ओलंपियन और दो बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन; और राजेश वेट्चा, रेस डायरेक्टर, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2025 उपस्थित थे।

इस अवसर पर संजीव साही ने कहा, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन केवल एक दौड़ नहीं है-यह समुदाय, फिटनेस और साझा उद्देश्य का उत्सव है। हम चौथे वर्ष इस आंदोलन का समर्थन करने पर गर्व करते हैं, न केवल प्रायोजक के रूप में, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भागीदार के रूप में। एनएमडीसी में, हमारा मिशन खनन से परे है-हम स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल के माध्यम से समुदायों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सुश्री निखत जरीन ने कहा कि मैराथन में हर साल भागीदारी बढ़ रही है और यह लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह सितंबर में लिवरपूल, इंग्लैंड में होने वाले विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हैं और उन्हें मेडल जीतने का विश्वास है।

राजेश वेट्चा ने कहा कि 14वां संस्करण न केवल संख्या में बड़ा है, बल्कि प्रभाव में भी गहरा है। 28,000 से अधिक प्रतिभागियों, अंतरराष्ट्रीय शश्रळीं धावकों और शक्तिशाली चैरिटी सहयोग के साथ, हम हैदराबाद मैराथन को वैश्विक मानकों तक ले जा रहे हैं। यह आयोजन पर्यावरण, समाज और इस शहर की आत्मा के लिए उद्देश्यपूर्ण दौड़ के बारे में है।

नए प्रायोजक और ग्रीन पहल

इस वर्ष नए प्रायोजकों में अपोलो हॉस्पिटल्स (मेडिकल पार्टनर), असिक्स (स्पोर्ट्स गुड्स पार्टनर) और टाटा कॉपर (हाइड्रेशन पार्टनर) शामिल हैं। पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए ऑप्ट-आउट, हेल्प-आउट पहल के तहत टी-शर्ट को वैकल्पिक बनाया गया है। रैगपिकर्स और वेस्ट मैनेजमेंट टीमों के साथ सहयोग सहित कई उपायों के साथ, आयोजन का लक्ष्य जल्द ही कार्बन-न्यूट्रल बनना है।

मैराथन ने अब तक 1.29 करोड़ रुपये चैरिटी के लिए एकत्र किए हैं और 15 सितंबर तक 3 करोड़ रुपये का लक्ष्य है। 29 गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में 1,500 से अधिक धावक कारण के लिए दौड़ रहे हैं। आर्सेसियम शीर्ष कॉर्पोरेट दानदाता है, इसके साथ ही एचबीएल इंजीनियरिंग और ह्यूमन डेवलपमेंट ट्रस्ट ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इवेंट शेड्यूल

एक्सपो : 22-23 अगस्त, हाईटेक्स

5के फन रन : 23 अगस्त, सुबह 7.00 बजे से हाईटेक्स ग्राउंड्स

फुल और हाफ मैराथन : 24 अगस्त, सुबह 4:30 और 5:30 बजे से नेकलेस रोड

10 के रन : 24 अगस्त, सुबह 7.00 बजे से हाईटेक्स

समापन : सभी दौड़ें गाचीबावली स्टेडियम में समाप्त होंगी

हैदराबाद को सक्रिय शहर बनाने की दिशा में

मैराथन का उद्देश्य हैदराबाद को भारत का सबसे सक्रिय और समावेशी शहर बनाना है। स्थानीय स्कूलों, कॉलेजों, आवासीय समुदायों और स्वयंसेवकों को शामिल करके, यह आयोजन शहर के गौरव, स्वास्थ्य चेतना और नागरिक एकता को बढ़ावा देता है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा, हमें एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के साथ चौथे लगातार वर्ष अपनी साझेदारी पर गर्व है। यह साझेदारी न केवल शारीरिक कल्याण, बल्कि वित्तीय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 28,000 से अधिक धावकों के साथ, यह मैराथन वित्तीय नियोजन की यात्रा को दर्शाता है-लक्ष्य निर्धारित करना, दृढ़ रहना और प्रगति का उत्सव मनाना। हम इस आंदोलन का समर्थन करने के लिए उत्साहित हैं जो लोगों को स्वस्थ और सशक्त जीवन जीने के लिए एकजुट करता है।

श्री राधा कृष्ण सिल्क पैलेस ने हैदराबाद के कुकटपल्ली में खोला तीसरा स्टोर

पारंपरिक साड़ियों की शानदार रेंज के साथ भव्य उद्घाटन समारोह

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अपनी समृद्ध विरासत और शालीनता के लिए 1982 से प्रसिद्ध श्री राधा कृष्ण सिल्क पैलेस ने हैदराबाद के कुकटपल्ली में अपने तीसरे स्टोर का भव्य उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में शहर के प्रमुख सामाजिक हस्तियों और पेज 3 व्यक्तित्वों की शानदार उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने उत्कृष्ट पारंपरिक साड़ियों में सजे-धजे इस अवसर को और भी आकर्षक बनाया।

साड़ियों का शानदार संग्रह

नए स्टोर में पारंपरिक बुनाई की एक शानदार रेंज प्रदर्शित की गई है, जिसमें बंधेज, जॉर्जेट, कलमकारी, कोरा, कोटा, तुस्सर, कांजीवरम, बनारसी, गडवाल, इकत, पठानी और अन्य क्लासिक सिल्क साड़ियां शामिल हैं। प्रत्येक साड़ी भारतीय हस्तकला और समृद्ध कपड़ा विरासत को दर्शाती है, जो उत्कृष्ट शिल्प कौशल का प्रतीक है।

श्री राधा कृष्ण सिल्क पैलेस ने दशकों से अपनी गुणवत्ता और पारंपरिक डिजाइनों के लिए ख्याति अर्जित की है। कुकटपल्ली में तीसरे स्टोर का उद्घाटन न केवल ब्रांड की विस्तार यात्रा को दर्शाता है, बल्कि हैदराबाद के निवासियों को भारतीय हस्तकला की उत्कृष्टता का अनुभव करने का अवसर भी प्रदान करता है। यह स्टोर पारंपरिक और समकालीन फैशन के प्रेमियों के लिए एक नया गंतव्य बनने की ओर अग्रसर है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत सोमवार को युवान गुप्ता के जन्मदिन (श्री दिनेश गोयल परिवार-विजय ज्वैलर्स द्वारा) पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. 1265 के समीप जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के - रामप्रकाश अग्रवाल,महेश अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,विशालजी अग्रवाल,शिवानी अग्रवाल,ई-जगन चम्पापेट,श्याम सुन्दर अग्रवाल,भगतराम गोयल,सुरेश सिंघल,सोहनलाल अग्रवाल,मनीष फिटकारीवाला,नंदकिशोर अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल,एवं अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जरूरतमंदों की सेवा की।

गौ सेवा का महत्व : ध्यान फाउंडेशन की अनोखी पहल

श्याम बाबा नंदीशाला और ध्यान फाउण्डेशन गौशाला के माध्यम से समाज में गौ-संरक्षण का संदेश

Dhyan Foundation
Journey of Spirit

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय संस्कृति में गाय को मां का दर्जा दिया गया है। वेदों और पुराणों में भी गौ-सेवा को पुण्य और मोक्ष का मार्ग बताया गया है। इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए ध्यान फाउंडेशन ने नंदीशाला और गौशाला के माध्यम से गौ-संरक्षण और सेवा का एक प्रेरणादायक अभियान चलाया है।

गौ का धार्मिक और सामाजिक महत्व

भारतीय परंपरा में गाय को कामधेनु का स्वरूप माना जाता है, जो न केवल दूध बल्कि गोमूत्र और गोबर के माध्यम से औषधीय और कृषि संबंधी अनेक लाभ देती है। गाय की सेवा से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

ध्यान फाउंडेशन की पहल

नंदीशाला - चेल्लूर गांव, राजपेठ, यादगिरिगुट्टा, नलगोंडा जिला में संचालित।

गौशाला - पेदशापुर, गोलूर रोड, स्टेच ऑफ इन्विंसिबल के समीप, रामायपल्ली, हैदराबाद में स्थित।इन स्थानों पर बड़ी संख्या में नंदी और गौवंश की सेवा की जाती है। लोगों को विभिन्न सेवाओं के माध्यम से जुड़ने का अवसर प्रदान किया गया है, जैसे -

20 किलो गुड़ की सेवा - 1000

1 गाय का मासिक आहार - 2500

1 गाय 1 बछड़े की सेवा - 3500

बछड़े और गौमाता की दान सेवा ङ्क 31000

आजीवन सदस्य : 1,00,000

समाज के लिए आह्वान

ध्यान फाउंडेशन ने समाज से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग गौ सेवा और संरक्षण के इस पुण्य कार्य से जुड़ें।

आजीवन सदस्य (1 लाख रुपए) और सीएसआर एवं एफसीआरए के माध्यम से भी दान स्वीकार किए जाते हैं। गाय केवल पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। उसकी सेवा करना समाज और प्रकृति के प्रति हमारा कर्तव्य है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर भी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत सोमवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप माता के मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,महेश अग्रवाल,राजेश सर योग,सुनील भाई,रीतेश अग्रवाल,अशोक अग्रवाल,नरेश बंसल,पन्ना लाल जी,नमन अग्रवाल,राधा अग्रवाल,लता गोयल,मीना अग्रवाल,शर्मिला अग्रवाल,राधा अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद भाई,विनोद तोशनीवाला,आशीष,रवि,किशन पाल एवं अन्य सदस्यों ने सेवा की।

बीआईएस हैदराबाद ने सार्वजनिक बस परिवहन मानकों पर किया मंथन

टीजीआरटीसी अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के हैदराबाद शाखा कार्यालय ने सोमवार, 28 जुलाई 2025 को बस भवन, हैदराबाद में एक महत्वपूर्ण मन्क मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीआरटीसी) के सहयोग से आयोजित इस मंथन का विषय आईएस 19225:2025 - सार्वजनिक बस परिवहन सेवाओं के दिशा-निर्देश था।

इस कार्यक्रम मेंटीजीआरटीसी के कार्यकारी निदेशक मुनि शेखर सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी और विभागाध्यक्षगण उपस्थित रहे। बीआईएस हैदराबाद के संयुक्त निदेशक राकेश तन्नेरु और मानकीकरण समिति के सदस्य सचिव श्री शिवम सोनी ने मानक के विभिन्न बिंदुओं को विस्तार से प्रस्तुत किया, जिस पर गहन चर्चा हुई।

चर्चा के दौरान फीडर सेवाओं की उपलब्धता, टर्मिनलों पर पार्किंग की व्यवस्था, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस) का उपयोग, विभिन्न परिवहन प्रणालियों के साथ एकीकरण, और सतत शहरी गतिशीलता को प्रोत्साहित करने जैसे महत्व-पूर्ण मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। आरटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने व्यावहारिक अनुभवों के आधार पर कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए।

इस मन्क मंथन का मुख्य उद्देश्य मानक को अधिक व्यावहारिक और लागू करने योग्य बनाने के लिए हितधारकों से सुझाव प्राप्त करना था। यह पहल समावेशी और उपयोगी मानकों के विकास के प्रति इखड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन ने एचएनएस चिकित्सालय के उद्घाटन पर चेयरमैन और अध्यक्ष का किया अभिनंदन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एचएनएस चिकित्सालय के उद्घाटन समारोह के अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन ने अपने चेयरमैन अंजनी कुमार अग्रवाल और अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल का अभिनंदन किया। यह सम्मान समारोह चिकित्सालय के उद्घाटन के मौके पर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, स्वामी कमलेश महाराज, मुकेश जैन चौहान, आर.के. जैन सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। लव फॉर काऊ फाउंडेशन ने अपने शीर्ष पदाधिकारियों के सम्मान के माध्यम से चिकित्सालय के शुभारंभ पर अपनी सहभागिता और शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

यापराल व्यापारी ट्रेंड्स एसोसिएशन में राजूराम चोयल अध्यक्ष और लालाराम सीरवी सचिव निर्वाचित

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालाजी नगर, यापराल स्थित व्यापारी ट्रेंड्स एसोसिएशन संगठन के चुनाव हाल ही में संपन्न हुए। इन चुनावों में राजूराम चोयल को नया अध्यक्ष और लालाराम सीरवी को सचिव चुना गया है।

इस अवसर पर अशोक सीरवी को सदस्य के रूप में भी निर्वाचित किया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान, सीरवी समाज बडेर बालाजी नगर वडेर के अध्यक्ष जयराम पंवार और सचिव हीरालाल चोयल सहित सीरवी समाज बालाजी नगर कार्यकारिणी के समस्त सदस्य, अन्य समाज बंधु और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शंखेश्वर भवन में आचार्य श्री भक्तिरत्नसुरीश्वरजी से मिले स्वामी कमलेश महाराज, जैन साहित्य भेंट किया

गोशामहल स्थित शंखेश्वर भवन में विराजित पूज्य आचार्य श्री भक्तिरत्नसुरीश्वरजी म.सा. से अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी कमलेश महाराज ने भेंट की। इस अवसर पर दोनों प्रमुख हस्तियों के बीच धर्मचर्चा भी हुई।

इस मुलाकात के दौरान मुनि श्री भक्तिदर्शन विजय जी म.सा., रिद्धिश जागीरदार और मुकेश जैन चौहान भी उपस्थित थे। पूज्य आचार्य श्री ने स्वामी कमलेश महाराज को जैन साहित्य भेंट कर उनका अभिनंदन किया, जो विभिन्न धर्मों के बीच सद्भाव और सम्मान का प्रतीक बना। यह भेंटवार्ता धार्मिक सौहार्द और आध्यात्मिक संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही।

CHANGE OF NAME

I, NIVEDITA KUMARI spouse of 17004184A NK RAJMOHAN BHAGAT, R/o, Vill and PO:Ningni, Teh&Dist:Lohardaga, Jharkhand-835302 have changed my name from NIVEDITA KUMARI to NIVEDITA ORAON vide affidavit dt:28-7-2025 before G Shoba, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

स्कूल बस सुरक्षा पर उठे सवाल, अभिभावकों और नागरिकों ने जताई चिंता

किनवट, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर और ग्रामीण इलाकों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिसके कारण बच्चों की आवाजाही के लिए स्कूल वाहनों का उपयोग भी बढ़ गया है। हालांकि, इन वाहनों की सुरक्षा और पंजीकरण को लेकर अब गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। अभिभावक आरटीओ और स्कूल प्रबंधन कमेटियों पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं।

स्कूल संचालकों पर आरोप है कि मुनाफे की होड़ में वे नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं। कई स्कूलों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे वाहन या तो पुराने हैं या फिर उनका फिटनेस सर्टिफिकेट नवीनीकृत नहीं है। स्थिति यह है कि छोटी वैन और ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चों को ठूंसा जाता है, और कई बार तो बच्चों के बैग वाहन के बाहर लटकते हुए भी दिखाई देते हैं। अभिभावकों का कहना है कि कम शुल्क के कारण वे इस ओर ध्यान नहीं देते, लेकिन यह बच्चों की जान को जोखिम में डालने जैसा है।

–नियमों की अनदेखी और प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप

अभिभावकों का कहना है कि स्कूल बसों में महिला अटेंडेंट, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और आपातकालीन द्वार जैसी मूलभूत सुविधाएं भी अक्सर नदारद होती हैं। कई चालकों के पास न तो उचित ड्राइविंग लाइसेंस होता है और न ही उन्हें ट्रैफिक नियमों की जानकारी होती है। इस गंभीर लापरवाही को लेकर नागरिकों ने प्रशासन और स्कूल प्रबंधन पर अंकुश लगाने में विफल रहने पर सवाल उठाए हैं।किनवट के पूर्व नगराध्यक्ष भूर्जुग इसाखान ने इस स्थिति को बच्चों की जान से खिलवाड़ बताया। उन्होंने कहा कि आरटीओ को वाहनों की जांच और चालकों के योग्यता प्रमाणपत्र की नियमित जांच करनी चाहिए। नागरिकों का कहना है कि सभी स्कूलों में एक परिवहन समिति का गठन अनिवार्य किया जाना चाहिए, जो सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करे।

शी टीम ने हाई स्कूल में महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम किया

कागजनगर/पेंचिकलपेट, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमारामभीम, आसिफाबाद जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, (आईपीएस) और आसिफाबाद के एएसपी चित्तरंजन आईपीएस के आदे-शानुसार, शी टीम के तत्वावधान में पेंचिकलपेट मंडल के चेदवई गाँव स्थित सरकारी हाई स्कूल में महिला सुरक्षा पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शी टीम प्रभारी, एएसआई सुनीता ने कहा... छात्राओं को सुरक्षा कानून, खतरे के समय कैसे प्रतिक्रिया दें, डायल 100, सोशल मीडिया के उपयोग में सावधानियां, छेड़छाड़, साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर जागरूक किया गया। छात्राओं को अपने अधिकारों को जानने और बहादुर बनने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि यदि किसी छात्रा को परेशान किया जाता है, तो वे तुरंत कागजनगर शी टीम नंबर 8712670565 पर सूचित करें। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य टी. रमेश बाबू और शिक्षकगण, शी टीम की सदस्य रमादेवी, स्वप्ना, श्रीनिवास आदि ने भाग लिया।

झारी बी गांव में पुल निर्माण की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपी याचिका

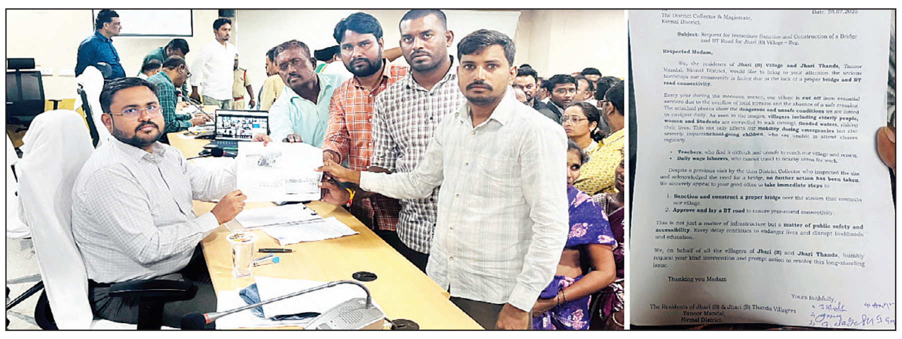

किनवट, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तानूर मंडल के झारी बी गांव के ग्रामीणों ने सोमवार को निर्मल जिला कलेक्टर कार्यालय में एक याचिका प्रस्तुत कर पुल के जल्द पुनर्निर्माण की मांग की है। गांव को झारी टांडा से जोड़ने वाला यह पुल बारिश के कारण अवरुद्ध हो गया है, जिससे लोगों और किसानों को आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने संयुक्त कलेक्टर फैजान अहमद को अपनी समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों की मांग पर, संयुक्त कलेक्टर फैजान अहमद ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि वह इस समस्या को जल्द से जल्द सरकार के सामने प्रस्तुत कर इसका समाधान सुनिश्चित करेंगे।इस अवसर पर याचिका प्रस्तुत करने वालों में पूर्व एमपीटीसी जल्लेवार शिवदास, असम माधव, बोड्डोल्ला योगेश्वर, गुरला योगेश, गोदुगु नागेश और अन्य ग्रामीण शामिल थे।

बोरगांव बालाजी मंदिर में श्रावण मास महोत्सव का शुभारंभ, हजारों भक्तों ने लिया भाग

तानूर, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तानूर मंडल के बोरगांव स्थित प्रसिद्ध बालाजी मंदिर में शनिवार से श्रावण मास महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। ज्ञात हो कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बोरगांव पहाड़ी पर स्थित मंदिर में पूरे एक माह तक यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंदिर समिति के तत्वावधान में प्रत्येक शनिवार और सोमवार को विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम किए जाते हैं।

इस वर्ष श्रावण मास के पहले सोमवार को गांव के पावले शिव-ाजीराव गणपतराव पटेल ने मंदिर में भगवान बालाजी और अन्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना और दर्शन कर अन्नदान (भंडारा) का आयोजन किया। इस दौरान मुधोल के विधायक पवार रामाराव पटेल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने पूजा-अर्चना और मंगल आरती में भाग लिया, महाप्रसाद ग्रहण किया और मंदिर समिति की ओर से उन्हें शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

श्रावण मास के पावन अवसर पर खरबी गांव और आसपास के हजारों महिला-पुरुष, युवक और बच्चों ने भाग लिया। बोरगांव, बेम्बर, उमरी, बोलसा, हिप्पनल्ली और अन्य गांवों के लोगों ने मंदिर में पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन कर भक्तिमय माहौल बनाया। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर समिति के सदस्यों और बोरगांव-बेम्बर गांव के लोगों ने सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं। यह प्रथा कई वर्षों से मंदिर समिति के नेतृत्व में जारी है।

पात्र लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं : कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा है कि पात्र लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। सोमवार को, सिरपुर मंडल केंद्र स्थित रायथु वेदिका में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान, कलेक्टर ने पात्र लाभार्थियों को नए राशन कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के एमएलसी दांडे विठ्ठल, अतिरिक्त कलेक्टर डेविड और उप-कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने अपने दौरे में उर्वरक की दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जिले में उर्वरकों की कमी न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उर्वरकों का दुरुपयोग होता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सरकारी अस्पताल का भी दौरा किया, जहां उन्होंने मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने और अस्पताल में पर्याप्त दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।उन्होंने मंडल केंद्र स्थित जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय का भी दौरा किया और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने प्रशासकों को मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए और दसवीं कक्षा के छात्रों की शिक्षा पर खास जोर दिया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में तहसीलदार मोहिनुद्दीन, एडीए मनोहर, मंडल कृषि अधिकारी, डॉक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भालकी तालुका के बालाजी मंदिर में, डीके शीद्राम मित्र मंडल की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तालुका के सभी पत्रकारों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।मंडल के सदस्यों ने पत्रकारों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए। यह आयोजन पत्रकारों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और उनके महत्वपूर्ण योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था।

यादगिरिगुट्टा मंदिर: निविदा प्रक्रिया में नए नियम की मांग, करोड़ों के नुकसान पर चिंता

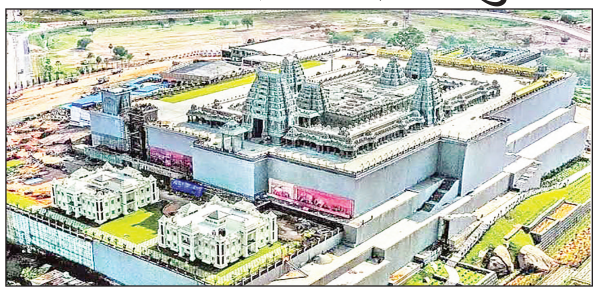

यादगिरिगुट्टा, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के प्रसिद्ध यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में आयोजित होने वाली करोड़ों रुपए की निविदाओं (टेंडर्स) को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मंदिर प्रशासन को निविदा जीतने वालों द्वारा बकाया राशि का भुगतान न करने के कारण भारी वित्तीय नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों ने इस समस्या को रोकने के लिए निविदा प्रक्रिया में एक नया नियम लागू करने की अपील की है।

मौजूदा प्रक्रिया में, बकाया राशि का भुगतान न करने वाले निविदाकर्ताओं को मंदिर को अदालती नोटिस भेजना पड़ता है, जिससे मंदिर को कानूनी खर्चों और टेंडर की राशि दोनों का नुकसान होता है। पूर्व में, पार्किंग टेंडर और विष्णु पुष्करिणी में दुकानों के टेंडर जीतने वाले लोगों ने लाखों-करोड़ों रुपए का भुगतान नहीं किया, जिससे मंदिर को अदालती कार्यवाही का सामना करना पड़ा।

–संपत्ति का ब्यौरा लेना अनिवार्य करने की मांग

इस तरह के नुकसान को रोकने के लिए, विशेषज्ञों का सुझाव है कि निविदा में भाग लेने वाले हर व्यक्ति के लिए अपनी संपत्ति का पूरा विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि निविदा को तभी स्वीकृत किया जाना चाहिए जब व्यक्ति वित्तीय रूप से योग्य हो। ऐसा करने से मंदिर को करोड़ों रुपए के राजस्व नुकसान से बचाया जा सकेगा और निविदाकर्ताओं द्वारा समय पर भुगतान न करने की समस्या खत्म हो जाएगी।विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि निविदा की अवधि समाप्त होने के बाद, कई बार बकाया राशि का कुछ हिस्सा मंदिर के कर्मचारियों को कमीशन के रूप में दिया जाता है, जिससे मंदिर को और अधिक नुकसान होता है। इस तरह की अनियमितताओं को रोकने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, निविदाकर्ताओं की संपत्ति का विवरण लेना एक आवश्यक कदम होगा। इस नए नियम से न केवल मंदिर का राजस्व सुरक्षित रहेगा, बल्कि अदालती कार्यवाही का बोझ भी कम होगा।

मंचेरियाल में बाघ ने एक और बछड़े को मार डाला, ग्रामीणों में दहशत

मंचेरियाल, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के धर्मारावपेट गांव के अंतर्गत रोटेपेल्ली के जंगलों में एक बाघ ने चर रहे मवेशियों के झुंड पर हमला कर दिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। इस हमले में गोंडुगुडा के कुरीसेंगा अच्युत राव का एक बछड़ा मारा गया। वन अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की पुष्टि की।

अधिकारियों ने बताया कि यह संभवतः एक नर बाघ है, जो महाराष्ट्र से आया है और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के तिरयानी और कासिपेट मंडल की सीमाओं पर घूम रहा है। उन्होंने राव को जल्द ही मुआवज़ा देने का आश्वासन दिया और ग्रामीणों से अपने मवेशियों को जंगल में दूर तक न ले जाने का आग्रह किया।

–लगातार हमले से ग्रामीण भयभीत

इसी बाघ ने 8 जुलाई को भी कासिपेट मंडल के वेंकटपुर गांव के जंगलों में एक बछड़े को मार डाला था। बाघ की लगातार आवाजाही के कारण ग्रामीण भय के साये में जी रहे हैं और खेती-बाड़ी के काम करने से भी हिचकिचा रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने वन अधिकारियों से बाघ को घने जंगलों में भेजने और मानव व पशु हानि को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का अनुरोध किया है। ग्रामीणों की चिंताओं को देखते हुए, वन विभाग ने बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जंगलों में सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए हैं।

जिले में 25,416 लाभार्थियों को राशन कार्ड : डेविड

आसिफाबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में पात्र लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त में 25,416 राशन कार्ड प्रदान किए गए हैं, जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) डेविड ने एक बयान में बताया। उन्होंने बताया कि जिले के सिरपुर-टी और आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले मंडल केंद्रों में रैथु वेदी (तिरयानी मंडल परिषद विकास अधिकारी कार्यालय) में इस महीने की 28 तारीख से 5 अगस्त तक राशन कार्ड वितरित किए जाएँगे। उन्होंने कहा कि संबंधित मंडलों के तहसीलदार राशन कार्ड वितरण के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

मदनूर में मुद्राज समाज ने दानदाताओं का सम्मान किया

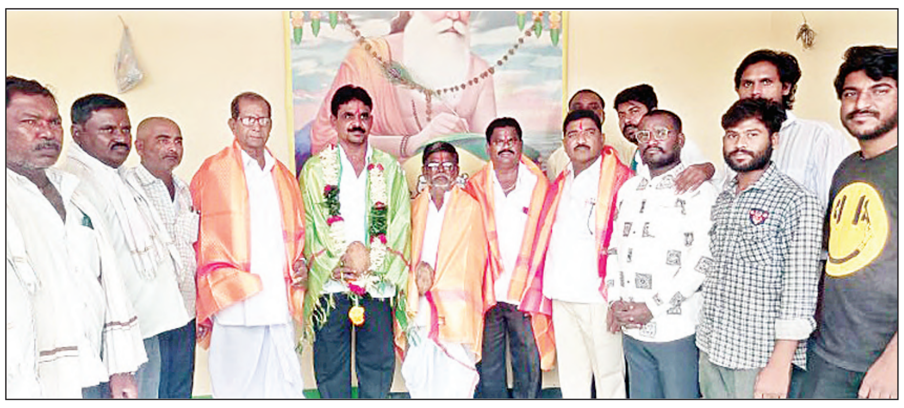

मदनूर, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानिक मुद्राज समाज की ओर से सोमवार को दो प्रमुख दानदाताओं को उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह समाज भवन में आयोजित किया गया, जिसमें समाज के मंडल अध्यक्ष अशोक कल्लूरवार, उपाध्यक्ष सायलू यंजपवार और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे।इस अवसर पर, नामदेव मिस्त्री को समाज मंदिर में वाल्मीकि ऋषि की प्रतिमा स्थापित करने के लिए दिए गए दान हेतु सम्मानित किया गया।

इसी तरह, संतोष मिस्त्री को भी मंदिर के विविध कामकाज के खर्चों के लिए 65,000 रुपये का दान देने पर शाल और श्रीफल भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया गया।

इस सम्मान समारोह में समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मदनूर के शिव मंदिर में महाप्रसाद का आयोजन, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

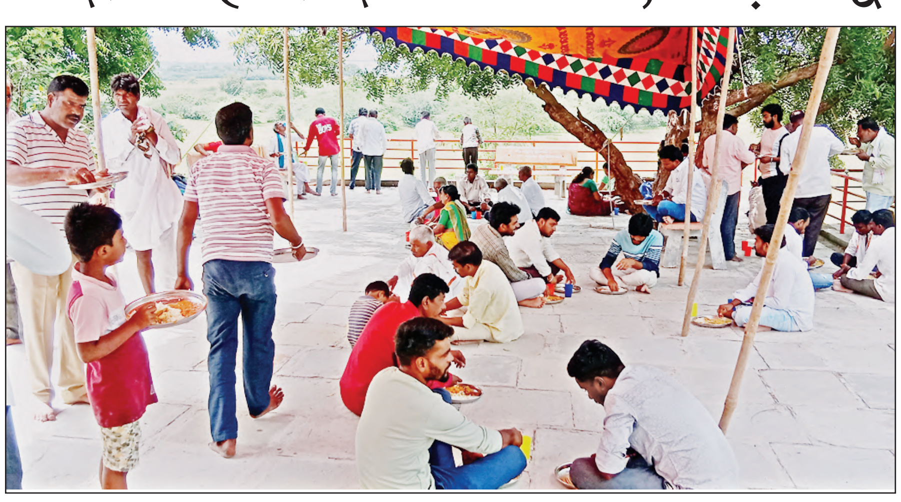

मदनूर, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) हिन्दू धर्म में श्रावण मास के महत्व को देखते हुए मदनूर मंडल केंद्र की सोमलिंगम पहाड़ी पर स्थित पुरातन शिव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इस शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया।श्रावण मास के सोमवार को सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव पर जल और बेलपत्र चढ़ाकर पूजा-अर्चना की और आरती उतारी। इस दौरान श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा माहौल भक्तिमय और आध्यात्मिक रहा।मंदिर के पुजारी अक्षय स्वामी ने बताया कि श्रावण मास में मंदिर में आने वाले भक्तों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। स्थानिक बुजुर्गों ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर में जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से मन्नत मांगता है, वह जल्दी ही पूरी होती है। स्थानिक भक्तों द्वारा मंदिर में आए सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण भी किया गया।

जयपाल रेड्डी की छठी पुण्यतिथि पर पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दी श्रद्धांजलि

नेकलेस रोड, हैदराबाद में स्पूर्ति स्थल पर आयोजित हुआ स्मरण समारोह

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार प्राप्त श्री जयपाल रेड्डी की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर आज, 28 जुलाई 2025 को सुबह 11 बजे, हैदराबाद के नेकलेस रोड स्थित श्री जयपाल रेड्डी स्मारक (स्पूर्ति स्थल) पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ पुष्पांजलि अर्पित की।

समारोह में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

श्रद्धांजलि समारोह में विधानसभा अध्यक्ष श्री गड्डम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के सभापति श्री गुट्टा सुखेंद्र रेड्डी, मंत्री श्री पोनम प्रभाकर, श्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, श्री विवेक वेंकटस्वामी, श्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार, राज्य सरकार के सलाहकार श्री के. केशव राव, पूर्व सांसद श्री मधु यशकी गौड़, और एमआरपीएस के संस्थापक अध्यक्ष श्री मंदा कृष्ण मदीगा सहित कई नेता उपस्थित थे। सभी ने श्री जयपाल रेड्डी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी सामाजिक और राजनीतिक उपलब्धियों को याद किया।

जयपाल रेड्डी की विरासत

श्री जयपाल रेड्डी, जिनका निधन 28 जुलाई 2019 को हुआ, एक प्रख्यात राजनेता, उत्कृष्ट वक्ता और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने पांच बार लोकसभा सांसद, चार बार विधायक और दो बार राज्यसभा सदस्य के रूप में सेवा की। उन्होंने सूचना और प्रसारण, शहरी विकास, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, पृथ्वी विज्ञान, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न मंत्रालयों में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया। उनकी बौद्धिकता, वाकपटुता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण को आज भी याद किया जाता है। तेलंगाना राज्य के गठन में उनकी भूमिका को विशेष रूप से सराहा गया।

नेताओं के विचार

मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी ने अपने संदेश में कहा कि जयपाल रेड्डी राष्ट्रीय राजनीति में एक शीर्ष राजनेता थे, जिनके पास लोकतंत्र और राजनीति की गहरी समझ थी। उनकी वाकपटुता और हर मुद्दे पर तीक्ष्ण टिप्पणियां हमेशा प्रशंसा प्राप्त करती थीं। समारोह में मंत्रियों और नेताओं ने उनकी जनकल्याणकारी पहलों और तेलंगाना के विकास में योगदान को याद किया।

स्मारिका विमोचन

इस अवसर पर मंत्री श्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री एम.एम. पल्लम राजू ने संयुक्त रूप से श्री जयपाल रेड्डी के जीवन, राजनीतिक यात्रा और योगदान को दर्शाने वाली एक पुस्तक का विमोचन किया।

स्पूर्ति स्थल का महत्व

स्पूर्ति स्थल, श्री जयपाल रेड्डी की स्मृति में बनाया गया स्मारक, पिछले वर्ष उनकी 82वीं जयंती पर उद्घाटित किया गया था। यह स्मारक हुसैन सागर झील के किनारे, नेकलेस रोड पर, पूर्व प्रधानमंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हा राव के स्मारक के पास स्थित है। यह स्थल उनकी विरासत को संरक्षित करने और प्रेरणा प्रदान करने का प्रतीक है।

रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन ने राजेश अग्रवाल का किया अभिनंदन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित दी ग्रांड बॉलरूम होटल में प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश अग्रवाल का हार्दिक अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, स्वामी कमलेश महाराज, मुकेश जैन चौहान, आर.के. जैन, वेंकटेशम गुप्ता सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। फाउंडेशन ने नवनियुक्त अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

काचीगुड़ा में माजीसा ढाका ट्रैवल्स का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। काचीगुड़ा में माजीसा ढाका ट्रैवल्स के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कई गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों ने शिरकत की। यह कार्यक्रम ट्रैवल्स के प्रबंधक धर्माराम ढांका और रामेश्वर दायमा की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में विकास शर्मा, मंगलाराम पंवार, कैलाश शर्मा, सोहन सिंह राजपुरोहित, लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित, आनंद शर्मा, हरजीराम काग, रूपाराम कुमावत, वचनाराम जाट, धर्माराम कड़वा, बकसाराम खुड़खुड़िया, लिखमाराम खोखर, कैलाश सारण, डोलाराम कड़वा, आशाराम गेहलोत, जगदीश कुलकधाणीया, बाबूलाल कुलकधाणीया, हीरालाल उपाध्याय, गौकुलचंद उपाध्याय, श्रावण चिपड़ा और नारायण कुमावत सहित अन्य लोग शामिल थे। सभी अतिथियों ने माजीसा ढाका ट्रैवल्स के सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

अग्रवाल समाज गोशामहल शाखा ने किया कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यानगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा का अग्रवाल समाज गोशामहल शाखा ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों और पदाधिकारियों ने कांवड़ियों का अभिनंदन किया।

कांवड़ यात्रा के स्वागत के दौरान, अग्रवाल समाज के वरिष्ठ सदस्य रमेश अग्रवाल, अध्यक्ष उमेश जिंदल, राजेंद्र शशि, अनिल पटवारी, सुनील टिबरेवाल, महेश कुंचल, शंकर लाल पटवारी, डी.एल. राजेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, कमल मित्तल, आनंद मित्तल, दीपक लक्ष्मीनिवसा, नवीन पटवारी और आकाश पटवारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समाज के सदस्यों ने कांवड़ियों को जलपान और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर अपनी भक्ति और सेवा भाव का प्रदर्शन किया।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा भव्य कांवड़ यात्रा और शोभायात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रावण मास के पावन अवसर पर, श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा सोमवार को भगवान श्री विजय शंकर जी महाराज की भव्य शोभायात्रा और कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि समाज द्वारा प्रति सोमवार को श्री विजय शंकर महाराज का रुद्राभिषेक भी किया जा रहा है।

यह भव्य शोभायात्रा ऋषि श्रृंग भवन से प्रारंभ हुई और शाहीनाथगंज पी.एस., सेवन हेवन होटल, मजदूर अड्डा, बेगम बाजार, किराणा मार्केट, स्वास्तिक मिर्ची, बर्तन बाजार और फिलखाना जैसे विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए श्री राम दरबार पंचायत बाड़ा स्थित श्री विजय शंकर जी महाराज के शिवाले तक पहुँची।

इस शोभायात्रा में 121 महिलाएं कावड़ धारण किए हुए थीं, वहीं भगवान शिव के भक्त डमरू और ताल बजाते हुए नाचते-गाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय और आनंदित हो उठा। यात्रा के दौरान जगह-जगह भस्मी उड़ाई जा रही थी, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो गुलाल उड़ रहा हो।

मंदिर पहुंचने के पश्चात, भगवान श्री विजय शंकर जी महाराज को 56 भोग और 36 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। इसके बाद आरती हुई और भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने सभी स्वजातीय बंधुओं का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह भव्य आयोजन सफल हो सका।

राज्यपाल ने किया विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मेलन का उद्घाटन

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और स्मार्ट खेती जैसे विषयों पर होगी चर्चा

हैदराबाद, 28 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लिटिल फ्लावर डिग्री कॉलेज (एलएफडीसी), उप्पल, हैदराबाद के भौतिक विज्ञान विभाग ने 28 जुलाई 2025 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शानदार उद्घाटन किया। इस सम्मेलन का उद्घाटन तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा ने प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं की उपस्थिति में किया।

सम्मेलन का उद्देश्य और विषय

इस सम्मेलन का उद्देश्य गणित, सांख्यिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, भौतिकी और कंप्यूटर साइंस जैसे क्षेत्रों में नवीन अनुसंधान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है। सम्मेलन में भारत और विदेशों (अमेरिका, ओमान, इंडोनेशिया, कनाडा, सऊदी अरब और मलेशिया) के प्रख्यात शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। चर्चा के प्रमुख विषयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट सिटी, स्मार्ट खेती, हेल्थ मॉनिटरिंग, गणितीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय विश्लेषण और क्वांटम तकनीक शामिल हैं।

राज्यपाल का संबोधन

उद्घाटन भाषण में माननीय राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा ने राष्ट्रीय विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को नवाचार और जिज्ञासा की भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सम्मेलन की स्मारिका का अनावरण भी किया।

कॉलेज प्रशासन का योगदान

एलएफडीसी के निदेशक ब्रदर जॉन कलारक्कल ने स्वागत भाषण में सभी प्रतिभागियों और माननीय राज्यपाल का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन की मेजबानी पर गर्व व्यक्त किया। प्रधानाचार्या श्रीमती जयंती रेड्डी ने सम्मेलन के उद्देश्यों और उभरते विषयों पर प्रकाश डाला, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के गतिशील परिदृश्य को दर्शाते हैं।

समापन और आभार

उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कॉलेज के संवाददाता ब्रदर अरुण प्रकाश ने सभी उपस्थित लोगों और योगदानकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। राज्यपाल की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी गरिमामय बनाया।

यह सम्मेलन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच है। लिटिल फ्लावर डिग्री कॉलेज की यह पहल न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर उभरती प्रौद्योगिकियों पर चर्चा के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.